वर्ष 69 · अंक 121 · पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 29 जनवरी, 2026
माघ शुक्ल पक्ष 11, विक्रम संवत् 2082
महानगर · मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

ऐसे जियो जैसे कि कल ही मरना है। ऐसे सीखो जैसे कि हमेशा जीना है।
- महात्मा गांधी

बारामती: रनवे से 100 मीटर पहले जमीन से टकराकर आग का गोला बना विमान, अजित पवार समेत पांच लोग मारे गए

ओह शिट...!

मुंबई, जेएनएन। ओह शिट-ओह शिट...! ये आखिरी शब्द थे उस विमान के को-पायलट के जो महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार का विमान उड़ा रहे चालक दल में शामिल थी। बारामती में बुधवार सुबह कोहरा काफी अधिक था शायद इसलिए पायलट को रन-वे स्पष्ट दिखा नहीं और जब वह रन-वे के बगल में पहुंच गया उस क्षण सामने का दृश्य देखकर को-पायलट के मुंह से ओह शिट-ओह शिट के अलावा कुछ और नहीं निकल सका और विमान जमीन से टकराकर क्रैश हो गया।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार (66) उनके साथ मौजूद पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर एचसी विदिप जाधव, पायलट कैप्टन सुमित कपूर, कैप्टन सांभवी पाठक और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली मारे गए। दरअसल, सुबह कोहरे के कारण विजिबिलिटी बहुत कम थी।

पायलटों ने रनवे-11 पर लैंडिंग की कोशिश की। हालांकि उन्हें रनवे नहीं दिखा। दोनों पायलट ने प्लेन दोबारा ऊपर ले लिया। पायलट ने लैंडिंग क्लीयरेंस को दोहराकर कन्फर्म नहीं किया। दूसरी बार विमान ने फिर से रनवे की ओर आना शुरू किया। रनवे पर टकराने के बाद प्लेन में धमाका हुआ और भीषण आग लग गई। इसके बाद 4-5 और धमाके हुए। एयरपोर्ट से आग और धुएं का गुबार देख स्थानीय लोग क्रैश साइट की तरफ दौड़े। ग्रामीणों ने प्लेन में सवार लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी भयानक थी कि मदद नहीं कर सके। पवार 5 फरवरी को पुणे में होने वाले जिला परिषद चुनावों के लिए 4 रैलियों को संबोधित करने वाले थे। वे मुंबई से सुबह 8.10 बजे रवाना हुए थे। केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने बताया कि पायलट ने रनवे-11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई।

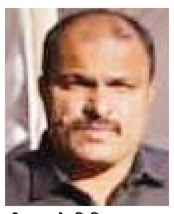

कैप्टन सुमित कपूर | पीएसओ विदिप जाधव

संबंधित खबरें-11 पर

प्रत्यक्षदर्शी बोले-पहले ही लगा हादसा होगा

बारामती एयरपोर्ट के पास गांव के कई लोगों ने हादसे से पहले प्लेन को देखा। एक आई विटनेस ने बताया- प्लेन रनवे के पास पहुंचने से लगभग 100 मीटर पहले ही क्रैश हो गया। जब प्लेन नीचे उतर रहा था, तभी लग रहा था कि हादसा होगा और ऐसा ही हुआ।

प्लेन के टुकड़े घरों तक आकर गिरे

एक अन्य ग्रामीण ने बताया कि प्लेन पहले गांव के ऊपर से गुजरा। फिर गांव के नीचे आता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद रनवे पर जाकर पलटा और जमीन से टकरा गया। धमाके के बाद प्लेन के टुकड़े उड़कर हमारे घर तक आ गिरे।

महाराष्ट्र में 3 दिन का राजकीय शोक घोषित

सीएम देवेंद्र फडणवीस बारामती पहुंचे। उन्होंने स्कूलों की छुट्टी व 3 दिन के राजकीय शोक की घोषणा की। अंतिम संस्कार बारामती में गुरुवार सुबह 11 बजे होगा। अजित के चाचा शरद पवार, पत्नी सुनेत्रा, दोनों बेटे, बहन सुप्रिया सुले भी बारामती पहुंच गईं हैं।

ग्वालियर की हैं दूसरी पायलट कैप्टन शांभवी पाठक

हादसे में जान गंवाने वाली को-पायलट शांभवी पाठक का मप्र से गहरा नाता है। उनका जन्म और प्रारंभिक शिक्षा ग्वालियर में हुई थी, जहां उन्होंने एयरफोर्स विद्या भारती स्कूल में पढ़ाई की। उनके पिता विक्रम पाठक, वायुसेना में मिराज फाइटर प्लेन के स्क्वाड्रन लीडर रह चुके हैं।

पिंकी माली

पीएम ने शोक जताया

अजित पवार सहित पांच लोगों को हादसे में मारे जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि अजित पवार का निधन दुखद है।उनका महाराष्ट्र के विकास में अहम योगदान रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शोक जताते हुए कहा, वह पीड़ितों के साथ हैं

अजित की मौत दुर्घटना, राजनीति न करें: पवार

विपक्षी नेताओं ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मौत की जांच कराने की मांग की है। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि हादसे की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की जानी चाहिए। उधर, एनसीपी (शरद) नेता और अजित के चाचा शरद पवार ने कहा कि यह हादसा है। इस पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। महाराष्ट्र ने एक काबिल इंसान खो दिया है। उसके पास फैसले लेने की ताकत थी।

बुधवार को बारामती एयरपोर्ट से करीब 100 मीटर दूर (लाल घेरे में) विमान क्रैश हो गया। इसमें अजित पवार सहित पांच लोगों की मौत हो गई। (इनसेट) हादसे के बाद जलता विमान।

ऑफ बीट

तेंदुआ पकड़ने लगाया जाल, फंस गए इंसान

उप्र के हापुड़ जिले से अजब-गजब मामला सामने आया है। यहां तेंदुए को पकड़ने खेत में लगाए गए जाल में गांव के दो युवक घुस गए। फिर क्या था जानकारी वन अधिकारी को मिली तो वह मौके पर पहुंचे, और युवकों की धुनाई कर दी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा रहा है कि वन अधिकारी मुकेश कांडपाल न सिर्फ दो ग्रामीण युवकों को मार रहे हैं, बल्कि उन्हें गालियां भी दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि दोनों युवक वन विभाग की टीम द्वारा तेंदुए को पकड़ने के लिए खेत में लगाए गए जाल को खोलकर अंदर घुस गए थे।

संक्षिप्त खबरें

जयपुर में दो फ्लाइट रनवे टच कर फिर उड़ी

जयपुर, जेएनएन। जयपुर एयरपोर्ट पर बुधवार को एक ही दिन में दो विमानों को पहली कोशिश में लैंडिंग छोड़कर गो-अराउंड करना पड़ा। दिल्ली से जयपुर पहुंची एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-1719 की लैंडिंग फेल होने से दहशत फैल गई। बुधवार दोपहर को विमान रनवे को टच करते ही वापस उड़ गया। फ्लाइट में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी थे। रंधावा पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम व गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद हैं। हालांकि, करीब 10 मिनट बाद दूसरे प्रयास में विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहले भी लैंडिंग फेल होने की घटनाएं सामने आई हैं। दरअसल, फ्लाइट एआई1719 ने दोपहर करीब 1 बजकर 5 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग का प्रयास किया था।

दूसरे चरण में जाति जनगणना: सरकार

नई दिल्ली, जेएनएन। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि जनगणना 2027 के दूसरे चरण में जाति जनगणना भी की जाएगी। सरकार ने कहा कि देश भर में फरवरी 2027 से जनगणना शुरू हो जाएगी। गृह मंत्रालय ने कहा कि जनगणना 2027 के बारे में पूरी जानकारी 12 दिसंबर, 2025 को एक प्रेस नोट के माध्यम से जारी की गई थी। फिर भी, कुछ लोग जानबूझकर जनगणना-2027 और विशेष रूप से जाति जनगणना के बारे में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। सपा चीफ अखिलेश यादव ने एक पोस्ट में दावा किया था कि भाजपा का जाति जनगणना कराने का कोई इरादा नहीं है। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदाय को धोखा दिया है। नोटिफिकेशन में जाति के लिए कोई कॉलम ही नहीं है। मंत्रालय ने बताया कि बर्फ से ढके क्षेत्रों और गैर-समकालिक क्षेत्रों में 2026 में ही पूरा किया जाएगा।

यूजीसी के नए नियमों पर सुनवाई को सुप्रीम कोर्ट तैयार

सीजेआई बोले-हमें पता है क्या हो रहा है

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के हाल में अधिसूचित एक नियम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया। शीर्ष अदालत में नए नियम के संदर्भ में यह दलील दी गई है कि यह नियम में जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई गई है। कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा गया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग करने वाले वकील की दलीलों पर गौर किया। याचिका को लेकर वकील ने कहा, यूजीसी की तरफ से अधिसूचित किए गए नए नियम से सामान्य वर्ग के खिलाफ भेदभाव बढ़ सकता है। मेरा मुकदमा 'राहुल दीवान एवं अन्य बनाम भारत सरकार' है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा, हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियां दूर कर दी जाएं। हम इसे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे। याचिका में कहा गया है कि नए नियमों में जाति-आधारित भेदभाव को केवल एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के सदस्यों के खिलाफ भेदभाव तक सीमित कर दिया गया है। इन नियमों के खिलाफ विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन भी हो रहे हैं, जहां छात्र समूह और संगठन इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

पोस्टर पर पोती कालिख

देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूजीसी के नए नियमों को लेकर विरोध जारी है। उप्र-बिहार में बुधवार को भी जमकर हंगामा हुआ। स्टूडेंट्स और सवर्ण जातियों के लोग सड़कों पर उतरे। उप्र के पीलीभीत में सवर्ण समाज के युवकों ने मुंडन कराया। बिहार में पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह के पोस्टर पर कालिख पोती गई।

हरियाणा भाजपा में भी विरोध, नेता ने पार्टी छोड़ी

यूजीसी के नए नियमों का हरियाणा में भी विरोध शुरू हो गया है। भाजपा नेता व ओलिंपियन रेसलर योगेश्वर दत्त ने दो दिन में 3 पोस्ट कर इस एक्ट पर विरोध दर्ज कराया। योगेश्वर ने लिखा-भरी सभा में द्रौपदी चीरहरण के समय बड़े-बड़े योद्धाओं ने चुप्पी साधी। जिस सत्ता-कुर्सी के लालच में यह किया, न वह सत्ता रही, न कुर्सी। सभी का सर्वनाश हो गया। वहीं, ओलिंपियन बॉक्सर और भाजपा नेता विजेंदर सिंह ने एक्स पर लिखा-शिक्षा समान अवसर का माध्यम होनी चाहिए, न कि समाज को बांटने का। उधर, नए नियमों के विरोध में मंगलवार को झज्जर में छारा मंडल की महिला मोर्चे की अध्यक्ष मनीषा शर्मा ने इस्तीफा दे दिया। मनीषा शर्मा खरहर गांव में पंचायत में वार्ड 10 से मेंबर भी हैं। बुधवार को यमुनानगर में सवर्ण समाज ने प्रदर्शन किया। लोगों ने भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोरा के आवास के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद उनके कार्यालय में जाकर ज्ञापन सौंपा।

अनिल अंबानी की 1885 करोड़ की संपत्तियां अटैच

नई दिल्ली, जेएनएन। ईडी ने अनिल अंबानी ग्रुप के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1,885 करोड़ की संपत्तियां अस्थायी तौर पर अटैच कर ली है। ये कार्रवाई यस बैंक से जुड़े लोन फ्रॉड और रिलायंस कम्युनिकेशंस बैंक फ्रॉड केस में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई है। ईडी ने चार अलग-अलग प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर जारी किए हैं। ईडी के मुताबिक, जिन संपत्तियों को अटैच किया गया है, उनमें बैंक में जमा पैसा, कंपनियों में शेयर होल्डिंग, बकाया रकम और अचल संपत्तियां शामिल है, इसमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लि. की हिस्सेदारी भी है, जो बीएसईएस यमुना पावर, बीएसईएस राजधानी पावर और मुंबई मेट्रो वन प्रालि जैसी कंपनियों में निवेश से जुड़ी है। वहीं वैल्यू कोर्प फाइनैंस एंड सिक्योरिटी लि. के नाम से मौजूद 148 करोड़ का बैंक बैलेंस और 143 करोड़ की रिसीवेबल रकम भी ईडी ने अटैच कर ली है। ईडी ने अनिल अंबानी ग्रुप के दो सीनियर कर्मचारियों की निजी संपत्तियों पर भी कार्रवाई की है, इनमें अंगराई सेतुरमन के नाम पर एक रिहायशी मकान व पुनीत गर्ग के नाम पर मौजूद शेयर और म्यूचुअल फंड निवेश शामिल हैं। इससे पहले भी रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस होम फाइनेंस, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस से जुड़े मामलों में 10,117 करोड़ की संपत्तियां अटैच की जा चुकी है।

नवाचारों ने प्रदेश में शिक्षा को दिए नए आयाम: मुख्यमंत्री

शैक्षिक गुणवत्ता शिक्षक सम्मेलन में शामिल हुए प्रदेशभर के शिक्षक

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे रही है। हमने कई नवाचार भी किए हैं,जिसका परिणाम यह है कि अब सरकारी विद्यालयों के परीक्षा परिणाम बेहतर आ रहे हैं। इतना ही नहीं विद्यालयों की अच्छी व्यवस्था से अभिभावक भी वहां अपने बच्चों का प्रवेश करा रहे हैं, जिससे नामांकन की स्थिति भी सुदृढ़ हुई है।

सीएम बुधवार को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में मप्र शिक्षक संघ के प्रदेश स्तरीय शैक्षिक गुणवत्ता शिक्षक सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, युग बदले, सदियां बदलीं पर शिक्षकों का सम्मान कभी कम नहीं हुआ। शिक्षकगण सदैव सम्मानित थे, हैं और रहेंगे। शिक्षकों के सद्प्रयासों से ही शासकीय स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहतर से और बेहतर हुए हैं। बच्चों के प्रवेश, शाला नामांकन दर में भी रिकार्ड वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं प्रदेश में बच्चों की ड्राप-आउट दर भी शून्य हो गई है। डॉ. यादव ने कहा, सांदीपनि विद्यालय और पीएमश्री विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता के नए-नए मानक स्थापित कर रहे हैं। प्रदेश में इसी सत्र से 200 नए सांदीपनि विद्यालय खोले जाएंगे। नई शिक्षा नीति-2020 को लागू करने में मप्र पहले राज्यों में हैं। हम आने वाली पीढ़ी के लिए एआई, कोडिंग और कौशल आधारित शिक्षा की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। शिक्षकों के हित में सरकार ने कोई कमी नहीं रखी। आगे भी जो कुछ हितलाभ बचा है, वह भी जल्द ही देंगे। सीएम कहा, सरकार का एक अर्थ सहकार भी होता है। सरकार के लक्ष्य उच्चतम होने चाहिए। उसके समाज के सभी प्रश्नों, समस्याओं के समाधान की मंशा और ऐसा सामर्थ्य भी होना चाहिए। चुनी हुई सरकार हर वर्ग के कल्याण का ध्यान रखती है। राज्य के 22 हजार से अधिक शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण बड़ी सरलता से हुआ है।

बेमौसम बारिश-ओले से गेहूं की फसल हुई बर्बाद, उज्जैन में किसान ने लगाई फांसी

दो दिन पहले हुई बहन की सगाई

जागरण, उज्जैन। मौसम में आया बदलाव किसानों के लिए काल बनकर आया है। उज्जैन में आंधी, पानी और ओले से एक किसान की गेहूं की फसल बर्बाद हो गई। इससे आहत किसान ने बुधवार सुबह 30 साल के किसान ने आत्महत्या कर ली, उसका शव खेत में फांसी के फंदे पर मिला। किसान की पहचान पंकज मालवीय के रूप में हुई है, वह तराना तहसील के खेड़ा जामुनिया गांव का रहने वाला था। पंकज ने करीब 6 बीघा जमीन पर गेहूं की फसल लगाई थी, जो नष्ट हो गई। फसल खराब होने से किसान काफी परेशान था। मंगलवार रात वह घर नहीं लौटा। सुबह जब परिवार के लोग खेत पहुंचे तो उसका शव खेत पर फांसी के फंदे से लटका मिला। पंकज के परिवार में मां, पत्नी, दो छोटे बच्चे 8 वर्षीय बेटा और 5 वर्षीय बेटी है, उसकी दो बहनें हैं। इनमें से एक की अप्रैल में शादी होने वाली है। पिता की मौत हो चुकी है। वह घर में अकेला कमाने वाला था। सूचना पर पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। प्रशासन ने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। मृतक के समधी ईश्वर लाल परमार ने बताया कि ■ शेष पृष्ठ 9 पर

ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से फसलें बर्बाद, पेज- 8 पर

इंदौर: दूषित पानी से 30वीं मौत हाईकोर्ट ने बनाया जांच आयोग

जागरण, इंदौर। प्रदेश में इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मरने वालों का आंकड़ा 30 तक पहुंच गया है। भागीरथपुरा के रहने वाले 62 साल के लक्ष्मी रजक को दो दिन पहले उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया था। परिजनों ने बताया कि उनकी किडनी भी खराब होने की जानकारी मिली। इससे पहले मंगलवार को खूबचंद की मौत दूषित पानी से हो गई थी। बुधवार को उनके परिजनों ने अंत्येष्टि से पहले सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन किया। अभी 6 मरीज भर्ती हैं, इनमें से 3 आईसीयू में हैं। एक वेंटिलेटर पर है। मंगलवार को मामले में हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में ढाई घंटे से अधिक सुनवाई चली। शुरुआत में सीएस अनुराग जैन 10 मिनट तक वर्चुअल रहे। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए स्वतंत्र जांच के आदेश दिए। हाईकोर्ट ने रिटायर्ड जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में एकल सदस्यीय जांच आयोग बनाया है। आयोग विभिन्न बिंदुओं पर 4 सप्ताह में रिपोर्ट देगा। 5 मार्च को सुनवाई होगी।

6 मरीज अभी भी अस्पताल में भर्ती, इनमें से 3 आईसीयू में

क्रिसिल रेटिंग्स: ईरान में अशांति का भारतीय कॉर्पोरेट सेक्टर पर फिलहाल सीमित असर

चेतावनी: अगर ईरान में तनाव बढ़ा तो बढ़ेंगे जोखिम

नई दिल्ली, जेएनएन। ईरान में जारी राजनीतिक अस्थिरता और सरकार विरोधी प्रदर्शनों का असर फिलहाल भारतीय कॉर्पोरेट सेक्टर पर सीमित रहा है। हालांकि, अगर यह तनाव लंबे समय तक चलता है या और गहराता है, तो इसका दबाव कच्चे तेल की कीमतों, सप्लाई चेन और भुगतान प्रणाली के जरिए भारत की अर्थव्यवस्था और उद्योगों पर पड़ सकता है। यह आकलन क्रिसिल रेटिंग्स ने अपनी ताजा रिपोर्ट में किया है।

क्रिसिल के मुताबिक, अभी तक ईरान की स्थिति का भारत के विदेशी व्यापार प्रवाह या घरेलू कंपनियों की क्रेडिट प्रोफाइल पर कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव नहीं दिखा है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि भारत का ईरान के साथ सीधा व्यापारिक जुड़ाव काफी सीमित है। भारत के कुल निर्यात में ईरान की हिस्सेदारी केवल 0.3 फीसदी के आसपास है, जबकि आयात में यह 0.1 फीसदी से भी कम है।

निर्यात की बात करें तो ईरान को होने वाले भारतीय निर्यात में बासमती चावल का दबदबा है, जिसकी हिस्सेदारी 60 फीसदी से ज्यादा है। इसके अलावा कुछ अन्य कृषि उत्पाद भी भेजे जाते हैं। वहीं, ईरान से भारत जो आयात करता है, उसमें मुख्य रूप से फल, मेवे और कच्चे तेल से जुड़े बेहद सीमित उत्पाद शामिल हैं। अगर ईरान में अशांति लंबी खिंचती है, तो लॉजिस्टिक्स और भुगतान से जुड़ी समस्याएं सामने आ सकती हैं। शिपमेंट में देरी या ईरानी खरीदारों से भुगतान मिलने में अड़चनें खासतौर पर छोटे निर्यातकों के लिए वर्किंग कैपिटल का दबाव बढ़ा सकती हैं।

सबसे बड़ा जोखिम प्रत्यक्ष नहीं अप्रत्यक्ष

क्रिसिल का कहना है कि सबसे बड़ा जोखिम प्रत्यक्ष नहीं, बल्कि अप्रत्यक्ष है। ईरान वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति का करीब 4-5 फीसदी हिस्सा नियंत्रित करता है। यदि ईरान में तनाव बढ़ता है और उसका तेल उत्पादन या निर्यात बाधित होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से ऊपर जा सकती हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है, ऐसे में तेल के दाम बढ़ने का सीधा असर देश के कई उद्योगों की लागत पर पड़ेगा।

बासमती निर्यात पर रखनी होगी नजर

निर्यात क्षेत्र में बासमती चावल पर खास नजर रखने की जरूरत बताई गई है। वित्त वर्ष 2025 में ईरान भारतीय बासमती चावल का तीसरा सबसे बड़ा बाजार रहा है, जहां कुल निर्यात का 13 फीसदी जाता है। हालांकि, बासमती चावल की मांग के पूरी तरह खत्म होने की आशंका कम है। इसके अलावा सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अन्य देशों में भारत की मजबूत मौजूदगी भी जोखिम को कुछ हद तक संतुलित करती है।

इन उद्योगों पर होगा असर: तेल रिफाइनिंग, एविएशन, कच्चे तेल से जुड़े उद्योग जैसे स्पेशलिटी केमिकल्स, पेंट्स, पेट्रोकेमिकल्स, फ्लेक्सिबल पैकेजिंग और सिंथेटिक टेक्सटाइल ज्यादा प्रभावित होंगे।

फल-मेवा आयात होगा प्रभावित: आयात देखें तो भारत ईरान से जो फल मेवे मंगाता है, वे कुल आयात का 10 फीसदी हैं। चूंकि ये आवश्यक वस्तुएं नहीं हैं, इसलिए मांग काफी लचीली है। जरूरत पड़ने पर भारत दूसरे देशों से भरपाई कर सकता है।

एयर इंडिया क्रैश मामला

सुप्रीम कोर्ट पीआईएल पर सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट बुधवार को पिछले साल 12 जून को हुए एयर इंडिया प्लेन क्रैश की जांच के बारे में एक पीआईएल पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया। फ्लाइट एआई-171 के क्रैश में 260 लोग मारे गए थे। हादसे में एक एनजीओ नागरिकों के फंडामेंटल राइट्स का कथित तौर पर उल्लंघन करने का आरोप लगा रहा है। एनजीओ का दावा है कि ऑफिशियल जांच काफी अच्छी तरह से नहीं की गई थी। एनजीओ 'सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन' की तरफ से वकील प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि न तो सरकार और न ही एएआईबी ने पिटीशन का जवाब दिया। पूरी पायलट एसो. कह रही है कि बोइंग 787 एयरक्राफ्ट में कोई प्रॉब्लम है जिसे ग्राउंडेड करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट अभी इंडिपेंडेंट जांच की मांग वाली 3 पिटीशन पर विचार कर रहा है।

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व क्विज

मध्यप्रदेश के किसानों के लिए देश में पहले पहल

पुरस्कार ही पुरस्कार

प्रथम पुरस्कार 55 ट्रेक्टर

द्वितीय पुरस्कार 55 बुलेट

तृतीय पुरस्कार 55 ई-स्कूटी

एवं अन्य पुरस्कार

किसान कल्याण स्वाभिमान वर्ष में प्रदेश के विविध अंचलों - बुंदेलखंड, बघेलखंड, निमाड़, मालवा व महाकौशल में आयोजित होने वाले लोकरंग आयोजनों के अवसर पर संबंधित जिलों के किसानों को लॉटरी प्रकिया के माध्यम से पुरस्कार वितरित किये जायेंगे

1. मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है?
A. मुफ्त बीज देना B. किसानों को नकद सहायता देना
C. ट्रैक्टर देना D. फसल बीमा करना

2. मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत किसानों को साल में कितनी राशि मिलती है?
A. ₹2000 B. ₹4000
C. ₹6000 D. ₹8000

3. मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की राशि कितनी किस्तों में दी जाती है?
A. 1 B. 2
C. 3 D. 4

4. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में सालाना कितनी राशि मिलती है?
A. ₹4000 B. ₹5000
C. ₹6000 D. ₹8000

5. पीएम किसान योजना की राशि कितनी किस्तों में मिलती है?
A. 1 B. 2
C. 3 D. 4

6. भावांतर भुगतान योजना किस लिए शुरू की गई थी?
A. बीज वितरण B. फसल बीमा
C. फसल का उचित दाम दिलाने के लिए D. सिंचाई के लिए

7. भावांतर योजना में किसका भुगतान किया जाता है?
A. बीज का पैसा B. खाद का पैसा
C. बाजार और समर्थन मूल्य का अंतर D. बीमा राशि

8. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का उद्देश्य क्या है?
A. मुफ्त खाद देना B. फसल नुकसान की भरपाई
C. सिंचाई सुविधा D. ट्रैक्टर देना

9. फसल बीमा योजना में नुकसान होने पर क्या मिलता है?
A. बीज B. खाद
C. मुआवज़ा राशि D. लोन

10. मध्य प्रदेश में गेहूं की खरीदी कहां की जाती है?
A. बैंक में B. मंडी में
C. सहकारी समिति में D. अस्पताल में

11. न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) किसके लिए होता है?
A. व्यापारियों के लिए B. सरकार के लिए
C. किसानों के लिए D. मज़दूरों के लिए

12. किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग किस लिए होता है?
A. यात्रा के लिए B. खेती के खर्च के लिए लोन
C. मोबाइल रिचार्ज D. बीमा के लिए

13. किसान क्रेडिट कार्ड से ऋण पर किस दर से ब्याज लगता है?
A. बहुत ज्यादा - 10% B. सामान्य - 8.5%
C. कम -7% D. नहीं लगती -0%

14. मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना किस लिए है?
A. बिजली बिल बढ़ाने के लिए B. सौर ऊर्जा से सिंचाई के लिए
C. ट्रैक्टर चलाने के लिए D. पानी पीने के लिए

15. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का उद्देश्य क्या है?
A. खेती को बढ़ावा देना B. किसानों को ऋण उपलब्ध कराना
C. स्कूल बनाना D. अस्पताल बनाना

16. मृदा स्वास्थ्य कार्ड किस बारे में जानकारी देता है?
A. पानी की B. फसल की
C. मिट्टी की गुणवत्ता D. मौसम की

17. मृदा स्वास्थ्य कार्ड से क्या लाभ होता है?
A. सही खाद की जानकारी B. बीज मुफ्त मिलता है
C. ट्रैक्टर मिलता है D. बीमा मिलता है

18. किसान पंजीयन क्यों जरूरी है?
A. नौकरी के लिए B. योजना का लाभ लेने के लिए
C. मोबाइल लेने के लिए D. बीमा बंद करने के लिए

19. फसल खरीदी के लिए पंजीयन कहां होता है?
A. थाना B. पंचायत
C. सहकारी समिति D. अस्पताल

20. जैविक खेती को बढ़ावा देने की योजना किस लिए है?
A. रसायन बढ़ाने के लिए B. प्राकृतिक खेती के लिए
C. मशीन खरीदने के लिए D. सड़क बनाने के लिए

21. ड्रिप सिंचाई योजना किस लिए है?
A. बारिश बढ़ाने के लिए B. पानी बचाने के लिए
C. बीज बोने के लिए D. फसल काटने के लिए

22. स्प्रिंकलर योजना का लाभ क्या है?
A. ज्यादा पानी खर्च B. कम पानी में सिंचाई
C. बीज मुफ्त D. खाद मुफ्त

23. किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग किससे जुड़ा है?
A. शिक्षा B. स्वास्थ्य
C. खेती D. पुलिस

24. मंडी में फसल बेचने से क्या फायदा होता है?
A. कम दाम B. सही तौल और दाम
C. नुकसान D. देर से भुगतान

25. ई-नाम योजना का उद्देश्य क्या है?
A. ऑनलाइन खरीद-बिक्री B. बीज वितरण
C. लोन माफी D. बीमा बंद करना

26. प्राकृतिक आपदा में किसान को क्या मिलता है?
A. सज़ा B. टैक्स
C. मुआवज़ा D. जुर्माना

27. लोन माफी योजना किसके लिए होती है?
A. व्यापारी B. मजदूर
C. किसान D. डॉक्टर

28. कृषि यंत्र अनुदान योजना किस लिए है?
A. घर बनाने के लिए B. मशीन खरीदने के लिए सहायता
C. मोबाइल खरीदने के लिए D. दवा खरीदने के लिए

29. बीज वितरण योजना का लाभ क्या है?
A. महंगे बीज B. सस्ते और अच्छे बीज
C. बीज नहीं मिलता D. नुकसान

30. किसान मोबाइल ऐप किस लिए है?
A. गेम खेलने के लिए B. खेती की जानकारी के लिए
C. फिल्म देखने के लिए D. चैट के लिए

31. मौसम आधारित सलाह किसके लिए होती है?
A. डॉक्टर B. छात्र
C. किसान D. व्यापारी

32. कृषि विस्तार अधिकारी का काम क्या है?
A. पुलिस काम B. खेती की सलाह देना
C. टैक्स लेना D. टिकट काटना

33. किसान प्रशिक्षण केंद्र का उद्देश्य क्या है?
A. खेल सिखाना B. खेती की नई तकनीक सिखाना
C. गाड़ी चलाना D. सिलाई

34. सहकारी समिति का मुख्य काम क्या है?
A. पढ़ाई B. खेती सहायता
C. इलाज D. यात्रा

35. बीज ग्राम योजना किस लिए है?
A. घर बनाने के लिए B. गांव में बीज उत्पादन के लिए
C. सड़क बनाने के लिए D. स्कूल खोलने के लिए

36. प्रधानमंत्री सिंचाई योजना का उद्देश्य क्या है?
A. हर खेत को पानी B. हर घर को बिजली
C. हर गांव को सड़क D. हर शहर को गैस

37. फसल प्रदर्शन योजना किस लिए है?
A. खेल B. नई किस्म दिखाने के लिए
C. नाच D. गाना

38. कृषि मेले का उद्देश्य क्या है?
A. मनोरंजन B. खेती की जानकारी देना
C. खरीदारी D. पढ़ाई

39. गोपालन योजना किससे जुड़ी है?
A. मुर्गी B. मछली
C. गाय-भैंस D. बकरी

40. पशुपालन विभाग किसके लिए है?
A. फसल B. जानवर
C. सड़क D. पानी

क्विज में भाग लेने की अंतिम तिथि : 15 मार्च 2026

क्विज की विस्तृत जानकारी के लिए **मध्यप्रदेश** के सभी जिला पंचायत, सभी मंडी कार्यालय तथा सभी किसान विकास केंद्रों में संपर्क करें।

क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए QR कोड स्कैन करें

वीर भारत न्यास

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति संचालनालय, जनसम्पर्क विभाग द्वारा आयोजित

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग. संचालनालय कृषि अभियांत्रिकी, मध्यप्रदेश शासन

सहभागिता एवं क्रियान्वयन
कृषि उद्योग विकास परिषद्
AGRI INDUSTRIES VIKAS CHAMBER

D-11197/25

नगर में आज

लोकरंग
- **स्थान:** रवीन्द्र भवन और एम.वी.एम परिसर
- **समय:** शाम 6 बजे से

विज्ञान मॉडल्स प्रदर्शनी
- **स्थान:** साइंस सेंटर
- **समय:** सुबह 10 से शाम 5 बजे तक

माह की प्रदर्शनी
- **स्थान:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में
- **समय:** प्रतिदिन 12 बजे से

चित्र प्रदर्शनी
- **स्थान:** लिखंदरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
- **समय:** प्रतिदिन 12 बजे से

संक्षिप्त खबरें

आटो हटाने को लेकर बाप और बेटे पर चाकू से हमला

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। ऐशबाग इलाके में घर के सामने लगे आटो को हटाने की बात पर बाप-बेटे पर चार लोगों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक के चेहरे, पीठ और कमर के नीचे गंभीर चोट है। उसका हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। जबकि उसके पिता को कम चोट है। पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, 55 वर्षीय माजिद खान गली नंबर तीन अहमद अली कालोनी में रहते हैं। वह कालोनी में ही इलेक्ट्रिक की दुकान चलाते हैं। माजिद का बेटा फाइज है। इनके पड़ोस में साजिद, अनस, सोराब व साकिब रहते हैं। यह आटो चलाने के साथ निजी काम करते हैं। अमजद अली कालोनी की गली नंबर तीन काफी संकरी है। मंगलवार को साजिद के घर में कोई कार्यक्रम था। माजिद के घर के बाहर किसी ने आटो लगा दिया था। माजिद ने इसका विरोध किया तो चारों आरोपी आ गए। वह माजिद के साथ गाली गलौच करने लगे। यह देख माजिद का बेटा फाइज भी आ गया। चारों आरोपियों ने मिलकर बाप-बेटे के साथ मारपीट कर दी। इस बीच चाकू निकाला और दोनों पर जानलेवा हमला कर दिया था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बैंक खाता फ्रीज किया तो जमा कराए सवा 2 लाख

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बकायादार बिजली उपभोक्ताओं से बकाया राशि वसूल करने के अभियान के तहत बड़े बकायादारों के बैंक खाते फ्रीज करने की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शहर वृत्त भोपाल उत्तर शहर संभाग, इंद्र विहार जोन अंतर्गत बड़े विद्युत बिल बकायादार उपभोक्ता आयरा परवेज खान के विरुद्ध बैंक खाता फ्रीज करने की कार्यवाही करने के बाद उपभोक्ता ने 2 लाख 24 हजार 904 रुपए बकाया राशि जमा कर अपना खाता सुचारू करवा लिया है। कंपनी के पदेन तहसीलदार (वसूली) इंद्र विहार जोन द्वारा बकायादार उपभोक्ता आयरा परवेज खान सूरज होटल के पास लाऊखेड़ी एयरपोर्ट रोड भोपाल के विरुद्ध उनके मुंबई महाराष्ट्र स्थित एक्सिस बैंक मालाड (पूर्व) शाखा से संबंधित बैंक खाते के आहरण पर रोक लगाने का आदेश 27 दिसंबर 2025 को दिया गया था, जिस पर कार्यवाही करते हुए एक्सिस बैंक द्वारा उनका बैंक खाता फ्रीज कर दिया था। कार्यवाही के उपरांत बकायादार श्रीमती आयरा परवेज खान ने द्वारा माह जनवरी 2026 की स्थिति में पूर्ण बकाया राशि विद्युत बिल रुपए 81 हजार 633 एवं पंचनामा बकाया राशि रुपए 1 लाख 43 हजार 271 कुल राशि रु 2 लाख 24 हजार 904 का भुगतान कंपनी को कर दिया गया है।

एम्स की लिफ्ट में महिला अटेंडर से मंगलसूत्र छीनने वाला गिरफ्तार, 35 फुटेज खंगाल आरोपी तक पहुंची पुलिस

गर्लफ्रेंड को महंगे होटल में डिनर कराने और दोस्तों की 12 हजार उधारी चुकाने नर्सिंग छात्र ने की थी लूट

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गर्लफ्रेंड पर खर्चा कर उसे महंगे होटल में डिनर कराने और दोस्त की 12 हजार रुपए उधारी चुकाने के लिए नर्सिंग छात्र ने एम्स की लिफ्ट में महिला अटेंडर से लूट की थी। आरोपी ने लूटे गए मंगलसूत्र को बंगरसिया स्थित एक ज्वैलर्स को 30 हजार रुपए में बेच दिया था। पुलिस ने मंगलसूत्र बरामद कर ज्वैलर्स को भी आरोपी बनाया है। बागसेवनिया थाना प्रभारी अमित सोनी ने बताया कि आरोपी का यह पहला अपराध है। पूछताछ में सामने आया कि मेट्रो सिटी का लाइफस्टाइल का शौक युवाओं को अपराधी बना रहा है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जिला अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजा गया है। बागसेवनिया पुलिस के मुताबिक वर्षा सोनी (29) पति संदीप सोनी साकेत नगर में रहती हैं। वह एम्स के स्त्री रोग विभाग में अटेंडर हैं। रविवार दोपहर करीब ढाई बजे ड्यूटी के दौरान वर्षा ब्लड बैंक के पीछे स्थित 12 नंबर लिफ्ट से फर्स्ट फ्लोर पर जा रही थीं, तभी मास्क व टोपी पहने एक युवक लिफ्ट में घुसा और बातचीत का बहाना बनाकर मेडिकल वार्ड नंबर-4 का पता पूछा। जैसे ही लिफ्ट फर्स्ट फ्लोर पर पहुंची। युवक पहले बाहर निकला और अचानक लौटकर महिला के गले पर झपट्टा मारकर मंगलसूत्र लूट लिया। महिला ने विरोध किया, लेकिन युवक धक्का देकर सीढ़ियों की ओर भाग निकला था। इसके बाद थाने पहुंचकर महिला ने लूट की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

30 हजार में बेचा मंगलसूत्र, ज्वैलर्स को बनाया आरोपी

आरोपी ने बताया कि लूट का मंगलसूत्र उसने बंगरसिया स्थित ज्वैलर्स पुष्पराज सोनी पिता गोपाल सोनी निवासी जयश्री अपार्टमेंट सेठ फुलचंद्र नगर मंडीदीप जिला रायसेन को 30 हजार रुपए में बेच दिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस, ज्वैलर्स के पास पहुंची। उससे लूटा गया मंगलसूत्र बरामद किया। यह तीन ग्राम का था। पुलिस ने ज्वैलर्स पुष्पराज सोनी को भी आरोपी बनाया है।

लूट करने के बाद भागते समय बाइक सवार से लिफ्ट ली, आटो से कटारा पहुंचा

बागसेवनिया थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने टीम बनाकर लुटेरे की तलाश शुरू की। एम्स के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए कटारा हिल्स तक पहुंचे। फुटेज में एक संदेही दिखा। जो लिफ्ट लेकर बाइक से कुछ दूर पहुंचा। इसके बाद आटो लिया और कटारा हिल्स की ओर उतर गया। पुलिस ने करीब 35 सीसीटीवी कैमरे खंगाले। फुटेज स्थानीय लोगों को दिखाए तो उसकी पहचान सुनील मीणा (25) पिता रामेश्वर मीणा निवासी लहारपुर कटारा हिल्स के रूप में हुई। आरोपी सुनील मूलतः ग्राम नयागांव जिला बारा राजस्थान का रहने वाला है। वह मिसरोद स्थित एक निजी कालेज में नर्सिंग का छात्र है। लहारपुर में रूममेट के साथ किराए से रहता है।

लूट करने के मकसद से एम्स पहुंचा था छात्र

पूछताछ में आरोपी सुनील ने बताया कि खर्चे अधिक बढ़ जाने के कारण वह पैसों की तंगी से गुजर रहा था। दोस्त भी अपनी उधारी मांग रहे थे। उसे समझ नहीं आ रहा था क्या करे? तब उसने लूट करने का प्लान बनाया। योजना के तहत वह एम्स पहुंचा था। सोचा था कि भीड़भाड़ होने पर वह आसानी से बच निकलेगा। वह किसी और काम से एम्स नहीं गया था।

पति ने तीन तलाक कहकर महिला को घर से निकाला

पुलिस ने एफआईआर दर्ज की

जागरण, भोपाल। गौतम नगर थाना क्षेत्र में महिला ने पति पर तीन तलाक देने की एफआईआर दर्ज कराई है। आरोपी दहेज की मांग कर रहा था। मांगें पूरी नहीं होने पर उसने तीन तलाक दे दिया। पुलिस ने पति के खिलाफ दहेज और मुस्लिम एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 37 वर्षीय शबाना बी रिसालदार कॉलोनी में रहती है। उसके पिता रेलवे से कारपेंटर के पद से रिटायर्ड है। 2023 में शादी डॉट कॉम के जरिए उसकी शादी रिजवान निवासी पांढरकवडा रोड रचना सोसाइटी यवतमाल महाराष्ट्र में हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष लड़ाई झगड़ा कर महिला को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उन्होंने पहले मायके वालों से 50 हजार रुपए की मांग की तो महिला के पिता ने उन्हें दे दिए थे। उसके पति ने दोबारा 20 हजार रुपए की मांग की तो पत्नी ने अपने पिता की बीमारी की बात कहकर पैसे देने से इनकार कर दिया। इसके बाद पति ने 18 मार्च 2025 को महिला को तीन तलाक कहकर रिश्ता खत्म कर उसे घर से निकाल दिया। जिसके बाद पीड़िता मायके आ गई। महिला पिछले 10 महीने से अपने मायके में रह रही है। बुधवार को महिला ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

दोनों के बीच मारपीट के बाद पति ने कपड़े से घोंट दिया था पत्नी का गला

पीएम रिपोर्ट आने पर हत्या का खुलासा, गले और शरीर पर मिले चोट के निशान

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। छोला मंदिर इलाके में पति ने पत्नी की हत्या की थी। दोनों के बीच हुई मारपीट के दौरान पत्नी ने गले में कपड़ा डालकर फांसी की धमकी दी। गुस्से में आकर पति ने उसी कपड़े को उसके गले पर कस दिया था। इससे उसकी मौत हो गई थी। फुल पीएम रिपोर्ट आने पर हत्या का खुलासा हुआ। रिपोर्ट में महिला के गले पर निशान और शरीर में कई चोट आई है। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। घटना के बाद पति खुद थाने पहुंचा था, उसने हत्या की बात स्वीकारी थी। पुलिस को फुल पीएम रिपोर्ट का इंतजार था इसलिए पति को 151 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अब उसकी हत्या के मामले में गिरफ्तारी होगी। पुलिस के मुताबिक, 28 वर्षीय कंचन साहू पति हेमराज साहू राधाकृष्ण कालोनी खेजड़ा की रहने वाली थी। 14 महीने पहले उसकी हेमराज से शादी हुई थी। 19 जनवरी की सुबह वह बिस्तर पर मृत मिली थी। मृतका के बड़े भाई सोनू साहू ने आरोप लगाया कि उसकी बहन की जीजा हेमराज ने गला दबाकर हत्या की है। शादी के बाद से ही वह दहेज नहीं मिलने पर उसे प्रताड़ित कर रहा था। मां की मौत के बाद पहला त्यौहार मनाने बहन 18 जनवरी को घर आई थी। शाम के समय उसका पति लेने आया। बहन ने उससे दो दिन बाद और मायके में रुकने की लिए बोला। इस पर जीजा नाराज हो गया और उसे साथ लेकर चला गया। इसके बाद अगले दिन वह मृत मिली।

डराने के लिए गले में डाला कपड़ा

जांच में सामने आया है कि 18 जनवरी को घर जाने के बाद पति-पत्नी दोनों के बीच झगड़ा हुआ। कंचन भी हेमराज के साथ मारपीट करती थी। दोनों ने एक-दूसरे पर हाथ उठाए। कंचन ने डराने के लिए एक कपड़ा लिया और खुद को फांसी लगाने लगी। यह देख हेमराज ने वही कपड़ा उसके गले पर कस दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हेमराज का जब गुस्सा शांत हुआ तो उसे अपनी गलती का अहसास हुआ। वह थाने पहुंचा और पत्नी की हत्या करना स्वीकार किया। एसीपी अक्षय चौधरी का कहना है कि नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हुई थी। पति ने हत्या करना स्वीकारा था, लेकिन मेडिकल साक्ष्य जरूरी था। फुल पीएम का पुलिस ने इंतजार किया। पीएम रिपोर्ट में गला घोंटने व मारपीट के कारण महिला की मौत सामने आई है। इस पर छोला मंदिर पुलिस ने आरोपी पति हेमराज साहू के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। वैधानिक तरीके से आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी।

डिपो चौराहा स्थित आवासीय इमारत में आग, दमकलों ने आधे घंटे में पाया काबू

जागरण संवाददाता, भोपाल। डिपो चौराहा स्थित एक आवासीय इमारत में चौथे माले पर बुधवार को अचानक धुंआ उठता देख लोग घबरा गए। बता दें कि इस आवासीय इमारत में तीन मंजिलों तक फ्लैट बने हुए हैं, जबकि चौथे माले पर स्टोर रूम में लकड़ी व इलेक्ट्रॉनिक्स का सामान स्टोर करके रखा गया था। बुधवार को शॉर्ट सर्किट के बाद इस सामान में आग लग गई, जिसके बाद धुंआ उठते ही लोगों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड के अमले को दी। फायर ऑफिसर सौरभ पटेल ने बताया कि आसपास कई दफ्तर व रहवासी इलाका होने के कारण तत्काल ही तीन फायर स्टेशन की 5 दमकलें मौके पर रवाना कर दी गईं, लेकिन आधे घंटे के अंदर दो दमकलों ने ही आग पर काबू पा लिया। आग ज्यादा विकराल रूप नहीं ले सकी थी। इसके पहले ही अमला पहुंच गया। हालांकि आगजनी ऊंचाई पर हुई थी, जिसके कारण लोग इसे दूर से भी देख पा रहे थे। इस कारण लोगों में भय का माहौल व्याप्त हो गया था।

फर्जी स्क्रीन शॉट भेजकर किराया देने से बचते रहे मां-बेटे, केस दर्ज

बैंक से जानकारी लेने पर खुलासा, बुटीक संचालिका और उसका बेटा गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बागसेवनिया पुलिस ने मां-बेटे के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। आरोपी आनलाइन किराया देने की बात कहकर फर्जी स्क्रीन शॉट मकान मालकिन को भेजते थे। जब मकान मालकिन ने बैंक जाकर डिटेल निकलवाई तब जाकर फर्जीवाड़ा उजागर हुआ। इसके बाद उन्होंने थाने में शिकायत की। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी मां-बेटे के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, 64 वर्षीय रेणु खंडेलवाल पति कृष्ण कुमार खंडेलवाल नर्मदापुरम में रहती हैं। उनका एक डुप्लेक्स मकान बागसेवनिया स्थित पेवल कालोनी में बेटे मयंक खंडेलवाल के नाम पर है। इस मकान को मई 2021 में किराए से भावना आहूजा पति विजेंद्र आहूजा को दिया था। भावना ने जनवरी, 2023 तक नियमित किराया दिया था। इसके बाद उसने फर्जीवाड़ा शुरू कर दिया। यूपीआई पेमेंट की फर्जी स्क्रीन शॉट भेजने लगी। यह बात रेणु को जुलाई 2025 में पता लगी। उन्होंने बैंक स्टेटमेंट निकलवाया। इससे पता लगा कि आरोपी भावना ने त3.58 लाख रुपए से ज्यादा की रकम नहीं दी है। भावना ने फर्जी स्क्रीन शॉट अपने बेटे शुभांग आहूजा के मोबाइल से भेजे जाते थे। अगस्त 2025 में रेणु ने इसकी शिकायत थाने में की।

जांच में सभी यूपीआई ट्रांजेक्शन जाली पाए गए

बागसेवनिया थाना प्रभारी अमित सोनी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के बाद आरोपी मां-बेटे दोनों को पुलिस की ओर से काफी अवसर दिए गए। लेकिन वह नहीं माने। पुलिस की जांच में सामने आया कि जितने भी यूपीआई ट्रांजेक्शन दिखाए गए वह जाली थे। जिस कारण पुलिस ने लंबी जांच के बाद मंगलवार को आरोपी मां-बेटे के खिलाफ जालसाजी का केस दर्ज कर लिया। पुलिस से बचने के लिए आरोपी महिला वर्तमान में जहांगीराबाद इलाके में बुटीक चलाने लगी थी। उसका पूर्व आपराधिक रिकार्ड है।

कटारा में 29 करोड़ से सांदीपनि स्कूल का भवन तैयार, फिर भी विद्यार्थी टीनशेड में पढ़ने को मजबूर

भवन का पजेशन लेने को तैयार नहीं बीडीए

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी के कटारा-बर्रई इलाके में 29 करोड़ की लागत से तैयार किए गए सांदीपनि स्कूल के भवन का पजेशन लेने को बीडीए तैयार नहीं है। नवनिर्मित भवन में ताला लगा हुआ है और चाबी ठेकेदार के पास है। बीडीए और स्कूल शिक्षा विभाग की लापरवाही के चलते नवनिर्मित भवन तैयार होने के बावजूद विद्यार्थी टीनशेड में पढ़ने को मजबूर हैं। कटारा-बर्रई इलाके में 29 करोड़ की लागत से बने सांदीपनि स्कूल बर्रई का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लोकार्पण कर चुके हैं। नवनिर्मित सांदीपनि स्कूल में विद्यार्थियों के लिए आधुनिक शिक्षा सुविधा और संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। लोकार्पण के अगले दिन से स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को किराये के भवन से स्थानांतरित किया जाना था, जो अभी तक नहीं हो सका है। ठेकेदार की तरफ से शर्तों के मुताबिक भवन को तैयार कर दिया गया है। भवन तैयार करने का कार्य भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) को दिया गया था। बीडीए ने निर्माण कार्य का टेंडर सहिता कंट्रक्शन को दिया था। ठेकेदार ने चार माह पहले भवन तैयार कर दिया है, लेकिन बीडीए एग्जिट प्रोटोकाल के तहत पजेशन लेने आगे ही नहीं आ रहा है। बीडीए और स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी आपसी तालमेल बनाकर नये भवन का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार कर पजेशन लेने की प्रक्रिया को पूरा करना होगा, लेकिन बीडीए और विभाग में सामंजस्य के अभाव में पजेशन को लेकर कोई सुगबुगाहट तक नहीं है। इससे ठेकेदार द्वारा ही भवन का रखरखाव और सुरक्षा की व्यवस्था की जा रही है। इससे ठेकेदार की लागत में बढ़ोतरी हो रही है। दूसरी तरफ ठेकेदार को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा करीब साढ़े चार करोड़ रुपए का भुगतान नहीं किया गया है। .

विद्यार्थियों के पास नहीं कक्षाएं : स्कूल में पढ़ने वाले एक हजार 82 छात्रों को जर्जर भवन में बैठकर ही पढ़ना पड़ रहा है। पुराने स्कूल में विद्यार्थियों के पास कक्ष तक नहीं हैं। स्कूल प्राचार्य साविया अली ने विद्यार्थियों की पढ़ाई और सुरक्षा को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से भवन को लेकर कई बार गुहार लगाई, लेकिन अधिकारियों द्वारा अनसुनी की जा रही है। भवन में ताला डला है। करीब साढ़े चार करोड़ के भुगतान की फाइल लोक शिक्षण संचालनालय पहुंच चुकी है, जिस पर धूल चढ़ना शुरू हो गई है। इससे विद्यार्थियों को किराये के जर्जर भवन में ही बैठकर अध्ययन करना पड़ रहा है।

कई फाइलें लंबित : सांदीपनि स्कूल भवन का भुगतान नहीं होना विभाग के लिए कोई नई बात नहीं है। लोक शिक्षण संचालनालय में कई फाइलें लंबित हैं। शिकायतें सीएम और सीएस तक पहुंच गई हैं। जिम्मेदार अधिकारी की मनमर्जी के आगे बेबस हैं। अधिकारी बजट का अभाव बताकर अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास जरुर कर रहे हैं।

> कटारा-बर्रई स्कूल में बने सांदीपनि स्कूल के नये भवन में विद्यार्थियों को स्थानांतरित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ भुगतान की समस्या है।
> **नरेंद्र कुमार अहिरवार**, जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल

> पुराने भवन में विद्यार्थियों को बैठने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है। नवीन भवन में स्थानांरित होने का इंतजार कर रहे हैं। पजेशन मिल जाए, तो विद्यार्थियों को नये भवन में अध्ययन शुरू कर दिया जाएगा।
> **साबिया अली प्राचार्य**, सांदीपनि स्कूल कटारा-बर्रई

> भवन पूरी तरह से तैयार हो गया है। मैं एग्जिट प्रोटोकाल के तहत पजेशन देने को तैयार हूं।
> **मयंक सहिता**, ठेकेदार स्कूल भवन

लोकरंग — रवीन्द्र भवन और एमवीएम परिसर में आयोजित पांच दिवसीय समारोह में जनजातीय विरासत का प्रदर्शन

13 राज्यों की नृत्य परंपराओं का किया जीवंत प्रदर्शन

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित 41वें लोकरंग उत्सव ने राजधानी को सांस्कृतिक उत्सवधर्मिता से सराबोर कर दिया है। रवीन्द्र भवन और एम.वी.एम. परिसर में आयोजित इस पांच दिवसीय समारोह में देश की समृद्ध जनजातीय विरासत और लोक-परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन हो रहा है। उत्सव के तीसरे दिन मुख्य मंच पर धरोहर श्रृंखला के तहत 13 राज्यों के कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। हिमाचल के रोशन लाल ने शिव कैलाशों के वासी जैसे भजनों से आध्यात्मिक समां बांधा, तो राजस्थान के कलाकारों ने घूमर और चरी नृत्य के माध्यम से देवी सरस्वती की आराधना की। जम्मू-कश्मीर के डोगरी और पंजाब के ऊर्जावान भांगड़ा-गिद्दा ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। विशेष आकर्षण प्रयागराज का ढेड़िया नृत्य रहा, जो प्रभु श्रीराम के वनवास से लौटने की पौराणिक कथा पर आधारित है। युवा पीढ़ी को जोड़ने के लिए उल्लास गतिविधि के तहत कठपुतली कार्यशाला, नट कला और उज्जैन के कलाकारों द्वारा मलखंभ का शानदार प्रदर्शन किया गया।

ठेकेदार पर दिनदहाड़े पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। एमपीनगर इलाके में ठेकेदार से मारपीट कर पेट्रोल उड़ेलने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एमपी नगर थाना प्रभारी जय हिंद शर्मा ने बताया कि 30 वर्षीय दिनेश सिंह पिता चंद्रिंका सिंह एवीआई रेसीडेंसी नीलबड़ में रहते हैं। वह सड़क बनाने का ठेका लेते हैं। मंगलवार दिनेश दोस्त अमित लोंगरे और अजय यादव के साथ बाइक से जिला न्यायालय काम से आए थे। शाम पांच बजे दिनेश सिंह और उनके दोस्त जायका चिकन शॉप पर पहुंचे। तभी वहां आरोपी नरेंद्र अहिरवार उर्फ भोले, हिमांशु पाटिल और अजय राठौर एक बाइक पर आए। तीनों ने दिनेश से गाली-गलौच की। इसके बाद उनके बीच विवाद होने लगा। दोस्तों ने बचाने का प्रयास किया तो उन्हें डंडा मारकर घायल कर दिया। इसके बाद नरेंद्र और हिमांशु ने पास रखी बॉटल से पेट्रोल निकालकर उस पर उड़ेल दिया। यह देखकर आसपास दुकानदारों ने बीचबचाव कर दिनेश को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया कि दिनेश सिंह का मंगलवार सुबह करीब 10 बजे नरेंद्र अहिरवार की दुकान पर हिमांशु के साथ कहासुनी हो गई थी। उसी बात का बदला लेने के लिए आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर पेट्रोल उड़ेला है।

संक्षिप्त खबरें

जिम्मेदार अडॉप्शन व पशु कल्याण को समर्पित रहा 'पॉज' उत्सव

जागरण, भोपाल। राजधानी में एनिमल्स विद ह्यूमैनिटी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय आयोजन 'पॉज' अडॉप्शन, वेलफेयर, सस्टेनेबल, इको-कॉन्शियस बंसल वन वॉक में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सेंट्रल इंडिया के सबसे बड़े एनिमल-फ्रेंडली फेस्टिवल विद अ पर्पस के रूप में पहचाना गया यह आयोजन पशु प्रेमियों, परिवारों, युवाओं और जागरूक नागरिकों के लिए एक साझा मंच बना। पॉज का मुख्य उद्देश्य जिम्मेदार पेट अडॉप्शन, पशु कल्याण, सतत विकास और पर्यावरण-सचेत जीवनशैली को बढ़ावा देना था। तीन दिनों तक चले इस उत्सव में पेट अडॉप्शन ड्राइव्स, पशु कल्याण से जुड़ी जागरूकता गतिविधियाँ, इको-फ्रेंडली और सस्टेनेबल स्टॉल्स, सभी आयु वर्ग के लिए इंटरएक्टिव वर्कशॉप्स और कम्युनिटी एंगेजमेंट स्पेस आकर्षण का केंद्र रहे। भोपाल और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी ने इस आयोजन को खास बनाया। परिवारों, छात्रों और पेट पेरेंट्स की सक्रिय सहभागिता से पॉज सेंट्रल इंडिया में पशु कल्याण से जुड़ा एक प्रभावशाली और प्रेरणादायक उत्सव बनकर उभरा।

एक्सीलेंस पब्लिक स्कूल में बच्चों ने धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

जागरण, भोपाल। एक्सीलेंस पब्लिक स्कूल भोपाल में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के संचालक श्री समीर प्रसाद ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर बच्चों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर नन्हे बच्चों ने राष्ट्रीय भक्ति से ओत प्रोत प्रस्तुतियां दी।

पीएम सूर्य घर योजना: 29 हजार उपभोक्ताओं के खातों में पहुंची सब्सिडी

जागरण, भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने क्षेत्रांतर्गत आने वाले भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत अब तक 29 हजार 273 उपभोक्ता पंजीकृत किए गए हैं। जिन्हें 228 करोड़ से अधिक की राशि सब्सिडी के रूप में उनके खातों में जमा कराई जा चुकी है। कंपनी ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन उपरांत विद्युत वितरण कंपनी में रजिस्टर्ड अधिकृत वेंडर से ही सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाएं। देश के करोड़ों घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने पीएम सूर्य घर योजना प्रारंभ की गई है। लोगों को इस योजना का लाभ मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रदान किया जा रहा है। योजना के तहत एक किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रूपये, दो किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवॉट या उससे अधिक के सोलर संयन्त्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। गौरतलब है कि पीएम सूर्यघर योजना का शुभारंभ 13 फरवरी 2024 को हुआ था। तब से लेकर आज दिनांक तक हजारों बिजली उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ा गया है। योजना में शामिल होने आनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट https://www.pmsuryaghar.gov.in पर जाकर आवेदन किया जा सकता है।

खून से लथपथ मिला युवक का शव

जागरण, भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में बीच सड़क पर खून से लथपथ युवक का शव मिला। पुलिस ने शव की पहचान कर मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस के अनुसार 41 वर्षीय संदीप रैकवार पिता चिंतामणी ईदगाह हिल्स में रहता था। वह रेत के डंपर में हेल्पर का काम करता था। पिछले तीन चार दिनों से काम सिलसिले में वह घर नहीं आया था। मंगलवार सुबह चार बजे उसे आईपीएस स्कूल के पास किसी वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह बीच सड़क पर लहूलुहान हालत में मृत अवस्था में पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के जेब में रखी पर्ची से उसकी पहचान की। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बैरागढ़ इलाके में बारात देखते समय छत से गिरा युवक, मौत

जागरण, भोपाल। बैरागढ़ इलाके में छत से गिरने से युवक की मौत हो गई है। घटना के वक्त युवक निर्माणाधीन बिल्डिंग की छत से बारात देख रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 40 वर्षीय बबलू अहिरवार मूल रूप से दमोह का रहने वाला था। वह मजदूरी करता था। बबलू निर्माणाधीन मकान में काम करता था और वहीं पर रहता था। 24 जनवरी रात 9 बजे वह बिल्डिंग के ऊपर छत पर चढ़कर बारात देख रहा था। इस दौरान पैर फिसलने से वह नीचे गिर गया। गंभीर में हालत में आसपास के लोगों ने उसे हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हादसे में नेपाली नागरिक की मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कमला नगर इलाके में नेपाली मूल के एक नागरिक की मौत हो गई। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि वह सड़क हादसे में घायल हो गया था। नेपाली समाज के लोगों ने उसकी जान बचाने की कोशिश में चंदा करके इलाज करवाया। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक, 53 वर्षीय किशन कंडेल पिता तिलक कंडेल नेपाल के गुल्मी जिले के रहने वाले थे। वह निजी काम करते थे। बीती 15 जनवरी को भदभदा पुल बाइक सवार किशन को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। इससे वह गंभीर रूप से घायल थे। 16 जनवरी को घायल को जेपी और फिर वहां से हमीदिया अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान किशन की बुधवार सुबह मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान में जुटी है।

'चमड़ा' कर रहा था मांस का गोरखधंधा, हर स्तर पर बांटी रकम

›› देखरेख करने वाला कोई नहीं था, रसीद पर पहले से होती थी मांस ओके की रिपोर्ट ›› 60 दिन में चालान पेश करेगी एसआईटी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। स्लाटर हाउस में मिले गोमांस की जांच कर रही एसआईटी की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। रिमांड के दौरान आरोपी असलम कुरैशी उर्फ असलम चमड़ा ने अहम खुलासे किए हैं। स्लाटर हाउस में चमड़ा मांस का गोरखधंधा कर रहा था। चारों ओर से मांस आ रहा था, जिसको देखने वाला कोई नहीं था। कंटेनर से जाने वाले मांस को वेरीफाइ घर में बैठकर किया जाता था। जिम्मेदार रसीदों पर पहले से ही मांस की ओके रिपोर्ट दे देते थे। यानी मांस किस जानवर का है, उसकी जांच नहीं की जाती थी। ऐसा इसलिए था कि चमड़ा हर स्तर पर पैसा बांट रहा था। स्लाटर हाउस के अंदर

और बाहर सभी ने अपनी आंखें बंद कर रखी थीं। मांस में कब गोमांस शामिल हुआ, जिम्मेदारों को पता तक नहीं चला। उन्हें सिर्फ नकदी से मतलब था। इसी का फायदा असलम चमड़ा ने उठाया और सभी तरह के मांस की सप्लाई की। इसमें कर्मचारी, डॉ. आदि की मिलीभगत सामने आ सकती है।

बगल के जिले से जुड़ सकते हैं तार

सूत्रों की मानें तो स्लाटर हाउस में चमड़ा राज चलता था। न तो यहां के कर्मचारियों का वेरीफिकेशन हुआ न ही उनकी डिटेल पुलिस से सांझा की गई। नगर निगम की आड़ में असलम राजधानी के अंदर बैठकर गोमांस का धंधा कर रहा था। राजधानी से लगे एक जिले में गोकशी को लेकर पूर्व में कई मामले सामने आए। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि असलम के तार यहां से जुड़े होंगे। फिलहाल एसआईटी की जांच जारी है। आरोपी असलम और ट्रक चालक शोएब जेल में हैं। एसआईटी ने स्लाटर हाउस से कर्मचारियों और संदिग्धों से पूछताछ शुरू कर दी है। स्लाटर हाउस में जहां से मांस आ रहा था, पुलिस की टीम वहां मुआयना करने की तैयारी में है।

पाड़ा की आड़ में गोमांस क सप्लाई

17 दिसंबर 2025 की रात पुलिस मुख्यालय के सामने हिंदू संगठनों ने मांस से भरा एक ट्रक पकड़ा था। इसमें 26 टन मांस था। सदस्यों का आरोप था कि ट्रक में गोमांस है। आरोपों की जांच के लिए पुलिस ने कुछ पैकेट सैंपल के लिए जब्त किए थे, जिसे मथुरा लैब भेजा गया। रिपोर्ट में गोमांस की पुष्टि हुई। जहांगीराबाद पुलिस ने केस दर्ज कर ट्रक ड्रायवर को गिरफ्तार किया। जहांगीराबाद थाना प्रभारी मान सिंह चौधरी ने बताया कि सैंपल के लिए भेजे गए सभी पैकेटों में गोमांस की पुष्टि हुई। इसके बाद लाइन स्टॉक कंपनी के संचालक असलम कुरैशी उर्फ चमड़ा को गिरफ्तार किया। निगम ने आनन-फानन में स्लाटर हाउस को सील कर दिया। स्लाटर हाउस में पाड़ा की आड़ में गोमांस सप्लाई किया जा रहा था। हिंदू संगठन का आरोप है कि मुंबई के रास्ते विदेशों तक गोमांस सप्लाई किया जा रहा है।

भारत टाकीज ब्रिज पर बलेनो ने आटो को मारी टक्कर, इसके बाद डिजायर से भिड़ी

हादसे में एक ही परिवार के चार लोग घायल, आटो के उड़े परखच्चे, नशे में धुत आरोपी को भीड़ ने दबोचा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। भारत टाकीज ओवर ब्रिज पर एक तेज रफ्तार बलेनो कार ने आटो को टक्कर मार दी। हादसे में एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। इसके बाद बलेनो कार स्विफ्ट डिजायर से टकरा गई। आटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में आटो चालक समेत कुल आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों ने बलेनो कार चालक को दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया। वह शराब के नशे में धुत था। स्टेशन बजरिया पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

स्टेशन बजरिया पुलिस के मुताबिक, कच्ची सराय निवासी फैजान खान (32) पिता वाहिद खान आटो चलाता है। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे फैजान आटो से रेलवे स्टेशन से नादरा बस स्टेंड जा रहा था। उसकी आटो में जिंद, हरियाणा निवासी हरदीप सिंह, उनकी पत्नी रेनु बाला सिंह, बेटी साक्षी सिंह (13) और बेटा आशु सिंह (11) सवार थे। इसके अलावा जहांगीराबाद निवासी राजू मंसूरी भी आटो में बैठे थे। वह अभी भारत टाकीज ओवर ब्रिज से गुजर रहे थे, तभी मंडी की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बलेनो कार एमपी-04 सीटी 6906 के चालक ने आटो में सामने से टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि आटो के परखच्चे उड़ गए। इसके बाद भी बलेनो का चालक नहीं रुका। वह भागने लगा तो उसने स्विफ्ट डिजायर कार एमपी-04 टीबी 3161 को भी टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद धमाके के साथ डिजायर कार का पहिया फट गया।

चार गुना अत्याधिक शराब पिए था चालक

एंबुलेंस की मदद से घायलों को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों को सिर, हाथ-पैर के अलावा चेहरे में काफी चोटें आई है। इधर, भीड़ ने बलेनो कार के चालक को दबोच लिया। पुलिस ने उसका ब्रीथ एनालाइजर से चैक कराया तो वह चार गुना अत्याधिक मात्रा में शराब पीकर वाहन चलाता पाया गया। आरोपी की पहचान मोहित पाटीदार (25) पिता महेश पाटीदार के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक मोहित पाटीदार के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना करने, तोड़फोड़ करके नुकसान पहुंचाने, मोटर व्हीकल एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

बाइक और स्कूटी की भिड़ंत, युवक की मौत

जागरण, भोपाल। हबीबगंज थाना क्षेत्र में स्कूटी की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना व्यापम चौराहे के पास की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय आशीष अहिरवार पिता झलकन सिंह पेबल कॉलोनी, बागमुगालिया में रहता था। वह एक निजी कॉलेज में पढ़ाई करता था। सुबह 9 बजे वह बाइक से घर जा रहा था। तभी पांच नंबर व्यापम चौराहे के पास सामने से आ रही स्कूटी से उसे टक्कर मार दी। घटना के बाद स्कूटी चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में युवक के सिर पर गंभीर चोटें आई। राहगीरों ने तुरंत उसे इलाज के लिए जेपी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां गंभीर हालत होने पर उसे हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

कार चालक ने एक्टिवा सवार को मारी टक्कर, मौके पर मौत

रातीबड़ इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने एक्टिवा सवार युवक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बुधवार को पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। इधर, कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई, जिससे चालक को भी चोटें आई हैं। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, 42 वर्षीय विनोद मारण नवोदय विद्यालय के पास रातीबड़ में रहता था। विनोद साक्षी ढाबा के बाहर नमकीन, चिप्स की दुकान संचालित करता था। मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात करीब साढ़े 12 बजे विनोद दुकान बंद कर एक्टिवा से घर जा रहा था। वह अभी रातीबड़ चौराहे से 50 मीटर पहले पहुंचा था, तभी पीछे से आई रही तेज रफ्तार आई-20 कार के चालक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में विनोद सिर के बल नीचे गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एंबुलेंस से उसे हमीदिया अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में कार चालक हर्ष भी घायल हुआ है। उसका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अतीत के साए में वर्तमान की सच्चाई...

एलबीटी में नाटक 'घोस्ट' का मंचन

जागरण, भोपाल। क्या हमारे अतीत की परछाइयां वर्तमान को लगातार संचालित करती रहती हैं? इन्हीं गहरे सवालों से रूबरू कराती है हेनरिक इब्सन की विश्वप्रसिद्ध नाट्य कृति 'घोस्ट'। अर्थ कल्चरल एवं थिएटर सोसायटी द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से लिटिल बैले ट्रुप सभागार में स्कन्द मिश्रा द्वारा निर्देशित इस नाटक का मंचन किया गया। शाम 7 बजे आरंभ हुई इस प्रस्तुति ने सामाजिक, नैतिक और पारिवारिक प्रश्नों को गहरी संवेदनशीलता के साथ मंच पर उकेरा।

जब अतीत बनता है सबसे बड़ा पात्र

'घोस्ट' एक पारिवारिक त्रासदी की कहानी है, जो अपने समय में अपनी बेबाक सामाजिक दृष्टि के कारण अत्यंत विवादास्पद रही। नाटक उस सच्चाई को उजागर करता है कि जीवन की अधिकांश अधिकांश त्रासदियां सामाजिक व धार्मिक कुरीतियों, कुप्रथाओं और नैतिक पाखंड और दमनकारी परंपराओं से जन्म लेती हैं। नाटक की नायिका के संवाद हम सबके ऊपर प्रेत मंडराते रहते है... पूरी प्रस्तुति की आत्मा बनकर उभरता है। ये 'प्रेत' केवल पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि वे झूठे विश्वास और अन्याय हैं, जिन्हें समाज पीढ़ी-दर-पीढ़ी ढोता रहता है। 'घोस्ट' दरअसल उस अदृश्य बोझ की कथा है, जिससे मुक्त हुए बिना इंसान सच में आजाद नहीं हो सकता।

विज्ञान केंद्र में पर्यावरण, सुरक्षा व ऊर्जा पर केंद्रित रहे छात्रों के नवाचार

जागरण, भोपाल। आंचलिक विज्ञान केन्द्र, भोपाल में आयोजित नवप्रवर्तन महोत्सव 2025-26 के अंतर्गत विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विज्ञान मॉडल्स ने दर्शकों को नवाचार की नई दिशा दिखाई। तीन दिवसीय इस महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा, ऊर्जा उत्पादन और वन्यजीव संरक्षण जैसे विषयों पर आधारित प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए गए हैं। एम.पी. स्टार्टअप सेंटर, भोपाल तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग (एमएसएमई), मध्य प्रदेश शासन के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी में छात्रों ने आईओटी, सेंसर तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए। सेंट जॉर्ज स्कूल की अनविका खान और अनाइजा खान द्वारा विकसित इस प्रोजेक्ट में आईआर सेंसर, एलडीआर सेंसर, एलईडी लाइट, आईओटी सिस्टम और सोलर पैनल का उपयोग किया गया है। यह लाइट रात में स्वतः जलती है और दिन में बंद रहती है। वाहन के पास आने पर आईआर सेंसर लाइट को एक्टिव करता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना कम होती है और ऊर्जा की बचत होती है। यह सिस्टम पहाड़ी और दूरस्थ क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।

सांप पकड़ने का स्मार्ट डिवाइस

जिज्ञु और अमित द्वारा तैयार इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य इंसान और सांप दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसमें थर्मल सेंसर, अल्ट्रासोनिक सेंसर, कैमरा और मोटर का उपयोग किया गया है। डिवाइस में चारा लगाने से सांप आकर्षित होकर अंदर प्रवेश करता है और सेंसर एक्टिव होते ही ढक्कन अपने आप ही बंद हो जाता है। इससे सांप को कोई चोट नहीं पहुंचती और लोकेशन की जानकारी भी प्राप्त हो जाती है।

इको-एफिशिएंट ट्री और एयर प्यूरिफायर सिस्टम: इस नवाचार में बेकार प्लास्टिक बोतलों से बनी विंड टर्बाइन के माध्यम से बिजली उत्पादन किया जाता है। हवा चलने पर टर्बाइन घूमती है और ऊर्जा उत्पन्न होती है। साथ ही इसमें एयर प्यूरिफिकेशन सिस्टम और छत पर लगाए गए फैन के माध्यम से प्रदूषित हवा को फिल्टर किया जाता है। इसके साथ हाइड्रोपोनिक सिस्टम भी जोड़ा गया है, जिससे बिना मिट्टी के खेती संभव होती है। यह मॉडल शहरी क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी बताया गया।

स्मार्ट सेफ्टी हेलमेट और एक्सीडेंट अलर्ट सिस्टम: पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के आयुशीष कुमार और शंभू द्वारा बनाया गया यह आईओटी आधारित स्मार्ट हेलमेट दुर्घटना होते ही तुरंत ई-मेल अलर्ट भेजता है।

31 बकायादारों ने नहीं चुकाया 95 लाख से ज्यादा का संपत्तिकर, निगम ने कुर्क की संपत्ति

किराया नहीं चुकाने पर नगर निगम कम्युनिटी हॉल को किया सीज

इन बड़े बकायादारों पर भी हुई कार्रवाई

क्षेत्र	संपत्ति मालिक	बकाया
31, इस्लामी गेट	हारुन खान	58,844 रुपए
वार्ड 14, तांगा स्टैंड	मैमूना सुल्तान	2 लाख 67 हजार 658 रुपए
145 सुल्तानिया रोड	कलाबाई	1 लाख 12 हजार 430 रुपए
वार्ड 31, 7 सिटी ट्रेड सेंटर	नितिन शर्मा	64 हजार 865 रुपए
18 मालवीय नगर सेंट्रल मार्केट	मोहनी नीरा मल्होत्रा	2 लाख 42 हजार 288 रुपए
मकान नंबर 9 जहांगीराबाद	आमना खातून	53 हजार 169 रुपए

जागरण संवाददाता, भोपाल। नगर निगम द्वारा संपत्तिकर न चुकाने वाले 31 बड़े बकायादारों की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की गई है। बुधवार को गोविंदपुरा और मध्य विधानसभा के 7 जोन में की गई कार्रवाई के तहत एमपी नगर, बावड़िया कला, मालवीय नगर और जहांगीराबाद इलाके में 31 संपत्तियों पर निगम अमले ने ताला लगा दिया। बता दें कि इन संपत्तियों के स्वामियों को नगर निगम द्वारा लगातार नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन इसके बाद भी निगम को संपत्तिकर जमा नहीं कराया गया, जिसके बाद अमले ने इन संपत्तियों को कुर्क करने की कार्रवाई की है। कुर्क की गई संपत्तियों में नगर निगम में मौजूद संपत्तियों पर कुल 36 लाख से ज्यादा का बकाया था, इन संपत्तियों को कुर्क किया गया। अमले ने एमपी नगर जोन 2 में एचएनएम लिजिन पर 18 लाख 03 हजार 445 बकाया होने पर मकान नंबर 231 पर तालाबंदी की कार्रवाई की। जोन 2 में ही मनोज व ज्योति सोमवंशी द्वारा 14 लाख 43 हजार 361 संपत्तिकर न चुकाने पर मकान नंबर 20 पर ताला लगा दिया। बावड़िया कला स्थित पारस अर्बन पार्क, आकृति सिटी स्थित गोल्ड विला, जाटखेड़ी, बागमुगालिया रामेश्वरम, 72 बी निर्मल पैलेस, अमरावद खुर्द वैष्णव क्लासिक, शंकर नगर, बरखेड़ा पठानी, सिद्धार्थ लेकसिटी, कल्पना नगर, सोनागिरी रचना विहार, इंद्रपुरी व अन्य संपत्तियों को कुर्क किया गया।

कान्फ्रेंस — संभाग आयुक्त बोले किसानों को योजनाओं का लाभ देने में न छोड़ें कोई कमी

जैविक खेती करने वाले किसानों को पोर्टल से जोड़ा

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल संभाग के सभी जिलों में 100 क्लस्टर में 200 सीआरपी के तहत 12 हजार 500 किसानों को चिन्हित कर पोर्टल पर जोड़ा गया है। ताकि संभाग में जैविक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा सके। साथ ही खेती व किसानी में महिलाओं की सहभागिता भी बढ़ाई जा सके। यह बात बुधवार को संभाग आयुक्त कार्यालय के सभागार में हुई कलेक्टर कमिश्नर कान्फ्रेंस के दौरान सामने आई। इस दौरान भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, राजगढ़ कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा, विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता, सीहोर कलेक्टर बालागुरू के, रायसेन कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा सहित भी जिलों के जिला पंचायत सीईओ सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में संभाग आयुक्त संजीव सिंह ने कहा कि केवल किसानों को जागरूक करने और इनके नाम पोर्टल पर दर्ज करने से लोगों तक जैविक उत्पाद नहीं पहुंचेंगे। इसके लिए सभी जिलों में प्राकृतिक और जैविक उत्पादों के लिए नए बाजार और स्थान बनाने होंगे। आम लोगों को भी जैविक उत्पादों के लाभ बताने होंगे। तभी जैविक उत्पादों का सही रिस्पांस मिलेगा और किसान जैविक खेती की ओर बढ़ना शुरू होंगे। लोगों तक बिना कैमिकल की शुद्ध सब्जियां और अनाज पहुंचे। यही हमारा प्रयास होना चाहिए और इस काम में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संभाग में कहीं भी नहीं जले नरवाई : संभाग के किसी भी जिले में कहीं भी नरवाई न जले इसके लिए ठोस योजना तैयार करनी होगी। संभाग आयुक्त ने बताया कि कृषि अभियांत्रिकी विभाग ग्राम पंचायतों के साथ मिलकर क्लस्टर बना रहा है। ताकिसुपर सीडर, हैप्पी सीडर, बैलर, स्ट्रारीप जैसी मशीनों का उपयोग ज्यादा हो और नरवाई जलने से रोकी जा सके। जहां ज्यादा पराली जलती है। वहां कैंप लगाकर किसानों को जागरूक करना होगा और मशीनें उपलब्ध करानी होंगी। इससे भूमि की उर्वरता भी बढ़ेगी। खाद वितरण के दौरान किसानों की लंबी कतारें खाद वितरण केंद्रों पर न लगें। किसानों के समय की बचत कराना भी पैदावार बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। काला बाजारी रोकर ई-टोकन के जरिए ही खाद का वितरण कराया जाए।

किसानों तक पहुंचे 100 फीसदी लाभ

संभाग के सभी जिले किसानों को बैंक लिंकेज, डीबीटी योजनाओं का 100 फीसदी काम भी पूरा कर लें, ताकि योजनाओं का सभी को पूरा-पूरा लाभ मिले। इस काम में भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लघु सिंचाई योजना के तहत स्प्रिंकलर व ड्रीप सिस्टम, किसान क्रेडिट कार्ड, कस्टम हायरिंग सेंटर सहित सभी अभियान व योजनाओं को 100 फीसदी तक पूरा करें। कतार के आखिरी किसान तक इसका लाभ पहुंचे। सभी जिलों में मृदा परीक्षण, बीजों के प्रमाणीकर की भी व्यवस्था हो।

मछली पालन में आधुनिक तकनीक का हो उपयोग

संभाग के सभी जिलो के शहरी व ग्रामीण इलाकों में हाइजीन फिश की बिक्री को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए स्मार्ट फिश पार्लर स्थापित होंगे। जहां पर मछली विक्रेता हाईजैनिक कंडीशन में मछली की बिक्री कर सकेंगे। बैठक के दौरान संयुक्त संचालक शशि गोलाइच ने बताया कि भोपाल संभाग के सभी जिलों में 1909 तालाब और अन्य जलाशयों में 4 हजार 375 हेक्टेयर क्षेत्र में मछली पालन होता है। संभाग में 20 हजार 475 जगहों पर मछली पालन हो रहा है। 2025-26 में 20 जनवरी 2026 तक 2606 मीट्रिक टन हो गया है। जिसमें विभिन्न योजनाओं के चलते लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है।

एसजीएसयू में स्किल कॉम्पिटिशन का आयोजन

भोपाल। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू), भोपाल में युवाओं के कौशल विकास और तकनीकी दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एमपी स्किल कॉम्पिटिशन 2026 का आयोजन हुआ। यह प्रतियोगिता भारत सरकार की इंडिया स्किल्स एंड वर्ल्ड स्किल्स इंडिया पहल के तहत आयोजित हुई जिसके अंतर्गत प्रदेशभर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में 10वीं-12वीं उत्तीर्ण, आईटीआई एवं कॉलेज स्तर के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान, प्रायोगिक कौशल, रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमता का आकलन किया गया। राच्य स्तरीय इस प्रतियोगिता में कुल 9 प्रमुख स्किल्स में प्रतिस्पर्धा कराई गई, जिनमें वेब टेक्नोलॉजी, सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन डेवलपमेंट, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, 3डी डिजिटल गेम आर्ट, डिजिटल इंटरएक्टिव मीडिया, ग्राफिक डिजाइन टेक्नोलॉजी, रिटेल सेल्स एवं विजुअल मर्चेंडाइजिंग शामिल रहीं।

संक्षिप्त खबरें

किसानों को आज दी जाएगी भावांतर राशि

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 जनवरी को मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ में आयोजित सोयाबीन भावांतर राशि भुगतान के कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री कार्यक्रम में चौथी किस्त के रूप में प्रदेश के एक लाख 17 हजार किसानों को लगभग 200 करोड़ की भावांतर राशि का भुगतान करेंगे। यह राशि उन किसानों को भुगतान की जाएगी, जिन्होंने 20 दिसंबर 2025 से योजना समाप्ति तक सोयाबीन का विक्रय किया है। अब तक प्रदेश के कुल 7 लाख 10 हजार किसानों को 1492 करोड़ रुपए की भावांतर राशि का भुगतान किया जा चुका है।

संस्कृत विवि में होगी राज्य स्तरीय स्पर्धा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में गुरुवार और शुक्रवार को मप्र और छग के छात्र-छात्राओं के लिए राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। जैसा कि सर्वविदित है कि संस्कृत शास्त्रों पर आधारित इन स्पर्धाओं का आयोजन राज्यों की विभिन्न संस्थाओं में किया जाता है, जिनमें कंठ पाठ, श्लोक गायन, शलाका आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। अपनी-अपनी संस्थाओं में विजयी छात्र इन राज्य स्तरीय स्पर्धाओं में भाग लेते हैं तथा उक्त राज्य स्तरीय स्पर्धाओं में विजयी छात्र अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धाओं में भाग लेते हैं।

किसानों ने लिया मात्र 5 रुपये में विद्युत कनेक्शन

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अपने कार्यक्षेत्र में ग्रामीण एवं कृषि उपभोक्ताओं को अब मात्र 5 रुपये में स्थायी घरेलू एवं कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध करा रही है। दिसंबर 2024 से यह योजना शुरू हुई है तब से अब तक इस योजना का लाभ 01 लाख 57 हजार 359 ग्रामीण कृषकों को मिल चुका है। इनमें से 58 हजार 711 घरेलू तथा 98 हजार 648 कृषि पंप कनेक्शन शामिल हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि घरेलू तथा कृषि पम्पों के कनेक्शनों की संख्या बढ़ाए जाने हेतु ऐसे कृषक जो विद्युत की उपलब्ध लाइन के समीप स्थित हैं उनको सुविधानुसार आसानी से स्थाई कृषि पंप कनेक्शन दिया जा रहा है। नवीन घरेलू एवं कृषि पंप के लिए स्थायी विद्युत कनेक्शन का आवेदन सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। इसके लिए portal.mpcz.in पर मांगी गई जानकारी देनी होती है। अधिक जानकारी के लिए कंपनी के टोल फ्री नंबर 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

विवि वेबसाइट पर अपलोड करेंगे पीएचडी का कैलेंडर

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राज्य के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक दक्षता और शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से बुधवार को एमपीटी पलाश रेसीडेंसी के सभागार में मप्र विश्वविद्यालय समन्वय समिति की बैठक के लिए स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उच्च, तकनीकी शिक्षा और आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने सभी कुलगुरुओं से विस्तार से चर्चा की। मंत्री ने विवि को प्रशासनिक पारदर्शिता, समयबद्ध निर्णय प्रक्रिया और विद्यार्थी केंद्रित शैक्षणिक वातावरण विकसित करने पर बल दिया। मंत्री परमार ने कहा कि विवि का मुख्य लक्ष्य, विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होना चाहिए और इसी दृष्टि से सभी शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियां संचालित की जानी चाहिए। बैठक में अनुशंसा की गई कि सभी विवि को पीएचडी कैलेंडर वेबसाइट पर अपलोड करना होंगे। स्वयं पोर्टल पर अधिक से अधिक विद्यार्थियों का पंजीयन करने पर विशेष जोर दिया गया।

प्रदेश में ओला-बारिश की आड़ में दलों ने शुरू की राजनीति

कांग्रेस ने जल्द मुआवजा देने को कहा तो भाजपा बोली-विपक्ष ने हमेशा किसानों की अनदेखी की, इधर सरकार ने लिया एक्शन

विशेष संवाददाता, भोपाल। राजनेता अब आफत (संकट) में भी राजनीति करने लगे हैं। पिछले दिनों राज्य में ओला और बेमौसम बरसात से खराब हुई फसलों को लेकर दलों ने अपने आपको सबसे बड़ा किसान हितैषी बताने के लिए प्रतिद्वंदी दलों पर आरोप लगाना शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस ने जहां मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रभावित किसानों को जल्द मुआवजा देने की मांग की है, तो वहीं सरकार के राजस्व मंत्री ने कांग्रेस पर किसानों को कभी भी मुआवजा नहीं देने का आरोप लगा दिया है। गौरतलब है कि बीते मंगलवार को प्रदेश के डेढ़ दर्जन से अधिक जिलों में ओला और बेमौसम बरसात हुई है, जिसमें कई जिलों में फसलें प्रभावित हुई हैं। इसे लेकर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है, जिसमें प्रभावित किसानों की खराब फसलों का आंकलन कराकर उन्हें जल्द मुआवजा दिलाने का आग्रह किया गया है, तो सरकार के राजस्व

मंत्री करण सिंह वर्मा ने इस मामले पर कांग्रेस को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। उनका कहना है कि कांग्रेस के शासनकाल में किसानों को कभी भी संकट के दौरान सरकार मदद नहीं देती थी, न तो किसानों को उनकी नुकसानी के आधार पर मुआवजा ही मिलता था और न ही किसानों की सुनवाई ही की जाती थी। जानकारों की मानें तो भोपाल के अलावा इंदौर,, उज्जैन, जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर संभाग के कई जिलों में बारिश और ओवावृष्टि से किसानों की खड़ी फसलें प्रभावित हुई हैं। बताया गया है कि इनमें से कुछ जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हुई, तो कुछ जिलों में ओलावृष्टि की वजह से फसलें प्रभावित हुई हैं।

ये बोले नेता

कांग्रेस के शासन में किसानों की हुई अनदेखी : वर्मा

सरकार के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि जब उनके दल की सरकार मध्यप्रदेश में थी, तब किसानों को कभी मुआवजा नहीं दिया। भाजपा सरकार किसानों की हितैषी रही है। समय पर सहायता राशि एवं बीमा का लाभ पहुंचा रही है। सरकार ने ऐसी व्यवस्था बना दी है कि मुआवजा और बीमा राशि सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित की जा रही है। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों को चुनौती देते हुए कहा कि उन पर कोई 100 रुपए लेने का आरोप भी साबित नहीं कर सकता।

प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है किसानः पटवारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है, जिसमें ओलावृष्टि से खराब फसल के एवज में किसानों को मुआवजा देने का आग्रह किया है। उन्होंने पत्र में लिखा कि प्रदेश भर से प्राप्त जानकारी और किसानों से सीधे संवाद के आधार पर स्पष्ट है कि गेहूं, चना, मसूर और सरसों जैसी फसलों को नुकसान पहुंचा है, जबकि कई खेतों में कटाई के लिए कुछ ही सप्ताह बाकी थे, लेकिन अब किसानों के सामने फसल बर्बाद होने का संकट खड़ा हो गया है, पहले कर्ज महंगे बीज-खाद और सिंचाई की लागत से जूझ रहे किसानों को अब इस प्राकृतिक आपदा से जूझना पड़ रहा है।

अरुण यादव ने मांगा पर्याप्त मुआवजा

पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव ने ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों से प्रभावित किसानों को पर्याप्त मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि खरगोन, आगर-मालवा, गुना और उज्जैन सहित अन्य जिलों में ओलावृष्टि व बेमौसम बारिश से किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं। किसान की मेहनत उम्मीद सब कुछ मिट्टी में मिल गई। सरकार से मांग है कि तत्काल सर्वे कराकर किसानों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए।

फसलों को हुई क्षति का किया जाए आंकलन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने असमय वर्षा से फसलों को हुई क्षति का आंकलन के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है। हर जिले में प्रशासन असमय वर्षा, मावठे के प्रति सतर्क रहे। जिला प्रशासन किसानों को असमय वर्षा से होने वाली क्षति से बचाने का प्रयास करे। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मौसम की विपरीत परिस्थितियों और असमय वर्षा की स्थिति में राज्य किसान भाइयों के साथ खड़ी है। प्रदेश में मावठा से फसलों को हुए नुकसान के सर्वे के लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं।

व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बनेंगे वेयरहाउस

एक दिवसीय कार्यशाला में विभागीय मंत्री ने दिए संकेत, राज्यभर के वेयर हाउस संचालक रहे मौजूद

विशेष संवाददाता, भोपाल। मप्र के वेयरहाउस बहुआयामी व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किए जा सकते हैं। ऐसे में इन गोदामों में व्यवसायिक संस्थानों की सामग्रियों का भी भंडारन हो सकेगा। ये संकेत बुधवार को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने भोपाल में आयोजित कार्यशाला में दिए। उन्होंने कहा कि संचालकों को इस दिशा में सोचना होगा। प्रशासन अकादमी में वेयर हाउस की आय वृद्धि के अन्य व्यावसायिक उपयोग के विषय पर आयोजित कार्यशाला में राज्यभर के वेयर हाउस संचालक मौजूद रहे, जिन्हें विशेषज्ञों का आवश्यक मार्गदर्शन मिला। विभागीय मंत्री सिंह ने कहा कि देखने में आया है कि राज्य के कई वेयर हाउस वर्तमान परिस्थितियों में अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, जिससे गोदाम संचालकों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में उनकी सुझाव है कि अब वेयरहाउस का उपयोग केवल अनाज भंडारण तक सीमित न रहकर, उन्हें बहुआयामी व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जाना

चाहिए। इससे जहां गोदाम संचालकों की आय बढ़ेगी, गोदामों का उनकी क्षमता के अनुरुप पूरा उपयोग हो सकेगा। मंत्री सिंह ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक वातावरण में सप्लाई-चेन मैनेजमेंट और ऑपरेशन मैनेजमेंट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार चाहती है कि निजी निवेश से बने गोदामों में सरकारी अनाज भंडारण के साथ अन्य वैकल्पिक माध्यमों से भी आय अर्जन के अवसर विकसित किए जा सकें। अधिकारियों और गोदाम संचालकों से कहा कि कार्यशाला औपचारिक नहीं, परिणाममूलक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन की नीतियों, नियमों एवं उपलब्ध योजनाओं की स्पष्ट जानकारी देकर गोदाम संचालकों को नीतिगत समर्थन प्रदान किया जा रहा है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ निवेश एवं व्यावसायिक निर्णय ले सकें। सिंह ने कहा कि प्रदेश की भंडारण एवं लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में निजी गोदाम संचालकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यशाला से प्राप्त सुझाव और नवाचार प्रदेश के वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को नई दिशा देंगे और प्रदेश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशाला अन्य स्थानों पर भी आयोजित की जायेंगी। अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने कार्यशाला के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में मध्यप्रदेश एक ऐसा राज्य है, जहाँ पर खुले में अनाज नहीं रखा जाता। कार्यशाला में आईआईएम मुम्बई के प्रो. वीपन कुमार और सुश्री सुमिता नारायण ने ट्रांसफार्मिंग पब्लिक गोडाउन्स टू प्रायवेट वेयर हाउसेस - केस ऑफ अदर स्टेट पर विचार व्यक्त किये।

पीडब्ल्यूडी मंत्री सिंह ने देखी फ्यूचर-रेडी निर्माण प्रणाली

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बुधवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास में 3डी प्रिंटिंग आधारित भवन निर्माण तकनीक का अवलोकन किया। इस अवसर पर आईआईटी मद्रास के सड़क सुरक्षा प्रभाग के प्रमुख प्रो वेंकटेश बाला सुब्रह्मण्यम एवं इंजीनियरिंग डिजाइन प्रभाग के प्रमुख प्रो जयकांथन, प्रबंध संचालक भवन विकास निगम एम सिबी चक्रवर्ती, एसआर बघेल प्रमुख अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मंत्री सिंह ने कहा कि 3डी प्रिंटिंग तकनीक से भवन निर्माण में न सिर्फ तेजी आएगी बल्कि गुणवत्ता भी बेहतर होगी। वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ मेले जैसे विशाल आयोजनों में जहां परिस्थितियों के अनुरूप तीव्र गति से भवन निर्माण की जरूरत होती है। वहां

3डी प्रिंटिंग आधारित निर्माण तकनीक बहुत कारगर सिद्ध हो। 3डी प्रिंटिंग, जिसे एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग भी कहा जाता है, पारंपरिक निर्माण पद्धतियों से भिन्न है। इसमें पहले कंप्यूटर पर भवन का डिजिटल डिजाइन तैयार किया जाता है और फिर विशेष मशीनों द्वारा कंक्रीट व निर्माण सामग्री को परत-दर-परत प्रिंट कर संरचना का निर्माण किया जाता है। इस प्रक्रिया में ईंट, शटरिंग और पारंपरिक ढलाई की आवश्यकता अत्यंत कम हो जाती है, जिससे निर्माण अधिक तेज़, सटीक और नियंत्रित बनता है।

प्री -मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर का हुआ शुभारंभ

विवाह पूर्व संवाद को दिया जाएगा संस्थागत स्वरूप

विसं भोपाल। प्रदेश सरकार ने भोपाल में प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर का शुभारंभ किया गया। ये सेंटर राष्ट्रीय महिला आयोग के मार्गदर्शन पर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर प्रारम्भ किया गया है। जिसमें विवाह पूर्व संवाद को संस्थागत स्वरूप दिया जाएगा। देश की पहली संरचित पहल 'तेरे मेरे सपने' के अंतर्गत प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर का बुधवार को महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया द्वारा किया गया। इस मौके पर भूरिया ने कहा कि जब तेरे और मेरे सपने मिलकर हमारे बनते हैं, तभी एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त भारत का निर्माण संभव है। मजबूत समाज की नींव मजबूत परिवार होते हैं और मजबूत परिवार सोच-समझकर बनाए गए रिश्तों से ही संभव हैं। मंत्री ने कहा कि आज के बदलते सामाजिक परिदृश्य में विवाह से पहले संवाद, समझ और भावनात्मक तैयारी अत्यंत आवश्यक हो गई है। 'तेरे मेरे सपने' पहल युवाओं को विवाह से पूर्व अपेक्षाओं, मूल्यों, जिम्मेदारियों और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर चर्चा करने का सुरक्षित एवं मार्गदर्शित मंच प्रदान करती है। संवाद की कमी, अवास्तविक अपेक्षाएं व भूमिका स्पष्टता के अभाव में कई वैवाहिक रिश्ते तनाव, मानसिक उत्पीड़न और घरेलू हिंसा तक पहुँच जाते हैं। प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर न केवल विवादों की रोकथाम में सहायक होंगे, बल्कि सम्मान, सहमति और समानता पर आधारित रिश्तों को भी मजबूत बनाएंगे। निर्भया फाउंडेशन द्वारा संचालित यह परियोजना महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और सशक्तिकरण के राष्ट्रीय संकल्प को मजबूती प्रदान करती है। उल्लेखनीय है कि 'तेरे मेरे सपने' पहल के अंतर्गत अब तक देश के 9 राज्यों में 23 प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर प्रारंभ किए जा चुके हैं। केंद्रों के माध्यम से युवाओं को संवाद कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, वित्तीय योजना, लैंगिक समानता और पारिवारिक जिम्मेदारियों से संबंधित परामर्श प्रदान किया जा रहा है।

ऐसे काम करेगा सेंटर : सेंटर जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से कॉलेजों, विवाह पंजीकरण कार्यालयों और समुदायों के माध्यम से संवाद कौशल को प्रोत्साहित करेगा। देश में अब तक 23 सेंटर जानकारी के अनुसार अब तक देश के 9 राज्यों में 23 प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर प्रारंभ किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग का लक्ष्य है कि भविष्य में देश के प्रत्येक जिले में ऐसा केंद्र स्थापित किया जाए।

एक दर्जन जिलाध्यक्षों के काम से खुश नहीं आलाकमान

दिल्ली में कांग्रेस की हुई अहम बैठक, प्रदेश अध्यक्ष पटवारी सहित अन्य नेता हुए शामिल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश के आधा दर्जन से ज्यादा जिलाध्यक्षों के कामकाज से कांग्रेस आलाकमान संतुष्ट नहीं है। जिन्हें अपनी परफार्मेंस सुधारने की चेतावनी मिल सकती है। इस पर बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस की हुई अहम बैठक में चर्चा की गई। मध्यप्रदेश संगठन से जुड़ी इस बैठक में प्रदेशअध्यक्ष जीतू पटवारी सहित राज्य के दूसरे बड़े नेता भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि कांग्रेस के दिल्ली स्थित मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में मध्यप्रदेश कांग्रेस संगठन को लेकर बैठक हुई। जिसमें संगठन को लेकर कई विषयों पर चर्चा की गई। जानकारों की माने तो बैठक में एसआईआर और दूसरे मुद्दे को लेकर चर्चा की गई। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बताया कि फरवरी माह में मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधायक दल द्वारा जनता,किसान और युवाओं से जुड़े मामलों को पुरजोर तरीके से उठाएगी। इसी तरह महिला उत्पीड़न और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरा जाएगा।

संगठन ने की जिलाध्यक्षों के कार्यों की समीक्षा

पार्टी से जुड़े सूत्रों की मानें तो दिल्ली में बैठक में मध्यप्रदेश के जिलाध्यक्षों के सक्रियता और संगठन को मजबूत बनाने में उनकी व जिला संगठन की भूमिका को लेकर समीक्षा की गई। बताया गया है कि प्रदेश के एक दर्जन से ज्यादा जिलाध्यक्षों के कामकाज पर पार्टी नेतृत्व ने असंतोष जताया है। बैठक में मौजूद प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी से कहा गया है कि इस दिशा में उन्हें स्वयं जिलाध्यक्षों के साथ बैठना होगा और उनकी परफार्मेंस सुधारने की दिशा में काम करना होगा। उन्हें साफ तौर पर कहा गया कि ऐसा नहीं होने पर संबंधित जिलाध्यक्षों के विकल्प पर ध्यान दिया जाएगा।

प्रदेश में जल्द बैठक कर बनाई जाएगी रणनीतिः चौधरी

प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि बैठक में प्रदेश संगठन और विधायक दल के तौर पर किए गए कार्यो की समीक्षा की गई। मध्यप्रदेश में कांग्रेस पार्टी संगठन और विधायक दल के तौर पर मजबूती से काम कर रही है। ऐसे में इसे और आगे कैसे बढ़ाया जाए, इस पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में पार्टी संगठन और विधायक दल के तौर पर मजबूती से काम कर रही है। ऐसे में इसे और आगे कैसे बढ़ाया जाए, इस पर बैठक में चर्चा हुई है। चौधरी ने कहा कि मध्यप्रदेश में किसान, युवा, महिला और छात्र हर वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है। ऐसे में कांग्रेस उनके हितों की रक्षा कैसे करे, इस पर हम बैठक कर आने वाले दिनों में काम करेंगे। संगठन इस स्तर पर मजबूती से काम कर रही है,इसे और कैसे आगे बढ़ाया जाए। इस पर वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मध्यप्रदेश में युवाओं महिलाओं, किसानों बेरोजगारों की समस्याओं को लेकर हमें किस तरह से काम करना है, इस दिशा में हम लोग सामूहिक तौर पर मध्यप्रदेश में बैठक कर रणनीति तैयार करेंगे। दिल्ली बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी,नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार,सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया, राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मौजूद रहेंगे।

बदलाव दो दर्जन प्रोफेसर होने के बाद भी नियुक्ति से चूक रहा तकनीकी शिक्षा विभाग

प्रदेश में पहली बार आईएएस को आरजीपीवी के रजिस्ट्रार का प्रभार

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। तकनीकी शिक्षा विभाग ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के रजिस्ट्रार डॉ. मोहन सेन को कार्यमुक्त कर दिया है। उन्हें विभाग में अतिरिक्त संचालक के रूप में पदस्थ किया गया है। उनका प्रभार विभाग के आयुक्त आईएएस अवधेश शर्मा को दिया गया है। अब वे अपने कार्य के साथ रजिस्ट्रार के अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी निभाएंगे। यह पहला मौका है जब किसी आईएएस अधिकारी को प्रदेश के किसी भी विवि में रजिस्ट्रार का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके पहले विभाग में प्रमुख सचिव रहीं कल्पना श्रीवास्तव को कुलपति का अतिरिक्त प्रभार राजभवन द्वारा दिया गया था। अभी तक आईएएस सिर्फ कुलपति की कुर्सी पर आसीन होते आए हैं। करीब तीन आईपीएस को बीयू में रजिस्ट्रार के रूप में पदस्थ किया जा चुका है। इसलिए विभाग को आईएएस को कुलसचिव का अतिरिक्त प्रभार देना उचित नहीं बताया जा रहा है। क्योंकि प्रदेश के कालेजों में दो दर्जन से ज्यादा प्रोफेसर हैं, जो

कुलसचिव का दायित्व निभा सकते हैं। इसके बाद भी विभाग ने आयुक्त शर्मा को रजिस्ट्रार का प्रभार सौंपा है। रजिस्ट्रार का प्रभार बदलने से आरजीपीवी में बुधवार को होने वाली एकेडमिक काउंसिल की बैठक को टाल दिया गया। अब यह बैठक आगामी दिनों में आयोजित की जाएगी। आयुक्त शर्मा ने अभी रजिस्ट्रार का प्रभार ग्रहण नहीं किया है। बाताया जा रहा है कि वह एक दो दिन में आरजीपीवी पहुंचकर रजिस्ट्रार का कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं।

दो बार हटाने की मांग कर चुके थे डॉ सेन

डॉ. सेन विभाग को दो बार पत्र देकर रजिस्ट्रार के प्रभार से मुक्त करने की मांग कर चुके थे। आयुक्त शर्मा को रजिस्ट्रार का अतिरिक्त प्रभार मिलने से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि दो वर्षों से मप्र का एक मात्र तकनीकी विवि आरजीपीवी यह अपनी आर्थिक अनियमितता के कारण अकादमिक नवाचार एवं अनुसंधान से बाधित हुआ। वही पिछले दिनों राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के एसएसआर रिपोर्ट में की गई गड़बड़ियों के कारण भी चर्चा में रहा। विश्वविद्यालय अपने सुचारू संचालन एवं नियमित अकादमिक वातावरण लिए आज भी उभर नहीं पाया है। वैसे में प्रदेश सरकार एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तकनीकी शिक्षा के व्यक्ति के स्थान पर किसी प्रशासनिक अधिकारी (आईएएस) को कुलसचिव का प्रभार देने के निर्णय की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कड़े शब्दों में निंदा करता है।

एबीवीपी ने शर्मा को बताया पार्टटाइम कुलसचिव

वर्तमान कुलसचिव को हटाने का निर्णय उस समय लिया गया है जब नैक के एसएसआर रिपोर्ट की कई गड़बड़ियां उजागर हो चुकी हैं। जिसकी पुष्टि स्वयं वर्तमान कुलसचिव कर चुके हैं। एबीवीपी का मानना है कि प्रभारी कुलगुरु एससी चौबे और पार्टटाइम कुलसचिव अवधेश शर्मा (आईएएस) से विश्वविद्यालय का सुचारू संचालन और भी कठिन होगा। विश्वविद्यालय की आर्थिक अनियमितता और अकादमिक भ्रष्टाचार पर लोकभवन का दुर्लक्ष्य और राज्य शासन का गंभीर न होना विश्वविद्यालय के विकास में बाधाकारक है। इस वक्तव्य के माध्यम से अभाविप अपनी उस मांग को भी दोहराता है कि विश्वविद्यालय के सुचारू और प्रभावी संचालन करने आरजीपीवी को तीन हिस्सों में बांटा जाए।

दस तक जमा होंगे कुलगुरु के आवेदन

कुलगुरु त्रिपाठी का इस्तीफा स्वीकार करने के बाद लोकभवन ने नये कुलगुरु की नियुक्ति करने के लिए आवेदन जमा कराना शुरू कर दिया है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि दस फरवरी रखी गई है। हालांकि अभी तक लोकभवन को ज्यादा संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं हुए हैं।

प्रदेश को मिले नए 34 डिप्टी कलेक्टर, आदेश किए जारी

विशेष संवाददाता। भोपाल। प्रदेश शासन को 34 नए डिप्टी कलेक्टर मिल गए। सामान्य प्रशासन विभाग ने बुधवार को इन नए अधिकारियों की नियुक्ति आदेश जारी कर दिए। ये सभी अधिकारी राज्य सेवा परीक्षा 2023 और 2024 के परिणामों के आधार पर नियुक्ति किए गए है। जानकारी के अनुसार इन सभी अधिकारियों को दो वर्ष की परिवीक्षा अविधि पर रखा गया है। इस दौरान उनके काम और व्यवहार को परखा जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने अपने नियुक्ति आदेश में साफ तौर पर कहा है कि यह नियुक्तियां पूरी तरह से अस्थायी और प्रावधिक आधार पर की गई है, यदि किसी का चरित्र सत्यापन सही नहीं पाया गया,तो नियुक्ति रद्द हो जाएगी। आदेश में अधिकारियों को वेतनमान पे-मैट्रिक्स लेवल 12 के तहत 15600-39100 के अलावा 54 सौ ग्रेड पे दिया जाएगा।

6 फरवरी तक करना है ज्वाइन

सभी नए अधिकारियों को 6 फरवरी 2026 तक कार्यभार ग्रहण करना होगा। 9 फरवरी से उनका 123 वां संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु होगा, जो भोपाल स्थित आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में होगा। इसके लिए सभी अधिकारियों को 8 फरवरी तक अकादमी में पहुंचना होगा। अधिकारियों से शासन द्वारा बांड भरना होगा। यदि वे सफलतापूर्वक परिवीक्षा अवधि पूरी नहीं करते, तो उन्हें प्रशिक्षण और वेतन का खर्च लौटाना होगा। 1 जनवरी 2025 के बाद नियुक्त होने के कारण इन पर नई अंशदान पेंशन योजना लागू होगी। यदि कोई अधिकारी दूसरी सरकारी सेवा में है,तो उनसे एनओसी या उक्त सेवा से इस्तीफा देना होगा।
कोर्ट के फैसले के अधीनः अधिकारियों को बताया गया है कि उनकी नियुक्ति की पूरी प्रक्रिया वर्तमान में संबंधित कोर्ट में लंबित विभिन्न याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। हालांकि शासन ने दावा किया है कि इन नियुक्तियों में आरक्षण नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया है। जानकारी के अनुसार अधिकारियों को प्रशिक्षण के बाद होने वाली विभागीय परीक्षा भी पास करनी होगी। साथ ही यदि किसी अधिकारी द्वारा गलत जानकारी दी गई,तो किसी नोटिस के बिना उनकी सेवाए समाप्त की जा सकती है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

अभिव्यक्ति की आड़ में उच्छृंखलता बर्दाश्त नहीं

देशवासियों ने राजधानी दिल्ली के 'कर्त्तव्य पथ' पर, परेड के जरिए, भारत की सामरिक, सांस्कृतिक, कलात्मक, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय संप्रभुता का प्रदर्शन टीवी पर देखा होगा। कितना विविध, विराट और एकजुट, अखंड है भारत! हमारा संविधान 1,46,385 शब्दों का सबसे विस्तृत और लिखित दस्तावेज है, लिहाजा अभूतपूर्व और अनूठा है। संविधान देश के नागरिक को समान अधिकार देता है। 'हम भारत के लोग..' में अंबानी, अदाणी, टाटा जैसे घराने भी हैं और एक अदना, अनाम गरीब, आम आदमी भी इसमें समाविष्ट है। संविधान न तो खंडित किया जा सकता है और न ही उसकी अवहेलना, अनदेखी की जा सकती है। ऐसा करना संज्ञेय, दंडनीय अपराध है। संविधान ही राष्ट्र है। संविधान की व्याख्या, अपवाद के तौर पर, अलग प्रकार से की जा सकती है, लेकिन संविधान की मूल आत्मा और भावना एक ही है-'हम भारत के लोग संप्रभु, लोकतांत्रिक, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी भारत के लोग।'

कमोबेश ऐसे राष्ट्रीय पर्व के दिन तो ढोंग, विरोध, धर्मांधता से बचा जा सकता था। संविधान की छद्म प्रति लहरा कर देश को गुमराह करने की कोशिशें, अंततः, बंजर ही साबित हुई हैं। दो युवकों ने 'ताजमहल' में घुस कर 'तिरंगा' लहराया। यह राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्र का अपमान है। 'ताजमहल' पूरी तरह भारत का विश्वविख्यात 'आश्चर्य' है। यदि तिरंगा फहराया जाना था, तो वहां सार्वजनिक समारोह मनाया जा सकता था। 'घुसकर' ऐसा करना 'सांप्रदायिकता' है, जो संविधान-विरोधी है। उप्र के एक शहर में 'तिरंगा-यात्रा' के दौरान कुछ असामाजिक, देश-विरोधी तत्वों ने 'अल्लाह-हू-अकबर' के नारे लगाए और दूसरों को बाध्य किया। यह असंवैधानिक उच्छृंखलता है। संविधान ऐसी अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार नहीं देता। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकारों में मताधिकार की शक्ति दी है। हम लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा मताधिकार प्राप्त नागरिक एक वोट के जरिए जनादेश दे सकता है कि कौनसी सरकार काम करेगी और किसे सत्ता से बेदखल किया जाता है, लेकिन गंभीर विडंबना है कि हर तीसरा नागरिक वोट ही नहीं देता है।

चुनावों का यह औसत सामने आया है। देश में 97-98 करोड़ मतदाता हैं। अब विशेष गहन पुनरीक्षण के अभियानों के बाद मतदाताओं का यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। औसत वोट नहीं डालने वालों का आंकड़ा अमरीका की कुल आबादी से भी अधिक है।

बहरहाल आज भी देश में सड़क हादसों में करीब 1.77 लाख लोग सालाना मरते हैं और घायलों की संख्या अलग है। लोग शराब पीकर गाड़ी चलाते हैं या नियमों का पालन नहीं करते। हादसे विकसित देशों में भी होते हैं, लेकिन भारत में ये गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। इस आजाद मुल्क में आज भी लोग अपनी रेलगाड़ियों पर पथराव करते हैं। न जाने क्यों करते हैं? क्या इसमें भी कोई प्रतिशोध निहित है? क्या उन्हें यह अहसास नहीं है कि ये खूबसूरत रेलगाडियां उनकी अपनी संपत्ति हैं? उनके करों की राशि से बनी हैं और देश भर में सेवाएं दे रही हैं? देश में आज भी बाल-विवाह और बहुविवाह हो रहे हैं। आज भी दूषित पानी पीने से लोग मर रहे हैं।

आज भी असामाजिक प्रथाएं मौजूद हैं। आज भी देश में लोग गरीब हैं। यह गंभीर चिंतन-मनन का विषय है कि 'हम भारत के लोग' की प्रस्तावना और भावना अधूरी क्यों है? आज भी प्रदूषण की समस्या इतनी जानलेवा है कि भारत में साल भर में 17 लाख तक लोग अकाल मौत का शिकार हो रहे हैं। बहरहाल ये कुछ बिंदु बुनियादी तौर पर 'भारत के लोगों' के खिलाफ हैं, उन्हें खुरच रहे हैं, नुकसान पहुंचा रहे हैं। विकास के क्षेत्र में भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। बेशक हम कई देशों से आगे हो चुके हैं, लेकिन हमें अभी अमरीका व चीन का मुकाबला करना है।

प्रसंगवश

वीवीआईपी प्रोटोकॉल और हवाई सुरक्षा पर बड़ा सवाल

विनोद पाठक

बुधवार सुबह जब सूरज की किरणें बारामती की उपजाऊ मिट्टी को छू रही थीं, तब किसी ने कल्पना नहीं की थी कि यह दिन महाराष्ट्र की राजनीति के एक युग के अस्त का साक्षी बनेगा। राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार, जिन्हें जन-जन आदर और आत्मीयता से 'दादा' कहता था, की विमान हादसे में असामयिक मृत्यु ने न केवल एक परिवार और एक राजनीतिक धारा को अनाथ किया है, अपितु पूरे राज्य को भावनात्मक शून्य में धकेल दिया है। यह केवल एक नेता का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक स्थिरता का टूटना है, जिस पर पश्चिमी महाराष्ट्र की राजनीति पिछले कई दशकों से खड़ी थी। यह दुर्घटना केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी हवाई सुरक्षा प्रणालियों, वीवीआईपी प्रोटोकॉल और संस्थागत जवाबदेही पर एक गहरा प्रश्नचिह्न है, जिसे अब नजरअंदाज़ करना आत्मघाती होगा।

अजित पवार केवल एक राजनेता नहीं थे। वे प्रशासन की चलती-फिरती संस्था थे। निर्णय प्रक्रिया का केंद्र थे। सत्ता-प्रशासन के बीच सेतु थे। सुबह छह बजे से काम शुरू करने वाला वह कर्मयोगी, जिसकी उंगलियों पर महाराष्ट्र के बजट के आंकड़े और हर तहसील की समस्याएं होती थीं। आज स्मृतियों के गलियारे में विलीन हो गया। उन्होंने सहकारिता के माध्यम से पश्चिमी महाराष्ट्र के किसानों को जो संबल दिया, वह केवल नीति नहीं, सामाजिक न्याय की संरचना थी। यह कोई सामान्य संयोग नहीं है कि जिस बारामती को उन्होंने अपने पसीने से सींचकर आधुनिक राजनीतिक प्रयोगशाला बनाया, उसी धरती की हवाई पट्टी पर उनकी अंतिम यात्रा का दुःखद पड़ाव आया।

प्रारंभिक जांच और डीजीसीए की रिपोर्ट बताती है कि अजित पवार का चार्टर प्लेन मुंबई से बारामती के लिए उड़ा था। लैंडिंग के समय विमान रन-वे के थ्रेशोल्ड पर अनियंत्रित हुआ और आग के गोले में बदल गया। विमान में सवार सभी पांच लोग, जिनमें दो अनुभवी पायलट और पवार के कर्मचारी शामिल थे, इस त्रासदी का शिकार हुए।

प्राथमिक दृष्टि में तकनीकी खराबी और लैंडिंग गियर में समस्या की बात सामने आ रही है, लेकिन असली कारण ब्लैक बॉक्स की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा, लेकिन राजनीतिक और नैतिक स्तर पर यह प्रश्न अभी से उठ चुका है कि क्या वीवीआईपी उड़ानों की सुरक्षा व्यवस्थाएं वास्तव में उस स्तर की हैं? जिसकी अपेक्षा एक संवैधानिक लोकतंत्र में की जानी चाहिए।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब भारत ने विमान हादसों में अपने नेतृत्व को खोया है। अजित पवार की दुर्घटना हमें उन पुराने जख्मों की याद दिलाती है, जो समय के साथ भी भरे नहीं हैं। संजय गांधी, माधवराव सिंधिया, जी.एम.सी. बालयोगी, वाई.एस. राजशेखर रेड्डी, सीडीएस बिपिन रावत, विजय रूपाणी जैसे नाम केवल व्यक्ति नहीं, संस्थागत क्षति के प्रतीक थे। हर दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त किया गया, जांच बैठी, रिपोर्ट आई, लेकिन प्रणालीगत सुधार की राजनीतिक इच्छाशक्ति कभी पर्याप्त रूप से दिखाई नहीं दी। अजित पवार का जाना महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसे शून्य का निर्माण कर गया है, जिसकी भरपाई केवल नेतृत्व परिवर्तन से संभव नहीं होगी। यह केवल एक पद का रिक्त होना नहीं है, यह एक पूरी राजनीतिक संरचना का कमजोर पड़ जाना है।

इस हादसे से अब केवल संवेदना नहीं, ठोस नीति-निर्णय निकलने चाहिए। राजनेताओं का जीवन व्यक्तिगत संपत्ति नहीं, राष्ट्रीय धरोहर होता है। उनकी सुरक्षा भावनात्मक नहीं, संस्थागत विषय है। वीवीआईपी उड़ानों के लिए स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट, पायलट के निर्णय की पूर्ण स्वायत्तता, आधुनिक नेविगेशन सिस्टम की अनिवार्यता, तकनीकी प्रमाणन की बाध्यता और छोटे हवाई अड्डों पर संरचनात्मक सुरक्षा मानक, ये सब विकल्प नहीं, अनिवार्य शर्तें होनी चाहिए।

नागर विमानन मंत्रालय को अब एक 'नेशनल वीवीआईपी एयर सेफ्टी पॉलिसी' केवल कागज पर नहीं, जमीनी क्रियान्वयन के साथ लागू करनी होगी, जिसमें निजी चार्टर कंपनियों के लिए भी कठोर दंडात्मक प्रावधान हों।

अजित पवार की मृत्यु केवल एक राजनीतिक शोक नहीं है, यह एक राज्य की सामूहिक असुरक्षा-बोध का क्षण है। यह महाराष्ट्र की राजनीति के आत्ममंथन का समय है। गति और प्रगति के इस दौर में यदि सुरक्षा पीछे छूटती रही तो विकास की सारी उपलब्धियां अर्थहीन हो जाएंगी। यह हादसा चेतावनी है, स्मरण नहीं। यह शोक नहीं, आत्मसुधार का आह्वान है।

महाराष्ट्र की राजनीति ने एक शक्ति-पुंज खोया है, लेकिन यदि इस क्षति से व्यवस्था नहीं बदली तो यह त्रासदी केवल इतिहास नहीं, भविष्य की भूमिका बन जाएगी।

फार्मेसी नियमन

मुनाफे की अंधी दौड़ में जहर बन रहीं औषधियां हिला रहीं समाज की नींव

नकली दवाओं का निर्माण 'हत्या का प्रयास'

डॉ सुधीर कुमार

नकली दवाओं का निर्माण और वितरण समाज के लिए गंभीर खतरा है, जिसे कड़े कानून और तकनीकी उपायों से रोका जा सकता है। क्यूआर कोड की अनिवार्यता, डिजिटल लेजर में एंट्री, नेशनल ड्रग डेटाबेस के अलावा उन्नत टेस्टिंग उपकरणों से बेहतर निगरानी व पारदर्शिता यकीनी बनेगी।

मानव जीवन की रक्षा में औषधियों की भूमिका किसी संजीवनी से कम नहीं है, परंतु जब मुनाफे की अंधी दौड़ में ये औषधियां ही जहर बन जाएं, तो समाज की नींव हिलने लगती है। जब बाजार में जीवन रक्षक दवाओं के नाम पर 'चॉक पाउडर' या 'दूषित रसायनों' का मिश्रण पहुंचता है, तो इसे केवल व्यापारिक धोखाधड़ी या बौद्धिक संपदा की चोरी मान लेना एक बड़ी भूल होगी। वास्तव में, नकली दवाओं का निर्माण और वितरण सीधे तौर पर 'हत्या का प्रयास' है, जो किसी व्यक्ति को उपचार से वंचित कर उसे मौत के मुंह में धकेल देता है।

भारत, जिसे अपनी गुणवत्ता और सामर्थ्य के कारण दुनिया की 'फार्मेसी' कहा जाता है, उसके लिए यह संकट दोहरा है। यह हमारी अंतरराष्ट्रीय साख को भी धूमिल करता है। समय की मांग है कि कानून की शक्ति और तकनीक की पारदर्शिता आपस में हाथ मिलाकर एक ऐसा अभेद्य तंत्र विकसित करें, जहां अपराधी के लिए कोई छिद्र शेष न रहे।

भारत में दवाओं के नियमन का ढांचा औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के साथ शुरू हुआ था, जो अपने समय के अनुसार एक ठोस दस्तावेज था। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला, अपराधियों के सिंडिकेट ने कानून की कमियों को पहचान लिया। साल 2008 में सरकार को यह आभास हुआ कि पुराने कानून में निहित मामूली जुर्माने और सजा इन बड़े गिरोहों के लिए कोई डर पैदा नहीं करते। इसी कारण अधिनियम में व्यापक संशोधन किए गए ताकि कानून के दांतों को पैना किया जा सके।

वर्तमान में, धारा 27(ए) के अंतर्गत कड़े प्रावधान किए गए हैं। यदि किसी नकली दवा के सेवन से व्यक्ति की मृत्यु होती है या उसे गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचती है, तो दोषी को कम से कम 10 साल की कड़ी सजा का प्रावधान है, जिसे अपराध की गंभीरता के आधार पर आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही, 10 लाख रुपये या दवा की कुल कीमत का तीन गुना तक का भारी जुर्माना लगाया जाता है।

न्यायपालिका ने भी इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है। 'यूनियन ऑफ इंडिया बनाम अशोक कुमार शर्मा' (2020) जैसे ऐतिहासिक मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले अपराधियों को किसी भी प्रकार की न्यायिक रियायत या नरमी नहीं मिलनी चाहिए। अदालतों ने ड्रग इंस्पेक्टर्स की शक्तियों को स्पष्ट करते हुए उन्हें जांच, नमूना संग्रह और जब्ती की प्रक्रिया में अधिक स्वायत्तता प्रदान की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी खामियों के कारण कोई अपराधी कानून की पकड़ से बाहर न निकल सके। कानून का यह प्रहार तब और प्रभावी हो जाता है जब इसे डिजिटल नवाचारों का समर्थन मिलता है। आज का दौर डेटा और पारदर्शिता का है, जहां 'ट्रैक एंड ट्रेस' तकनीक इस पूरी व्यवस्था की रीढ़ बन चुकी है। कागजी दस्तावेजों के हेरफेर के दिन अब लद चुके हैं और सरकार द्वारा शीर्ष 300 ब्रांडों पर क्यूआर कोड अनिवार्य करना इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

तकनीकी मोर्चे पर सबसे शक्तिशाली समाधान 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी' में निहित है। यदि दवा के कच्चे माल यानी 'एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट' की खरीद से लेकर कारखाने में उसके निर्माण, फिर डिस्ट्रीब्यूटर के गोदाम और अंततः मरीज के हाथ तक पहुंचने की हर कड़ी को एक सुरक्षित 'डिजिटल लेजर' में दर्ज करें, तो हेरफेर की संभावना शून्य हो जाती है। ब्लॉकचेन की खूबी यह है कि इसमें एक बार दर्ज जानकारी को कोई भी माफिया बदल या मिटा नहीं सकता। इसके साथ ही, एक 'सेंट्रलाइज्ड नेशनल ड्रग डेटाबेस' की स्थापना अनिवार्य है। अक्सर देखा गया है कि एक राज्य में प्रतिबंधित दवा दूसरे राज्य में बेची जाती रहती है। एक एकीकृत डेटाबेस होने से किसी भी कोने में पकड़ी गई नकली दवा की जानकारी रियल-टाइम में देशभर के ड्रग इंस्पेक्टर्स को मिल सकेगी, जिससे अपराधियों के भागने के रास्ते बंद हो जाएंगे।

ड्रग विभाग की भूमिका को भी अब पारंपरिक 'इंस्पेक्टर राज' से ऊपर उठकर 'प्रौद्योगिकी मित्र' के रूप में विकसित होना होगा। अब अधिकारियों को केवल छापेमारी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें 'डेटा एनालिटिक्स' का विशेषज्ञ बनना होगा। यदि किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र में किसी ब्रांड की दवा की खपत अचानक और अस्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है, तो सिस्टम को स्वतः ही 'रेड फ्लैग' या चेतावनी जारी करनी चाहिए। इसके साथ ही, ड्रग इंस्पेक्टरों को अत्याधुनिक 'हैंडहेल्ड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी' जैसे टेस्टिंग उपकरणों से लैस किया जाना चाहिए। ये उपकरण मौके पर ही, बिना पैकिंग खोले, दवा की शुद्धता की प्राथमिक जांच कर सकते हैं, जिससे लैब रिपोर्ट के लिए महीनों तक होने वाले इंतजार को खत्म किया जा सकता है।

नकली दवाओं के जाल को काटने के लिए हर नागरिक को यह समझना चाहिए कि पक्का बिल मात्र एक रसीद नहीं, बल्कि उसका सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है, जो कानूनी लड़ाई और मुआवजे के लिए प्राथमिक सबूत बनता है। दवा खरीदते समय पैकेजिंग की बारीकियों जैसे धुंधली छपाई, गलत स्पेलिंग या टूटी सील पर पैनी नजर रखें। भारी छूट के लालच में न आएं। सतर्कता ही आपके स्वास्थ्य और कानूनी अधिकारों की रक्षा का एकमात्र मार्ग है।

'टॉर्ट लॉ' और उपभोक्ता कानूनों के तहत, नकली दवा से होने वाले शारीरिक और मानसिक नुकसान के लिए निर्माता और विक्रेता दोनों को जवाबदेह ठहराया जा सकता है। यह पीड़ित परिवारों को न केवल आर्थिक संबल देता है, बल्कि कंपनियों को अपनी सप्लाई चेन के प्रति अधिक सतर्क रहने के लिए मजबूर भी करता है।

खुला मंच

बर्फ के स्टेटस देख इंद्र हुए अंतर्ध्यान

अशोक गौतम

मित्रो! गए वे दिन जब लैला मजनू से प्रेम करती थी, हीर रांझा से प्रेम करती थी, शीरी फरहाद से प्रेम करती थी। अब तो हीर, लैला, शीरी सारी मोहतरमाएं फेसबुक से प्रेम करती है। ऐसे में मजनू, रांझा, फरहाद ने भी फेसबुक से प्रेम करना शुरू कर दिया है। अब सब जान गए हैं कि आज के युग का अमर प्रेम फेसबुक है। फेसबुक नाम जहाज है, चढ़े सो उतरे पार...। कल रात फेसबुक पर चर्वण करते करते जब आंखें और सांसें दोनों फूल गईं तो नींद की गोली खाकर जबरदस्ती सोने का नाटक करना पड़ा। अभी फोन किनारे छोड़ा ही था कि सामने इंद्र देव! बिल्कुल वैसे ही, जैसा मैंने उन्हें जल शक्ति विभाग के ऑफिस में सबसे बड़े साहब की कुर्सी के पीछे दीवार पर टंगे हैं। सोचता हूं दोस्तो! किसने किसको बनाया! देवताओं ने हमको या हमने देवताओं को... वैसे अपने जन्म से यहां सभी एक दूसरे को बना ही तो रहे हैं। अपना फ्यूचर बनाने के बदले बाप को बेटा बना रहा है। मंदिर में पुजारी भगवान को बना रहा है। ऑफिस में अधीनस्थ अपने बॉस को बना रहा है। बेकार में बनने बनाने की सोच में पड़ कीमती समय बरबाद करोगे तो फेसबुक पर विचरण करने का अनमोल समय नष्ट हो जाएगा। फेसबुक जीवन अमोल है मिले न बारंबार।

इंद्र देव जैसे ही मेरे सामने आए तो पहला प्रश्न यही किया, 'बंधु! बर्फ पड़ गई क्या?'

'मतलब?'

'मतलब ये कि मैंने अभी अभी फेसबुक पर हजारों के फेसबुक स्टेटस देखे। सभी पर बर्फ ही बर्फ!'

'फेसबुक पर देखी तो बर्फ पड़ ही गई होगी', मैंने सहज रहते कहा तो वे मेरी धीरता गंभीरता से प्रभावित हुए।

'पर मेरी नॉलिज में तो नहीं है कि तुम्हारे शहर में मैंने बर्फ पड़ने के आदेश किए हैं।'

'जनाब! आजकल विभागों के हेड की नॉलिज में कुछ होता ही कहां है? वे तो बेचारे अपनी कुर्सी पर लेटे बैठे उंघियाते खाते इधर उधर अपनी गोटियां फिट करते रहते हैं। और उनके नीचे वाले काम कर जाते हैं।'

'मतलब?' वे तनिक झूठ को गुस्साए।

'मतलब सर जी ये कि आज का दौर कर्तव्यनिष्ठा का दौर नहीं। फेसबुक का दौर है। आज का दौर सच का दौर नहीं। फेसबुक का दौर है। आज का दौर नैतिकता का दौर नहीं। फेसबुक का दौर है। आज का दौर प्रेम का दौर नहीं। फेसबुक का दौर है। आज हर छोटी से छोटी घटना से लेकर भयंकर से भयंकर दुर्घटना की पुख्ता जानकारी फेसबुक से ही लाइव मिलती है। आज वही जीव लाइव है जो फेसबुक पर लाइव है। शेष तो होते हुए भी न हुओं के बराबर है', मैंने अपने युग का कटु सत्य कहा तो इंद्र देव ने घुटने टेके और अंतर्ध्यान हो गए।

उच्च शिक्षा कानून

पूर्वाग्रह के चलते दोषी ठहराना नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और न्याय सुनिश्चित करना समिति का उद्देश्य

भेदभाव समाप्त करने को यूजीसी का न्यायसंगत कदम

सतीश मेहरा

यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के साथ होने वाले जातिगत भेदभाव को रोकने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इस प्रावधान का उद्देश्य है किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करना तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में समता, न्याय और समावेशन को सुनिश्चित करना। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और संसदीय समिति की सिफारिशों के आधार पर यूजीसी ने इस संबंध में समिति के गठन हेतु अधिसूचना जारी की है। यह पहल किसी राजनीतिक दबाव का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से सामने आ रही सामाजिक विसंगतियों और न्यायिक हस्तक्षेप का नतीजा है।

यूजीसी ने फरवरी, 2025 में 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु विनियम, 2026' का मसौदा जारी किया था। इसके बाद यह मसौदा संसदीय स्थायी समिति को भेजा गया, जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने की। 8 दिसंबर, 2025 को समिति ने संसद में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें आंकड़ों और तथ्यों के साथ यह स्पष्ट किया गया कि देश के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में केवल एससी और एसटी ही नहीं, बल्कि ओबीसी विद्यार्थियों के साथ भी जातिगत भेदभाव की घटनाएं बढ़ी हैं। इन सिफारिशों और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के आधार पर 13 जनवरी, 2026 को यह विनियम राजपत्र में प्रकाशित हुआ और 15 जनवरी, 2026 से पूरे देश में लागू कर दिया गया।

इस प्रावधान का उद्देश्य स्पष्ट और संवैधानिक है— धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, जन्म स्थान अथवा दिव्यांगता के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करना तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में समता, न्याय और समावेशन को सुनिश्चित करना। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन वर्गों के लिए बनाई गई है, जिनके साथ ऐतिहासिक रूप से सामाजिक, शैक्षणिक और संस्थागत स्तर पर अन्याय होता रहा है।

इसके बावजूद इस प्रावधान का विरोध किया जा रहा है। विरोध करने वालों का प्रमुख तर्क यह है कि इस समिति में 'जनरल कैटेगरी' को शामिल नहीं किया गया, इसलिए यह नियम भेदभावपूर्ण है। लेकिन यह प्रश्न विचारणीय है कि जाति-आधारित भेदभाव सामान्य वर्ग के साथ किस प्रकार होता है। जब देश के अधिकांश विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर, प्राचार्य और कुलपति पदों पर लगभग 97 प्रतिशत प्रतिनिधित्व उन्हीं वर्गों का है, तब निर्णय, मूल्यांकन और प्रशासनिक सत्ता पहले से ही उनके हाथों में है। ऐसे में उनके साथ जातिगत उत्पीड़न की आशंका वस्तुतः तथ्य से अधिक आशंका और भ्रम पर आधारित प्रतीत होती है।

विश्वविद्यालयों में जातिगत भेदभाव के दुष्परिणामों का इतिहास नया नहीं है। हैदराबाद विश्वविद्यालय के शोधार्थी रोहित वेमुला की आत्महत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। अपने अंतिम पत्र में उन्होंने लिखा था— 'मेरा जन्म ही एक दुर्घटना था।' इसके बाद पायल तड़वी और दर्शन सोलंकी जैसे कई मामले सामने आए। ये घटनाएं केवल व्यक्तिगत त्रासदियां नहीं हैं, बल्कि उस व्यवस्था की ओर संकेत करती हैं, जहां शिक्षा के केंद्र ही उत्पीड़न के स्थल बनते चले गए।

यह भी एक भ्रांति फैलाई जा रही है कि यदि कोई ओबीसी विद्यार्थी किसी एससी या एसटी विद्यार्थी के साथ भेदभाव करेगा, तो उस पर कार्रवाई नहीं होगी। विनियम इस संदर्भ में पूरी तरह स्पष्ट है। किसी भी वर्ग के व्यक्ति द्वारा किया गया जाति-आधारित भेदभाव जांच के दायरे में आएगा। समिति का उद्देश्य किसी को पूर्वाग्रह के आधार पर दोषी ठहराना नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और न्याय सुनिश्चित करना है।

समिति की संरचना भी संतुलित और प्रतिनिधिक रखी गई है। इसमें संस्थान प्रमुख पदेन अध्यक्ष होंगे, वरिष्ठ संकाय सदस्य, कर्मचारी प्रतिनिधि, नागरिक समाज के प्रतिनिधि, छात्र प्रतिनिधि और सचिव शामिल होंगे। साथ ही यह अनिवार्य किया गया है कि समिति में एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांगजन और महिलाओं का समुचित प्रतिनिधित्व हो। यह व्यवस्था इसलिए आवश्यक है ताकि निर्णय प्रक्रिया समावेशी और एकतरफा प्रभाव से मुक्त रहे।

विरोध का एक और तर्क संभावित 'दुरुपयोग' को लेकर दिया जा रहा है। किंतु यह तर्क स्वयं में कमजोर है। महिलाओं के लिए बने कानूनों, श्रम कानूनों या आतंकवाद विरोधी कानूनों के दुरुपयोग की आशंका के बावजूद उन्हें समाप्त नहीं किया गया। किसी कानून के संभावित दुरुपयोग के डर से न्याय के रास्ते बंद कर देना स्वयं अन्याय को बढ़ावा देना है।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जिन समुदायों के विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा के लिए यह प्रावधान बनाया गया है, उनमें इसके प्रति पर्याप्त जागरूकता नहीं है। दूसरी ओर, सांस्कृतिक और संस्थागत वर्चस्व रखने वाले वर्ग संगठित रूप से मीडिया, सोशल मीडिया और न्यायिक मंचों पर इसका विरोध कर रहे हैं। यह प्रावधान कोई 'काला कानून' नहीं, बल्कि संविधान में निहित समानता और गरिमा के मूल्यों को व्यवहार में उतारने का प्रयास है। जैसे कार्यस्थलों और शिक्षण संस्थानों में महिलाओं के लिए वूमेन सेल आवश्यक माने जाते हैं, उसी प्रकार जातिगत भेदभाव से पीड़ित वर्गों के लिए यह समिति आवश्यक है। यदि आज इसे कमजोर किया गया, तो भविष्य में फिर किसी रोहित, किसी पायल या किसी दर्शन को इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। वक्त की मांग है कि हम न्याय, समानता और समावेशन के पक्ष में खड़े होकर भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित-समान अवसरों वाले भविष्य सुनिश्चित करें।

जीवन दर्शन

कल्पना और ज्ञान से जन्म लेती हैं नई संभावनाएं

जब कल्पना और ज्ञान साथ-साथ चलते हैं, तभी नई संभावनाएं जन्म लेती हैं। कभी-कभी एक छोटा-सा विचार या असफलता नया रास्ता दिखा देती है। अपने ज्ञान पर विश्वास होना अच्छी बात है, पर यह मान लेना कि हम सब कुछ जानते हैं, पतन की शुरुआत है।

विज्ञान का अर्थ केवल प्रयोगशालाओं, समीकरणों या उपकरणों तक सीमित नहीं है, विज्ञान वास्तव में जीवन को समझने की एक गहरी मानवीय यात्रा है। विज्ञान लगातार एक पतली रस्सी पर चलने जैसा है, अंधविश्वास व जिज्ञासा के बीच, विशेषज्ञता और रचनात्मकता के बीच, पूर्वाग्रह और खुलेपन के बीच। यही संतुलन विज्ञान को जीवंत बनाता है।

लोकतांत्रिक ढांचे में व्यक्तिगत इच्छा सर्वोपरि तो होती है, लेकिन वह सामाजिक इच्छा यानी राज्य की मर्यादाओं से बंधी होती है। स्वतंत्रता की असली परीक्षा भी यही है कि एक व्यक्ति अपनी मर्जी का मालिक तब तक है, जब तक उसकी गतिविधियों से किसी दूसरे के जीवन या संपत्ति को कोई आंच न आए। इस मर्यादा को आत्मसात करने वाला व्यक्ति ही जन्मजात लोकतंत्रवादी कहलाता है, क्योंकि वह नियमों और कानूनों का पालन किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपनी सहज इच्छा से करता है।

जीवन भी कुछ ऐसा ही है। हम अनुभवों के सहारे आगे बढ़ते हैं, परंतु जरूरी नहीं कि हर अनुभव अंतिम सत्य ही हो। विज्ञान हमें सिखाता है कि आज जो सत्य है, हो सकता है कल वह सवालों के घेरे में आ जाए। इस अनिश्चितता को स्वीकार करना ही वैज्ञानिक सोच की पहली शर्त है। जब हम अपने विश्वास को ही अंतिम मान लेते हैं, तब विकास रुक जाता है। विज्ञान में विशेषज्ञता जरूरी है, पर केवल वही एकमात्र शर्त नहीं है। रचनात्मकता के बिना खोज असंभव है। इतिहास गवाह है कि महान वैज्ञानिक उपलब्धियां अक्सर उन लोगों ने कीं, जिन्होंने अपनी सीमाओं से बाहर जाकर सोचने का साहस दिखाया। जब कल्पना और ज्ञान साथ-साथ चलते हैं, तभी नई संभावनाएं जन्म लेती हैं। पूर्वाग्रह विज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु है।

खुलेपन का अर्थ है, गलत होने की संभावना को स्वीकार करना। जब हम दूसरों को सुनने, समझने और उनसे सीखने के लिए खुले रहते हैं, तभी आगे बढ़ते हैं। कभी-कभी एक छोटा-सा विचार या एक असफलता हमें नया रास्ता दिखा देती है। महत्वाकांक्षा विज्ञान को आगे बढ़ाती है, लेकिन वह यदि संवेदनहीन हो जाए, तो विनाशकारी भी बन सकती है। इसलिए विज्ञान को केवल उत्साह से नहीं, बल्कि गहरे समर्पण और नैतिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। अपने ज्ञान पर विश्वास होना अच्छी बात है, लेकिन यह मान लेना कि हम सब कुछ जानते हैं, पतन की शुरुआत है।

विज्ञान और जीवन, दोनों ही भूत, वर्तमान और भविष्य के बीच चलने वाले निरंतर संवाद हैं। यह ऐसी यात्रा है, जहां निश्चितताएं कम हैं, पर संभावनाएं अनंत हैं। और इन्हीं संभावनाओं में सृजन है, विकास है और भविष्य की आशा छिपी हुई है।

हेनरिक रोहरर

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

सन्न्यासम, कर्मणाम, कृष्ण, पुनः, योगम, च, शंससि,
यत, श्रेयः, एतयोः, एकम, तत, मे, ब्रूहि,
सुनिश्चितम॥

भावार्थ

हिन्दी अनुवाद- हे कृष्ण! आप कर्मों के सन्यास अर्थात् कर्म छोड़कर आसन लगाकर कान आदि बन्द करके साधना करने की और फिर कर्मयोग की अर्थात् कर्म करते करते साधना करने की प्रशंसा करते हैं इसलिए इन दोनों में से जो एक मेरे लिए भली भांति निश्चित कल्याणकारक साधन हो उसको कहिये।

घने कोहरे के बीच भी एयरपोर्ट पर अब सुरक्षित हो रहा विमान संचालन

केट-2 प्रणाली के बाद एक भी उड़ान नहीं हुई डायवर्ट

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। देर आए दुरुस्त आए, जहां पिछले साल भी नवंबर से लेकर जनवरी अंत तक घने कोहरे की वजह से अनेक उड़ाने भोपाल आने के बाद ग्राउंड हो गई और अनेक उड़ाने कम फिजीबिलिटी की वजह से डायवर्ट कर दी गई, वहीं राजा भोज विमानतल के इतिहास में ऐसा पहला सर्दी का मौसम है, जहां अभी तक एक भी उड़ान कम दृश्यता की वजह से डायवर्ट नहीं हुई है, इस कमाल के पीछे है हाल ही में विमानतल पर स्थापित केट-2 प्रणाली, जिसके चलते अत्यंत ही कम रोशनी में भी 350 मीटर की अल्प दूरी पर विमानों की आसान लैंडिंग संभव हो पा रही है। मंगलवार की रात में हुई जोरदार बरसात के बावजूद बैंगलुरू दिल्ली व मुंबई की तीनों उड़ानों को इसलिए डायवर्ट नहीं किया गया, क्योंकि केट-2 प्रणाली ने मदद की।

यात्री अधिक सुरक्षित

इससे पूर्व होता यह था कि जब भी उड़ान भोपाल के ऊपर पहुंचती थी, तब या तो फ्लाइट को आस पास के विमान तल खासतौर पर नागपुर की तरफ डायवर्ट करना होता था, वरन कम दृश्यता के चलते विमान की लैंडिंग को खतरा बना रहता था ऐसे में यात्रियों की जान को भी जबरदस्त जोखिम की आशंका बनी रहती थी, परन्तु जब से विमान तल अत्याधुनिक तकनीकी केट-2 से लैस हुआ है, उसके बाद यात्रियों की सुरक्षा भी पहले से कहीं अधिक पुख्ता हुई है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी बताते हैं कि अब भोपाल एयरपोर्ट प्रतिकूल मौसम में भी उड़ान सुरक्षा, परिचालन निरंतरता तथा यात्रियों को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

200 मीटर पहुंची दृश्यता

एयरपोर्ट अर्थारिटी आफ इंडिया की जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि पिछले दिनों राजा भोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, भोपाल पर घने कोहरे की स्थिति बनी रही, जिसके कारण दृश्यता घटकर लगभग 200 मीटर तक पहुंच गई। केट-2 मानक संचालन प्रक्रिया एसओपी के अनुरूप सर्वप्रथम सेफगार्डिंग प्रक्रियाएं लागू की गईं तथा तत्पश्चात लो विजिबिलिटी प्रोसीजर एलवीपी सक्रिय किया गया, जिससे सुरक्षित विमान परिचालन सुनिश्चित किया जा सके। कम दृश्यता की अवधि के दौरान प्रातः 07.15 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक केट-2 आइएलएस प्रणाली का प्रभावी उपयोग किया गया, जो इस अवधि में उड़ान सुरक्षा बनाए रखने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों के बावजूद सभी उड़ान संचालन सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संपन्न हुए तथा किसी भी उड़ान को डायवर्ट या रद्द नहीं करना पड़ा। आधी रात के बाद जब पुणे से भोपाल के बीच चलने वाली इंडिगो की उड़ान के लिए घना कोहरा मुश्किलभरा साबित होता है, उसके बाद भी पिछले दिनों में एक बार भी पुणे उड़ान को कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा है। इधर अगर दिल्ली में घरा कोहरा होने से अगर कोई उड़ान रद्द कर दी जाए, तो बात अलग है, पर अगर एक बार दिल्ली से एयर इंडिया हो या इंडिगो की फ्लाइट ने उड़ान भरी, तो उसके लिए अब मप्र ही नही मध्य भारत में भोपाल का राजा भोज एयरपोर्ट अत्यंत ही सुरक्षित विमानतल है।

घने कोहरे का दौर

गणतंत्र दिवस के दो दिन पहले से ही भोपाल एक बार फिर घने कोहरे की चपेट में आ गया है कभी कम तो कभी अधिक, सुबह 5.30 से लेकर 8 बजे तक तो कोहरा रहता ही है, बाद में जाकर मौसम करवट बदलता है, लेकिन सुबह 8 बजे तक इंडिगो की दिल्ली से दो एवं मुम्बई से आने वाली किसी भी उड़ान को कम रोशनी के कारण डायवर्ट करने की नौबत नहीं आई है।

छह दशक पुराने स्टेशन के फुट ओवर ब्रिज के दिन हुए पूरे

शुक्रवार से टूटेगा, अब नए ब्रिज से होगा आवागमन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। लगभग 60 साल पूर्व बनाए गए बैरागढ़ स्टेशन के फुट ओवर ब्रिज में समय-समय पर बदलाव तो किया गया, लेकिन इसकी लंबाई एवं चौड़ाई का कभी विस्तार नहीं हुआ। प्लेटफार्म एक से दो तक सीमित इस फुट ओवर ब्रिज के अब दिन पूरे हो गए हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 6 अगस्त 2023 को आन लाइन दिल्ली से नाम परिवर्तित हुए बैरागढ़ के स्थान पर संत हिरदाराम नगर स्टेशन के पुनर्विकास के भूमि पूजन के बाद हुए विस्तार एवं नए निर्माण के बाद जहां धोबी घाट की तरह से नए फुट ओवर ब्रिज का निर्माण चारों प्लेटफार्म तक किया गया है, वहीं राजधानी का सबसे बड़ा 12 मीटर चौड़ा एक अन्य फुट ओवर ब्रिज भी बन रहा है, जो पार्किंग कॉम्पलेक्स के भीतर से चारों प्लेटफार्मो को जोड़ेगा। इसके आगामी छह माह के भीतर पूरा किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बहरहाल नए फुट ओवर ब्रिज के निर्माण के बाद अब पुराने फुट ओवर ब्रिज की चूंकि उपयोगिता नहीं रह गई है, ऐसे में उसे शुक्रवार से तोड़ने का निर्णय लिया गया है। रेलवे सूत्रों के अनुसार इसमें कुछ दिन का समय लगेगा लेकिन रेल यातायात प्रभावित नहीं होगा।

एक्सेलेटर व लिफ्ट लगेगी

छह दशक पुराने फुट ओवर ब्रिज को हटाकर उसके स्थान पर एक्सेलेटर एवं लिफ्ट लगाए जाने की योजना है, जिसके लिए भी काम प्रारंभ कर दिया गया है। हालांकि धोबीघाट दिशा से बनाया गया नया फुट ओवर ब्रिज अधिक ऊंचा होने के साथ ही उसकी सीढ़ियां भी अधिक हैं, लेकिन जब तक एक्सेलेटर एवं लिफ्ट का निर्माण नहीं हो जाता, तब तक विकलांग एवं बुजुर्गों को इसी फुट ओवर ब्रिज का इस्तेमाल करना होगा।

गणतंत्र दिवस पर विधायक खत्री ने उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षक महेश नागर को किया सम्मानित

बैरसिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में बैरसिया विधायक विष्णु खत्री द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला गुनगा के प्राथमिक शिक्षक महेश नागर को उनके सराहनीय एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विधायक खत्री ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ऐसे समर्पित शिक्षकों का सम्मान अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा देता है। महेश नागर द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचार, विद्यार्थियों के प्रति समर्पण एवं सतत प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उन्हें यह सम्मान दिया गया। सम्मान प्राप्त होने पर नागर ने इसे अपने विद्यालय, विद्यार्थियों और सहयोगी शिक्षकों का सहयोग बताते हुए भविष्य में भी और बेहतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जरूरतमंदों की सेवा को हर स्कूल से ज्यादा प्राथमिकता: डॉ. मैथ्यूज

ग्रुप आफ क्राईस्ट ने गर्म कपड़े, जूते एवं शिक्षा सामग्री की वितरित

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। जहां एक और अधिकांश निजी शिक्षण संस्थाएं व्यवसायिक रूप लेती जा रही हैं और आए दिन अभिभावक सुविधाएं कम तथा फीस अधिक की शिकायत करते हैं, वहीं कुछ ऐसी शिक्षण संस्थाएं भी हैं, जो पढ़ाई के साथ बच्चों को अच्छे संस्कारों के साथ-साथ जरूरतमंदों की मदद को भी अपनी प्राथमिकताओं में रखती हैं। अगर बात की जाए केवल संत हिरदाराम नगर की तो जहां स्वामी हिरदाराम के आशीर्वाद से शहीद हेमू कालानी एज्यूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं ने कम शुल्क पर अच्छी शिक्षा की बहुत बड़ी जरूरत को पूरा किया है और खासतौर पर वर्तमान में सोसायटी के सचिव घनश्याम बूलचंदानी के नेतृत्व में मिठी गोविंदराम एवं नवनिध स्कूल अधिक ऊर्जा से काम कर रहे हैं, वहीं यहां की 50 साल पूर्व स्थापित की गई पहली अंग्रेजी माध्यम की शिक्षण शाला क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल भी पूरी तरह से वटवृक्ष का रूप ले चुकी है। इसकी स्थापना जहां जाने-माने समाज सेवी डॉ. डेनियल मैथ्यूज ने की थी, वहीं उसकी परंपराओं एवं विराज को आगे बढ़ाने का काम अब डॉ. मैनिज मैथ्यूज कर कर रहे हैं।

संस्कार जरूरी : क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल जिसने अब तीन स्कूलों का रूप ले लिया है और नाम बदलकर ग्रुप आफ क्राइस्ट मेमोरियल रख दिया गया है, बच्चों को इस बात की भी शिक्षा की जा रही है कि किस तरह से जरूरतमंदों की सहायता की जाए।

मंडीदीप के आर्यन ने कुश्ती में जीता रजत पदक

मंडीदीप। उज्जैन में आयोजित खेलो एमपी यूथ गेम्स 2026 के राज्य स्तरीय मुकाबलों में मंडीदीप के होनहार पहलवान आर्यन कीर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुश्ती फ्री स्टाइल 74 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक हासिल कर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता के दौरान आर्यन कीर ने प्रदेश के कई शीर्ष और अनुभवी पहलवानों को कड़े मुकाबलों में पराजित करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। उनके दमदार दांव-पेंच, तकनीकी कुश्ती और मजबूत फिटनेस ने दर्शकों और निर्णायकों को खासा प्रभावित किया।

SUDOKU 132

	4							
2			7		8	3		
8	7				6			5
1							4	
4			1		9			6
	6							7
5			2				7	9
		6	8		1			4
							5	

SOLUTIONS 131

3	7	4	1	8	2	9	6	5
9	6	2	3	4	5	7	8	1
5	1	8	9	6	7	2	3	4
7	5	3	6	2	1	8	4	9
4	2	6	8	7	9	5	1	3
8	9	1	4	5	3	6	2	7
2	4	5	7	1	6	3	9	8
6	8	9	5	3	4	1	7	2
1	3	7	2	9	8	4	5	6

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन आर्थिक मामले के हिसाब से बहुत ही अच्छा रहेगा, करियर और कारोबार में आज आपको बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे।

वृषभ : आज का दिन करियर और काम काज के लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है, आज आपका कोई बड़ा सपना पूरा हो सकता है।

मिथुन : आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है, धार्मिक कार्यों में शामिल होने का मौका मिलेगा, बड़े बुजुर्गों की सलाह आपके काम आएगी।

कर्क : आज का दिन आपकी मेहनत के हिसाब से बहुत ही अच्छा रहने वाला है। कारोबार में फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है। बच्चों की तरफ से खुशखबरी प्राप्त होगी।

सिंह : आज का दिन बहुत ही अनुकूल रहने वाला है, चंद्रमा गोचर से आपके जीवन में सीधा प्रभाव पड़ेगा, इसमें आपकी बिगड़े हुए काम धीरे-धीरे बनेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या : पुरानी समस्याओं की वजह से आपको थोड़ी समस्या उठानी पड़ सकती हैं, कारोबार के लिए दिन अच्छा रहने वाला है।

तुला : आज का दिन आर्थिक मामलों में बहुत ही अच्छा रहने वाला है, पिछले कुछ समय से चल रही समस्याएं धीरे-धीरे समाप्त होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक : आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है, आज आपके रुके हुए कार्यों की वजह से परेशान होना पड़ सकता है, घर परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। वाहन सुख में वृद्धि होगी।

धनु : आज आप पुरानी समस्याओं से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे, आज आपको किसी अपने से बड़ी मदद मिल सकती है।

मकर : आज का दिन आर्थिक लिहाज से बहुत ही अच्छा रहेगा, आज आपको बिजनेस में कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है।

कुंभ : माता-पिता के आशीर्वाद से आज आप कोई बड़ा सपना पूरा कर सकते हैं, नई योजनाओं पर कार्य शुरू करने का प्लान बना सकते हैं।

मीन : आज का दिन मिला-जुला रहेगा, आज आपको कुछ बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, छोटी सी लापरवाही आपको बड़ा नुकसान दे सकती है।

आज का पंचांग: 29 जनवरी गुरुवार 2026। **दिशाशूल :** दक्षिण दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्योहार :** जया एकादशी। **भद्रा :** दोपहर 01 बजकर 56 मिनट तक। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु माघ मास शुक्ल पक्ष एकादशी, तत्पश्चात द्वादशी रोहिणी नक्षत्र, तत्पश्चात मृगसिरा नक्षत्र ऐंद्र योग, तत्पश्चात वैधृति योग वृष में चंद्रमा 18 घंटे 31 मिनट तक तत्पश्चात मिथुन में।

सेवादल कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक आज

जागरण संवाददाता औबेदुल्लागंज। स्थानीय जेवी गार्डन में गुरुवार कांग्रेस सेवादल की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन रखा गया है, जिसमें जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सहित सभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है। बैठक में सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव जिला अध्यक्ष देवेंद्र पटेल जिला प्रभारी शैलेंद्र पटेल एवं रायसेन जिले के चारों विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं सभी संगठन मोर्चा के अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे। किसान कांग्रेस सेवादल जिला अध्यक्ष मेघराज चौहान, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष इमारत सिंह दरबार, किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष सूरजमल गौर, सेवादल अध्यक्ष मनोज खटीक ने सभी कांग्रेस परिवार जन से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में साथियों सहित पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

-: सार्वजनिक सूचना :-
(भूखण्ड क्रं. 263, सेक्टर-जी, एयरोसिटी चरण-1, गोंदरमऊ, भोपाल के संबंध में)

मेरे पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है श्रीमती मसरूर जहॉं पत्नी श्री अख्तर मोहम्मद खान निवासी-मकान नं. 124, अशोक कॉलोनी, नूर महल भोपाल के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का आवासीय भूखण्ड क्रं. 263, सेक्टर-जी, क्षेत्रफल 2324.16 वर्गफिट स्थित-भोपाल विकास प्राधिकरण की नगर विकास स्कीम ग्राम नरसिंहगढ़ रोड से बढ़वई पहुंच मार्ग "एयरोसिटी चरण-1" ग्राम गोंदरमऊ, तह. हुजूर, भोपाल नगर निगम के वार्ड क्रं. 01 में निम्नलिखित चतुर्थ सीमाओं का क्रय करने की सहमति मेरे पक्षकार से हो गई एवं निकट भविष्य में उक्त सम्पत्ति का पंजीयन कराया जाना है अतएव उक्त सम्पत्ति को विक्रय किये जाने में जिस किसी व्यक्ति (जन साधारण) बैंक, सोसायटी, संस्था, सहकारी समिति, शासकीय/अशासकीय विभागों को कोई आपत्ति हो या उक्त सम्पत्ति से कोई संबंध रखता हो या उक्त सम्पत्ति पर कोई लेनदारी या देनदारी हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय लिखित साक्ष्य मूल दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करें म्याद गुजारने के पश्चात मेरे पक्षकार उक्त वर्णित सम्पत्ति का सम्पूर्ण भुगतान कर विक्रय पत्र का पंजीयन करा लेवेंगे तथा बाद में कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। चतुर्थ सीमायेः-पूर्व में-भूखण्ड क्रं. 262, पश्चिम में-भूखण्ड क्रं. 264, उत्तर में-भूखण्ड क्रं. 276, दक्षिण में-रोड 7.50 मी. चौड़ा

इन्द्र कुमार दीनानी अधिवक्ता
शिवम् लॉ चेम्बर
39, भवानी चौक, पीरगेट भोपाल
मो. नं. 9755474700

-:जाहिर सूचना :-
भूखंड, स्थित ग्राम पिपलिया कुंजरगढ़, पटवारी हल्का छान, तह. कोलार, जिला भोपाल म.प्र.।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने 1. श्री रामकिशन अहिरवार, 2. श्री रामगोपाल अहिरवार, 3. श्री किशन, पुत्रगण श्री प्यारेलाल, 4. श्रीमति जीवनबाई पत्नि श्री श्यामलाल पुत्री श्री प्यारेलाल, 5. श्रीमति छुट्टन बाई पत्नि श्री प्रकाश अहिरवार, पुत्री श्री प्यारेलाल अहिरवार, निवासीगण ग्राम पिपलिया कुंजतगढ़, बंगरसिया, भोपाल के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा क्रमांक 66/1, के अंश भाग भूखंड 3437 वर्गफिट, (पूर्व दिशा लम्बाई 88.3 फिट, पश्चिम दिशा लम्बाई 84 फिट, उत्तर दिशा चौडाई 40 फिट, दक्षिण दिशा चौडाई 40 फिट, दिशायें उत्तर में-15 फिट रोड, दक्षिण में-अन्य की भूमि, पूर्व में विक्रेता का खाली प्लाट, पश्चिम में-विजय पांडे का प्लाट) अर्थात 319.42 वर्गमीटर है, जो ग्राम पिपलिया कुंजरगढ़, पटवारी हल्का छान, तह. कोलार, जिला भोपाल म.प्र. में है, जो विक्रेतागण के नाम पर दर्ज हैं। उक्त भूखंड क्रय करने का अनुबंध मेरे पक्षकार से किया है, जिसकी बयाना राशि का भुगतान कर दिया गया है। जिसके विक्रय पत्र का पंजीयन शीघ्र होना है। उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था बैंक, फर्म, सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय को कोई आपत्ति हो या उक्त संपत्ति कहीं दान, बंधक, गिरवी, हस्तान्तरण, विक्रय अनुबंध या किसी व्यक्ति या वारिस का अंश इत्यादि हो तो वह व्यक्ति अथवा संस्था इस सूचना प्रकाशन के 07 सात दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में दस्तावेज के लेकर उपस्थित होकर लिखित आपत्ति दर्ज करायें, तथा उक्त अवधि निकल जानें के उपरांत कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी, एवं मेरे पक्षकार द्वारा उक्त वर्णित संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा, ऐसी स्थिति में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवदीय सरिता शैर्या अधिवक्ता
Office:-Chitransh Enterprises(Chitransh Typing) Mandideep, Distt Raisen M.P.
मो-9425301684

कार्यालय राजस्व निरीक्षक ग्राम खजूरी कलाँ प.ह.नं.-100 नजूल वृत्त एम.पी. नगर भोपाल म.प्र.

क्रमांक/Q/रा.नि./2025-26 भोपाल दिनांक 15/01/2026
प्रकरण क्रमांक- 142/अ-12/2025-26

सूचना पत्र

1-श्रीमती मलिका निगम नागर W/o कमलचंद्र नागर 2-श्री धारू सिंह S/o ज्ञान सिंह ग्राम खजूरी कलां 7828554417 3-श्री विमला रघुवंशी पेट्रोल पंप ग्राम खजूरी कलां 4-श्री मिश्री लाल S/o सामन सिंह ग्राम खजूरी कलां 9425006228

विषय:-भूमि का सीमांकन करने बाबत्।
उपरोक्त विषयांतर्गत आवेदक मलिका निगम नागर पति कमलचंद्र नागर अरेरा कालोनी निवासी भोपाल, खजूरी कलां ने खसरा क्रमांक 553/2/1/1/1 रकबा 0.202 हे. स्थित ग्राम खजूरी कलां तहसील नजूल वृत्त एमपी नगर जिला भोपाल में सीमांकन हेतु आवेदन दिया था।
उपरोक्त भूमि का सीमांकन मेरे द्वारा दिनांक 02/02/26 को 01.00 PM बजे किया जाना निश्चित किया गया है। आपको पड़ोसी कृषक होने के कारण आपको सूचित किया जाता है कि आप सीमांकन के समय उपस्थित रहकर अपना पक्ष रख सकते हैं।
आपकी अनुपस्थिति की दशा में सीमांकन की कार्यवाही स्थगित नहीं की जावेगी।
नोट:- अपरिहार्य कारण कि वजह से तिथि में परिवर्तन किया जा सकेगा।

राजस्व निरीक्षक
नजूल वृत्त एम.पी. नगर जिला भोपाल

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्रीमती भगवती बघेल पत्नी श्री रमेश चंद बघेल आयु-वयस्क निवासी-एफ -21, द्वारका धाम, न्यू जेल रोड, हुजूर, भोपाल (म.प्र.)

यह कि विक्रेता के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य के एक किता आवासीय/व्यपवर्तित प्लाट क्रमांक 107, 'पनघट परिसर' सूरज नगर, ग्राम सेंवानिया गौंड, वार्ड क्रमांक 26, आम्बेडकर वार्ड, विकास खण्ड फन्दा, तह. हुजूर जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 893 वर्गफिट अर्थात् 82.99 वर्गमीटर है। जो कि जो कि खसरा क्रमांक 37/3/1 (एस) रकबा 0.3320 हेक्टेयर में से 0.2673 हेक्टेयर में है। उक्त प्लाट को इस विक्रय पत्र के माध्यम से सदैव-सदैव के लिए विक्रय किया जा रहा है। जिसकी चतुर्थ सीमाऐं निम्नानुसार हैं :-दिशा पूरब में -भूखण्ड क्रमांक 106, दिशा पश्चिम में-भूखण्ड क्रमांक 108, दिशा उत्तर में-रोड (रास्ता), दिशा दक्षिण में-अन्य की भूमि को क्रय करने हेतु अनुबंध कर बयाना राशि का भुगतान कर दिया है। यदि किसी भी प्रकार की आपत्ति हो या कोई लेन-देन अथवा अनुबंध हो तो वह आज दिनांक को प्रेषित जाहिर सूचना से 07 दिन की अवधि में मय दस्तावेज सहित मेरे कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समायावधि पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, दखल या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बाध्य नहीं होगी और मेरे पक्षकारगण उक्त भूमि की बकाया राशि भुगतान कर अनुबंध/विक्रय पत्र का पंजीयन अपने हित में करवाने के लिये स्वतंत्र होंगे।

प्रमोद बघेल (अधिवक्ता)
एस-197, नेहरू नगर भोपाल
मो. 9893055449

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई डी. नं. 1080200080 आवेदन क्रमांक-10820, आवेदन दिनांक-22/01/2026
क्रमांक 1124/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल दिनांक : 28/01/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की साकेत नगर योजना स्थित भूखण्ड क्र.-197, 2-सी, श्री ई.एल. खर्चे आ. स्व. श्री एन.जी. खर्चे के नाम पर अंकित है। आवंटी श्री ई.एल. खर्चे के मुख्तारआम, श्री बी.के. शुक्ला द्वारा उक्त भूखण्ड पर निर्मित फ्लेट नं.-एफ-1, प्रथम तल जिसका क्षेत्रफल 350 वर्गफुट का विक्रय दिनांक 28/03/2001, श्रीमती संध्या गुप्ता पत्नी स्व. श्री निर्मल सेन को किया गया। श्रीमती संध्या सेन द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र एवं पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर फ्लैट नं.-एफ-1, प्रथम-तल जिसका क्षेत्रफल 350 वर्गफुट का नामांतरण अपने नाम पर चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/ उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

कार्यालय संयुक्त संचालक पशुचिकित्सा सेवायें दुग्ध संपदा भदभदा भोपाल (म.प्र.)
Phone: 0755-2696827, email:- ddvsdairyestate@yahoo.co.in

क्रमांक 127 **निविदा सूचना** दिनांक 19-01-2026

संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी मध्यप्रदेश की ओर से शासकीय जर्सी पशु प्रजनन प्रक्षेत्र, दुग्ध संपदा, भदभदा, पर मक्का साईलेज प्रदाय हेतु e-procurement प्रणाली Portal http\\mptenders.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

स. क्र.	विवरण	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने का प्रारंभिक दिनांक	निविदा राशि रु.	धरोहर राशि रु.	निविदा की अंतिम तिथि
N.I.T/JD VSDAIRY/ 04/2026.	शासकीय जर्सी पशु प्रजनन प्रक्षेत्र भदभदा भोपाल पर मक्का साईलेज प्रदाय, परिवहन तथा गोदाम में भण्डारण हेतु निविदा आमंत्रण (आवश्यकतानुसार)	29.01.2026	2000 + (प्रोसेसिंग फीस)	रूपये 2,50,000 (रु. दो लाख पचास हजार मात्र) किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ. डी. आर. जिसकी वैधता दिनांक 31.03.2027 तक होना अनिवार्य है। धरोहर राशि ऑनलाईन mptenders.gov.in पर जमा की जानी है।	18.02.2026 शाम 6:00 बजे तक

1. निविदा प्रपत्र उक्त वर्णित वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं।
2. निविदा संबंधी समस्त जानकारी वेबसाईट पर अथवा कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।
3. निविदा का अनुमानित मूल्य रु. 01 करोड़ मात्र है।
4. निविदा में संशोधन ऑनलाईन पोर्टल पर देखा जा सकेगा।

संयुक्त संचालक,
पशु चिकित्सा सेवाएं
दुग्ध संपदा, भदभदा, भोपाल (म.प्र.)

जी-25003/25 पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यालय क्षेत्रसंचालक, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम, म.प्र.
Phone No. 07574-254394 (O) Fax, 07574-252133 E-mail: fdsatnp.hbd@mp.gov.in
Satpuda Tiger Reserve

सामग्री क्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना
473 19/1/26
ई - निविदा विज्ञप्ति

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत वर्ष 2025-26 विभिन्न योजना अंतर्गत परिक्षेत्रों में विभागीय कार्य में उपयोग हेतु Kerb Stone क्रय करने के लिए प्रदायकर्ताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दस्तावेज मध्यप्रदेश के www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनॉक से दिनॉक 10.02.2026 को सायं 05.00 बजे तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं।

क्र.	विवरण	
1	निविदा प्रपत्र की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र वेबसाइड www.mptenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2	निविदा प्रपत्र का मूल्य	500 /- रुपये (पांच सौ रुपये मात्र)
3	धरोहर राशि	9,000/-रुपये (नौ हजार रुपये मात्र)
4	निविदा प्रपत्र की ऑनलाईन उपलब्धता	www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनांक से
5	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनॉक 10.02.2026 को सायं 05:00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तिथी व समय	दिनांक 13.02.2026 को प्रातः 11:00 बजे

(ऋषिभा सिंह नेताम)
भा.व.से.
उपसंचालक
सतपुड़ा टाइगर रिजर्व
नर्मदापुरम

जी-24983/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बैतूल (म. प्र.)
दूरभाष (07141) कार्यालय 238320, Email- eephedbet@mp.nic.in

// निविदा आमंत्रण सूचना //

क्रमांक 153/लेखा/का.यं./लोस्वायांवि.खंड/बैतूल/दिनांक 23.01.2026

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल https://mptenders.gov.in बैतूल जिले के विभिन्न विकासखंडों के विभिन्न ग्रामों निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा, प्रतिशत दर पर निम्नानुसार आमंत्रित की जाती हैं:-

स. क्र.	निविदा सूचना क्रमांक व दिनांक	ऑनलाईन ई-टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	एस.ओ. आर.	कार्यपूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	55/2025-26/ Dt. 23.01.2026	2026_PHED_473556_1	Drilling of 50 Nos.Combination 350/150mm Dia Gravel Packed Tube Well	138.00	138000	12500	SOR 01/9/2023	03 माह	नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली
ऑनलाईन निविदा विक्रय की प्रारम्भिक तिथि व समय				:-	23.01.2026	11.00	बजे से		
ऑनलाईन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि व समय				:-	02.02.2026	17.30	बजे तक		
ऑनलाईन निविदा खोलने की संभावित तिथि व समय				:-	04.02.2026	11.00	बजे से		

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाईट पर (Online System) ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। आवश्यक होने पर निविदा से संबंधित समस्त शुद्धिपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर जारी किये जायेंगे।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड
बैतूल (म.प्र.)

जी-24991/25 बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

किसानों की सालभर की मेहनत पर फिरा पानी, बदले मौसम ने पहुंचाई भारी क्षति

ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से रबी फसलें बर्बाद, गेहूं-चना खेतों में बिछे

ओलावृष्टि से शाजापुर में खेत में बिछी गेहूं की फसल

विदिशा: फसल पर गिरे ओले, खेतों में भराया पानी

बड़ी-बड़ी बूंदों के साथ बारिश के अलावा ग्रामीण क्षेत्र में ओलों ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। रुक-रुक हुई इस बेमौसम तेज बारिश के साथ ओले भी बरस पड़े कहीं महुआ आकार के तो कई बेर बराबर ओलों से गांव की सड़कें, गलियां पट गई। खेतों में खड़ी चना, गेहूं, मसूर आदि फसलों को भी ओलों की मार झेलना पड़ी। वहीं ऐसे किसान जिन्होंने एक-दो दिन पूर्व ही फसल में पानी दिया था और इस बारिश के कारण उन खेतों में पानी भरा गया इससे फसलों पर संकट मंडरा रहा है। तेज हवा के कारण कुछ स्थानों पर पेड़ भी गिरे।

जागरण, प्रांतीय डेस्क। प्रदेश में अचानक बदले मौसम ने किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फेर दिया है। कई जिलों में तेज बारिश, आंधी और ओलावृष्टि से रबी फसलों को नुकसान पहुंचा है। कहीं गेहूं की फसल खेत में ही बिछ गई तो चना, प्याज और सब्जियों को भारी क्षति हुई है। किसानों का कहना है कि फसल पकने की स्थिति में थी, ऐसे में मौसम की मार से उत्पादन और गुणवत्ता दोनों पर असर पड़ेगा। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में पटवारी और कृषि अमले को सर्वे के निर्देश दिए हैं।

हरदा: 15 मिनट की ओलावृष्टि ने किया बर्बाद

जिले की हंडिया तहसील के एक दर्जन से अधिक गांवों में करीब 15 मिनट तक बेर के आकार के ओले गिरे, जिसने खेतों में खड़ी गेहूं, चना, सरसों और मक्का जैसी रबी फसलों को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। सोनतलाई, पांचातलाई, जामली, करनपुरा, कचबेड़ी, बिछोला, सेनगुड़, हनीफाबाद और डोमरी सहित करीब 5 किलोमीटर के दायरे में फसलें जमीन से बिछ गई। ओलावृष्टि का केंद्र रहे सोनतलाई गांव में ही लगभग 90 प्रतिशत फसल को नुकसान पहुंचा है।

सागर: तूफान जैसा आया मावठ, 22.6 मिमी बारिश

सागर में रात करीब 1 बजे बादलों की गड़गड़ाहट और बिजली की चमक के बीच रिमझिम पानी गिरना शुरू हो गया। बारिश के साथ ही कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हुई। तकरीबन 3 घंटे की अवधि में ही 22.6 मिलीमीटर बारिश सागर में रिकॉर्ड की गई। इस दौरान बिजली की चमक ने लोगों को हैरान कर दिया। करीब 39 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।

देवास, शाजापुर, उज्जैन में भी फसलों पर असर

ओलावृष्टि के कारण उज्जैन और रतलाम में कई जगह खेत में गेहूं की फसल आड़ी हो गई। इसके अलावा देवास जिले की सोनकच्छ, हाटपीपल्या और अन्य तहसीलों में फसलों को नुकसान की खबर है। शाजापुर जिले में गेहूं की लहलहाती फसलें अब खेतों में बिछ गई हैं। खंडवा जिले में स्थिति ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। पुनासा ब्लॉक के आधा दर्जन गांवों में चना आकार के ओले गिरने से गेहूं और चना की फसल प्रभावित हुई है। संयुक्त कृषक संगठन के अनुसार, गेहूं में 20 से 25 प्रतिशत और चना में फूल झड़ने से 50 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। खरगोन जिले के भीकनगांव, कसरावद, महेश्वर, बड़वाह और सनावद क्षेत्रों में तेज हवा के साथ बारिश और ओलावृष्टि हुई। कई गांवों में गेहूं की फसल आड़ी हो गई है। किसानों का दावा है कि 40 प्रतिशत तक फसलखराब हुई है।

स्कूल में 20 बच्चों की तबीयत बिगड़ी, मची अफरा-तफरी

जागरण, उमरिया। जिले के करकेली विकासखंड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जरहा में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक के बाद एक 20 विद्यार्थियों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्चों को बुखार, उल्टी-दस्त की शिकायत होने लगी। स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और अभिभावकों में चिंता फैल गई। स्कूल प्रबंधन ने तुरंत स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बच्चों का इलाज शुरू किया। स्वास्थ्यकर्मियों के अनुसार अब बच्चों की हालत सामान्य बताई जा रही है।

दरअसल, पूरा मामला जिले के करकेली विकासखंड के जरहा ग्राम का है। जहां हायर सेकंडरी स्कूल में दर्जनों बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद एंबुलेंस की मदद से 9 से 10 बच्चो को जिला चिकित्सालय लाया गया। वहीं 15 से 20 बच्चों को घुलघुली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम समेत स्वास्थ्य अमला मौके पर पहुंच गया। अविभावकों ने आरोप लगाया कि 26 जनवरी पर स्कूल में बूंदी खाने से बच्चो की तबीयत बिगड़ गई।

एमडी-स्मैक समेत 5 करोड़ का माल जब्त, तीन गिरफ्तार, सरगना फरार

आगर मालवा पुलिस ने राजस्थान में ड्रग फैक्ट्री पर की कार्रवाई

जागरण, आगर मालवा। मप्र की पुलिस ने नशे के कारोबार पर कड़ा प्रहार किया है। प्रदेश के आगर मालवा पुलिस ने राजस्थान में ड्रग फैक्ट्री पर छापामार कार्रवाई की है। इस ऑपरेशन में नशीले पदार्थ समेत करीब पांच करोड़ रुपए का माल जब्त किया गया है। तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। कार्रवाई को राजस्थान की झालावाड़ पुलिस के साथ मिलकर अंजाम दिया गया। आगर-मालवा एसपी विनोद कुमार सिंह ने ऑपरेशन की जानकारी देते हुए बताया कि 20 जनवरी को सुसनेर के पास ड्रग पैडलर फैजान को पकड़ा था, उसके पास से 33 लाख रुपए कीमत की 330 ग्राम एमडी ड्रग मिली थी। फैजान ने बताया था कि वह राजस्थान के झालावाड़ में घाटाखेड़ी निवासी ताहिर खान से ड्रग्स लाता था। ताहिर अपने घर में ड्रग्स बनाने का काम करता है। इस इनपुट पर कोतवाली और झालावाड़ पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई। इसमें कुल 80 पुलिसकर्मी शामिल किए गए। 27 जनवरी की रात घाटाखेड़ी में ताहिर खान के घर पर छापा मारा गया। घर के बाहर ताला लगा था। ताला तोड़कर पुलिस अंदर पहुंची तो ताहिर के पिता शाहीर खान और काका मुनव्वर खान ड्रग्स छिपाते मिले। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी ताहिर फिलहाल फरार हैं।

बिजनेस प्लस

संदीप एस. परांजपे ने वेकोलि में किया निदेशक का पदभार ग्रहण

नागपुर। वेकोलि में बुधवार को संदीप एस. परांजपे ने निदेशक (तकनीकी/ परियोजना एवं योजना) का पदभार ग्रहण किया। श्री परांजपे के वेकोलि आगमन पर वेकोलि के निदेशक (मानव संसाधन) डॉ. हेमंत शरद पांडे ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया।

श्री परांजपे ने वर्ष 1991 में श्री रामदेवबाबा कमला नेहरू इंजीनियरिंग कॉलेज, नागपुर विवि से माइनिंग इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है तथा उन्हें कोयला खनन क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का समृद्ध एवं व्यापक अनुभव प्राप्त है। पाथाखेड़ा एवं सावनेर में 16 वर्षों के भूमिगत खनन अनुभव के साथ-साथ उन्होंने प्रबंधन, भूमि अधिग्रहण, परियोजना क्रियान्वयन, उत्पादन, खान नियोजन, कोयला गुणवत्ता तथा माइन क्लोज़र जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में गहन विशेषज्ञता अर्जित की है। वेकोलि में निदेशक (तकनीकी / परियोजना एवं योजना) का दायित्व संभालने से पूर्व, उन्होंने एसईसीएल के सोहागपुर क्षेत्र में क्षेत्रीय महाप्रबंधक तथा तत्पश्चात सीएमडी, एसईसीएल के विशेष कार्य अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए कंपनी को महत्वपूर्ण संचालनात्मक एवं रणनीतिक योगदान प्रदान किया। श्री परांजपे के द्वारा निदेशक (तकनीकी / परियोजना एवं योजना) का पदभार ग्रहण पर सभी विभागों के विभागाध्यक्षों तथा अधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

एनबीसीसी ने मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

नई दिल्ली। एनबीसीसी ने नई दिल्ली के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में 77वें गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया। आयोजन का शुभारंभ केपी महादेवास्वामी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी द्वारा राष्ट्रीय तिरंगे को फहराने के साथ किया। इस अवसर पर अंजीव कुमार जैन, निदेशक (वित्त), वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय गान गाया गया। सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी ने स्वतंत्रता को प्राप्त करने हेतु किए गए बलिदानों को याद किया तथा विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए समर्पण और निष्ठा के साथ निरंतर कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और गुणवत्ता एवं सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने 77वें गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर भारत के संविधान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की भी पुनः पुष्टि की। अपने संबोधन का समापन उन्होंने तीन जोशपूर्ण नारों 'जय हिंद!', 'भारत माता की जय!' तथा 'वंदे मातरम!' के साथ किया।

क्रिश्चियन कॉलेज को हाईकोर्ट से राहत

जागरण, इंदौर। हाईकोर्ट इंदौर खंडपीठ ने इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज को बड़ी राहत दी है। न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा की एकलपीठ ने कलेक्टर द्वारा पारित आदेश के प्रभाव और क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी है। कॉलेज की ओर से दायर याचिका में तर्क दिया कि कलेक्टर ने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता के अनुसार कॉलेज मप्र भू-राजस्व संहिता की धारा 181 और 182 के तहत 'भूमिस्वामी' नहीं है, इसके बावजूद कलेक्टर ने आदेश जारी कर दिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
जोन क्रमांक-05, यांत्रिक विभाग

निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र

क्र. 60/यां.वि/2026 | भोपाल, दिनांक 23/01/2026

निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेंटेज मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर.	कार्य की अवधि
1.	2025_UAD_464701_2	Construction of Drain and C. C. Road Work at Fizu Bhai House to Shafiq Bhai House and Rashsu Bhai Vakil Wale Gali Imami Gate and C. C. Road and Drain Thele Wali Road to Shabd Press Noor Mahal Road and Shanu Bhai House in Ward No. 09, Zone No.05	8,46,359	8,464	2,000	MPUADD BUILDING AND ROADS AND BRIDGES ISSR 2021	01 माह
2.	2026_UAD_478035_1	Construction of Nallah and C. C. Road Work at Infront of Umar Shadi Hall Gali No.01 to Amir Bhai Wali Gali in Ward No. 09, Zone No.05	9,35,619	9,356	2,000	MPUADD BUILDING AND ROADS AND BRIDGES ISSR 2021	01 माह
3.	2026_UAD_478039_1	Construction of Shade Near Shahi Kabristan Islami Gate Road in Ward No.09, Zone No.05	3,55,246	3,552	2,000	MPUADD BUILDING ISSR 2021	01 माह

नियम व शर्तें:-
1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. किसी भी निविदा के स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा।

नि. क्र. 3047/025/026

सहायक यंत्री (सिविल)
जोन क्र.-05
नगर निगम, भोपाल

अमेजन 16 हजार कर्मचारियों को निकालेगी

2023 के बाद सबसे बड़ी छंटनी: कुल 30,000 ऑफिस वर्कर्स की छंटनी करने की तैयारी

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने बुधवार को 16,000 और कर्मचारियों की छंटनी करने का एलान किया है। यह पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुई रीस्ट्रक्चरिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उस समय कंपनी ने 14,000 पदों को खत्म करने की बात कही थी, लेकिन अब कुल छंटनी का आंकड़ा बढ़कर 30,000 हो गया है। अमेजन की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट बेथ गैलेटी ने एक बयान में कहा कि इन नौकरियों में कटौती का मकसद मैनेजमेंट की लेयर्स को कम करना, जिम्मेदारी बढ़ाना और कंपनी के भीतर ब्यूरोक्रेसी को खत्म करना है। कंपनी चाहती है कि उसके कर्मचारी तेजी से फैसले ले सकें और ग्राहकों के लिए नए इनोवेशन करने की क्षमता बढ़ा सकें।

2023 में निकाले थे 27 हजार कर्मचारी

अमेजन में कोरोना महामारी के बाद 2022-2023 में हुई 27,000 कर्मचारियों की छंटनी के बाद यह सबसे बड़ी कटौती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह छंटनी मुख्य रूप से अमेजन के कॉर्पोरेट और ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारियों को प्रभावित करेगी। अमेजन के दुनिया भर में करीब 3.5 लाख ऑफिस कर्मचारी हैं, जिनमें से लगभग 10 प्रतिशत यानी 30,000 लोगों को नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। कंपनी ने साफ किया है कि उसके वेयरहाउस और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क में काम करने वाले 15 लाख कर्मचारियों पर इस कटौती का कोई असर नहीं होगा।

एआई में निवेश के कारण बदली रणनीति

अक्टूबर में जब पहली बार छंटनी की खबरें आई थीं, तब कंपनी ने इस पर कमेंट करने से मना कर दिया था। जानकारों का कहना है कि अमेजन अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अपना निवेश तेजी से बढ़ा रही है। कंपनी अपनी वर्कफोर्स को इसी हिसाब से एडजस्ट कर रही है। बुधवार को कंपनी ने कहा कि हर टीम लगातार अपनी क्षमता का मूल्यांकन करेगी और जहां जरूरत होगी, वहां बदलाव किए जाएंगे। अमेजन ने अभी यह साफ नहीं किया है कि किस विभाग से कितने लोग निकाले जाएंगे। कंपनी 6 फरवरी 2025 को अपने पूरे साल के वित्तीय नतीजे पेश करेगी। इसी दौरान एक लाइव कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए छंटनी और भविष्य के प्लान को लेकर और अधिक जानकारी दी जा सकती है।

सरकार की रिपोर्ट: पहली बार बिजली कंपनियों ने कमाया मुनाफा

देश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के प्रदर्शन में वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बिजली मंत्रालय की 14वीं वार्षिक एकीकृत रेटिंग और रैंकिंग रिपोर्ट के मुताबिक, बिजली वितरण क्षेत्र ने पहली बार अखिल भारतीय स्तर पर लाभ दर्ज किया है और साथ ही एग्रीगेट टेक्निकल एंड कमर्शियल (एटीएंडसी) घाटों में भी कमी आई है।

- 2,701 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है रेटिंग में शामिल बिजली वितरण कंपनियों ने 2024-25 में टैक्स के बाद
- 2023-24 में इस सेक्टर को 27,022 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।
- 16 फीसदी थे, वर्ष 2023-24 में एटीएंडसी घाटे
- 15 फीसदी रह गए 2024-25 में
- 87 फीसदी से बढ़कर 87.6 फीसदी हुई घटकर बिलिंग दक्षता
- 96.6 फीसदी से बढ़कर 97 फीसदी पर पहुंची कलेक्शन एफिशिएंसी

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

487 ▲ 82,344

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Bharat Elec	457.50	8.91%
ONGC	269.65	8.32%
Coal India	445.95	5.00%
Eternal	267.20	4.90%
Hindalco	1,007.90	3.78%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
TATA Cons. Prod	1,192.70	-4.68%
Asian Paints	2,548.50	-4.23%
Maruti Suzuki	15,294.00	-2.41%
Max Healthcare	979.00	-1.73%
Sun Pharma	1,649.30	-1.73%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	91.780
€ यूरो	110.05
¥ येन	0.6014
£ पौंड	126.58

टाटा को अगले साल में 30 फीसदी ग्रोथ की उम्मीद

मुंबई, जेएनएन। टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स जो भारत की सबसे बड़ी प्योर-प्ले इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी है और नई पार्लियामेंट बिल्डिंग, अयोध्या मंदिर और मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के डिजाइन के पीछे की फर्म है, को अगले फिस्कल ईयर में रेवेन्यू में 30 फीसदी की बढ़ोतरी की उम्मीद है, जो इस साल के संभावित 3,000 करोड़ से ज्यादा है। 1962 में जेआरडी टाटा ने यूएस की इबास्को कंसल्टिंग, जो जनरल इलेक्ट्रिक की सब्सिडियरी है, के साथ 50-50 जॉइंट वेंचर के तौर पर इसे शुरू किया था। शुरुआत में इसके चेयरमैन न्यूक्लियर साइंटिस्ट होमी भाभा और बाद में विक्रम साराभाई थे। टाटा ग्रुप की यह कम जानी-मानी कंपनी पावर, हाइड्रोकार्बन, मेटल और माइनिंग में बड़े डिजाइन के लिए जिम्मेदार रही है।

वोडाफोन आइडिया एजीआर का समाधान अहम मोड़: बिड़ला

नई दिल्ली, जेएनएन। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने बुधवार को कहा कि एजीआर (एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू) मामले का हालिया समाधान वोडाफोन आइडिया के लिए एक अहम मोड़ है। बिड़ला ने 2025-26 के लिए एक सालाना सोच नोट में यह भी कहा कि एजीआर मामले में सरकारी दखल से कंपनी को काफी राहत मिली है और ऑपरेटिंग माहौल पूरी तरह से बदल गया है। बिड़ला ने कहा, एक सेक्टर जिसने दो दशकों से ज्यादा समय से झटके और उतार-चढ़ाव देखे हैं, वह है टेलीकॉम। हमारा जॉइंट वेंचर, वोडाफोन आइडिया, इस तूफान के बीच खड़ा रहा है, और इंडस्ट्री के इतिहास में अनिश्चितता के सबसे लंबे समय में से एक को पार किया है। बीमार वोडाफोन आइडिया को डॉट को कोर्ट के आदेश के बाद डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशंस से उसके 87,695 करोड़ के एजीआर बकाए पर राहत मिली। डॉट से मंजूर रीपेमेंट प्लान के मुताबिक, टेल्को मार्च 2041 तक अपने एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू का बकाया किश्तों में चुकाएगी। भारत के तीसरे सबसे बड़े टेलीकॉम ऑपरेटर ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि वह मार्च 2026 से मार्च 2031 तक हर साल ज्यादा से ज्यादा 124 करोड़ का पेमेंट करेगी, इसके बाद मार्च 2032 से मार्च 2035 के बीच हर साल 100 करोड़ का पेमेंट करेगी। बाकी एजीआर का बकाया मार्च 2036 से मार्च 2041 तक छह सालों में बराबर सालाना किश्तों में चुकाया जाएगा। वोडाफोन आइडिया के प्रमोटर्स में से एक, बिड़ला ने यह भी दोहराया कि एजीआर मामले का हालिया समाधान एक अहम मोड़ है। बिरला ने कहा, माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले की स्पष्टता और सरकार के अहम दखल से लंबे समय से चली आ रही अनिश्चितता दूर होने से, ऑपरेटिंग माहौल पूरी तरह से बदल गया है। सालों में पहली बार, धुंध छंटी है, जिससे बिजनेस सिर्फ जिंदा रहने से आगे देख पा रहा है, और सस्टेनेबल ग्रोथ पर ध्यान दे पा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि टेल्को का अनुभव उनके इस विश्वास को दिखाता है कि मुश्किल समय हमेशा नहीं रहता। बिरला ने कहा, मुश्किल कंपनियां चलती हैं। कंपनी अपने सबसे मुश्किल सालों में कर्मचारियों के कमिटमेंट, ग्राहकों की वफादारी और बिज़नेस पार्टनर्स और शेयरहोल्डर्स के विश्वास से आगे बढ़ी। टेलीकॉम सेक्टर को फिर से जिंदा करने के लिए सरकार का पक्का इरादा और भारतीय टेलीकॉम सेक्टर की लंबे समय की क्षमता पर प्रमोटर्स का पक्का यकीन भी उतना ही जरूरी था। बिरला ने भारत में तीन प्राइवेट टेलीकॉम कंपनियों की जरूरत पर भी जोर दिया, और कहा कि देश एक सफल वोडाफोन आइडिया का हकदार है।

टैक्स बढ़ने से सिगरेट की बिक्री में 6-8 फीसदी की कमी आएगी : क्रिसिल

चेन्नई, जेएनएन। घरेलू सिगरेट इंडस्ट्री अगले फिस्कल ईयर में वॉल्यूम में थोड़ी कमी के लिए तैयारी कर रही है, 1 फरवरी से लागू होने वाले टैक्स में नए बदलावों के बाद बिक्री में 6-8 प्रतिशत की गिरावट आने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, नए ड्यूटी स्ट्रक्चर से सभी सेगमेंट में कीमतें बढ़ेंगी, लेकिन इसका असर मिड-से-प्रीमियम सिगरेट और मास सेगमेंट के बीच अलग-अलग हो सकता है, जिससे मैन्युफैक्चरर्स के लिए प्राइसिंग स्ट्रेटेजी और प्रॉफिटेबिलिटी के नतीजे दोनों तय होंगे। अभी, सिगरेट पर 28 प्रतिशत गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स लगता है, साथ ही हर प्रोडक्ट कैटेगरी के हिसाब से कंपनसेशन सेस भी लगता है। 1 फरवरी से, कंपनसेशन सेस खत्म कर दिया जाएगा और इसकी जगह सिगरेट की लंबाई के हिसाब से 2.05 रुपये से 8.5 रुपये प्रति स्टिक तक एक्स्ट्रा एक्साइज ड्यूटी लगेगी। मिड-टू-प्रीमियम सिगरेट, जिन्हें 65 मिलीमीटर से ज्यादा लंबी सिगरेट माना जाता है, उन पर 3.6 रुपये से 8.5 रुपये प्रति स्टिक की एक्साइज ड्यूटी लगेगी, जबकि मास सेगमेंट की सिगरेट, जिनकी लंबाई 65 मिलीमीटर से कम है, उन पर 2.05 रुपये से 2.1 रुपये प्रति स्टिक लगेगी। इसके अलावा, फाइनल रिटेल कीमत पर टैक्स बढ़ाकर 40 फीसदी कर दिया जाएगा। हालांकि मिड-टू-प्रीमियम सेगमेंट में एब्सोल्यूट ड्यूटी में ज्यादा बढ़ोतरी हुई है।

ओएनजीसी-रिलायंस में करार

नई दिल्ली, जेएनएन। ओएनजीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 27 जनवरी, 2026 को भारत के पूर्वी तट पर गहरे पानी के संसाधनों को साझा करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य जटिल गहरे पानी की परियोजनाओं, विशेष रूप से कृष्णा गोदावरी बेसिन और अंडमान अपतटीय क्षेत्र में, लागत को अनुकूलित करना, कार्यों के क्रियान्वयन में तेजी लाना और परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करना है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् नागदा जिला-उज्जैन म.प्र.

क्रमांक : एफ/लो.नि.वि./2026/438 नागदा, दि. 28/01/2026

-: निविदा आमंत्रण :-

एतद् द्वारा समस्त शासकीय विभागों में सक्षम श्रेणी में पजीकृत संविदाकारों को सूचित किया जाता है कि निकाय क्षेत्रान्तर्गत निम्न कार्य की निविदा https://www.mptenders.gov.in/ पर {ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया के तहत} जारी की गई है। अधिक जानकारी निर्धारित वेबसाईट अथवा कार्यालय की संबंधित शाखा से प्राप्त कर सकते है। प्रचलित जी.एस.टी. दर निविदाकार को पृथक से देय होगी।

टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	अमानत राशि	टेण्डर फार्म	टेण्डर क्रय अंतिम तिथि
2026_UAD_477867_1	Construction of BT Road at Ward No. 9 in Different Street	24,98,266/-	18,740/-	5,000/-	09/02/2026
2026_UAD_477880_1	Purchase of Jhula, Chakri and Open Gym Equipment	5,00,000/-	5,000/-	2,000/-	09/02/2026

अत: सूचित हो।

{श्रीमती संतोष ओ.पी. गेहलोत} अध्यक्ष | {सुभाष चन्द शर्मा} उपाध्यक्ष | {श्रीमती भावना सुभाष रावल} लो.नि.वि. सभापति | {मुख्य नगर पालिका अधिकारी} नगर पालिका परिषद् नागदा

कार्यालय नगर पालिक निगम सागर

क्र./नामा. शा./न.नि./2025-26/39 सागर दिनांक 23/1/26

-:: सूचना ::-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, नगर पालिक निगम सागर सीमान्तर्गत नीचे दिए गए भवन/प्लाटों पर नाम दर्ज करने हेतु आवेदन प्राप्त हुए हैं। अत: इस संबंध में जिन व्यक्तियों को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी लिखित आपत्ति सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के अन्दर आयुक्त, नगर पालिक निगम सागर के नाम से प्रस्तुत कर सकते हैं।

क्र.	प्र.क्र.	वार्ड का नाम भवन/प्लाट	किस आधार पर	नाम बेचवार/वसीयनामा/दानदाता/वंशानुक्रम	जिस व्यक्ति का नाम दर्ज होना है
1	1541/25-26	पन्तनगर	रजि. बैनामा, शपथपत्र	ज्योति जिमी अल्मेडा पिता यशवन्त गनेश पाराशरे	कार्तिकेय पिता स्व. जगदीश तिवारी
2	1542/25-26	शिवाजी	रजि. बैनामा, शपथपत्र	प्रदीप सिंह पिता सूरज प्रताप सिंह परिहार	ज्ञानेन्द्र पिता गजेन्द्र सींग चौकसे
3	1543/25-26	बाघराज	रजि. बैनामा, शपथपत्र	कैलाश पिता गौरीशंकर यादव	राजाबाबू पिता प्रीतम सिंह यादव
4	1544/25-26	रामपुरा	रजि. बैनामा, शपथपत्र	गिरजाबाई पति स्व. श्रीरामचरण दुबे	रामू पिता स्व. रामचरण दुबे एवं विमला पति अशोक शर्मा कृष्णा पति शशिभूषण अग्निहोत्री दोनों पुत्री स्व. रामचरण दुबे 2 सुनीता पति स्व. उमाशंकर दुबे 3 गोपाल पिता स्व. रामचरण दुबे एवं राजू तथा कपिल दोनों पिता स्व. गोविन्द दुबे
5	1545/25-26	तिलकगंज	रजि. बैनामा, शपथपत्र	दिलीप कुमार पिता जेठानंद लहरवानी	किशनलाल पिता रामचन्द्र माखीजा एवं राजेश पिता श्रीचन्द माखीजा
6	1546/25-26	गुरुगोविंद	रजि. बैनामा, शपथपत्र	अमर पिता फूलचंद चौकसे	आशुतोष एवं आनंद दोनों पिता आनन्द प्रकाश तिवारी
7	1547/25-26	बाघराज	रजि. बैनामा, शपथपत्र	वीरेन्द्र कुमार पिता भीमसेन चौरसिया	हृदयेशराज पिता त्रिभुवन प्रसाद मिश्रा
8	1548/25-26	बाघराज	रजि. बैनामा, शपथपत्र	संजय पिता अमृतलाल अवस्थी	नीतू पति मानसींग पटेल
9	1549/25-26	बाघराज	रजि. बैनामा, शपथपत्र	अनिल पिता एन.पी. भट्ट	कबीर चौधरी पिता भागचन्द जैन
10	1550/25-26	बाघराज	रजि. बैनामा, शपथपत्र	प्रकाश पिता शिवशंकर चौबे	तुलाराम पिता किल्ले प्रसार परेता

कृते-आयुक्त
नगर पालिक निगम, सागर

प्रथम पृष्ठ का शेष

बेमौसम बारिश-ओलें ... दो दिन पहले पंकज की बहन की सगाई हुई थी और अप्रैल में शादी होने वाली थी। पंकज शादी की तैयारियों में जुटा था। ईश्वर लाल के अनुसार, ओलावृष्टि के बाद शाम करीब 7 बजे पंकज ने उन्हें फोन किया था, उसने फसल बर्बाद होने के कारण बहन की शादी को लेकर चिंता जताई और कहा कि अब शादी कैसे हो पाएगी, जबकि बयाना भी दे चुका है। ईश्वर ने पंकज को समझाया कि सब मिलकर व्यवस्था कर लेंगे और चिंता न करे, लेकिन इसके बावजूद उसने यह बड़ा कदम उठा लिया।

50 लाख का मुआवजा मांगेंगे: विधायक : किसान की मौत की सूचना पर तराना कांग्रेस विधायक महेश परमार पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। विधायक परमार ने बताया कि किसान ने फसल बर्बाद होने के चलते आत्महत्या जैसा बड़ा कदम उठाया है। सांत्वना देने आया था। हम एसडीएम कार्यालय का घेराव कर किसान के परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग करेंगे।

सीएम के निर्देश पर सर्वे शुरू: कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया कि आंधी, तूफान और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का सर्वे शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर राजस्व विभाग ने सर्वे की प्रक्रिया रात से ही शुरू कर दी है। सर्वे के लिए सभी तहसीलदार, आरआई और पटवारी को निर्देश दिए गए हैं कि वे गांव-गांव जाकर किसानों की फसल का नुकसान दर्ज करें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि किसी भी किसान को हुए नुकसान को अनदेखा नहीं किया जाएगा और ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का आकलन तुरंत किया जा रहा है।

कार्यालय वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त सिवनी (म.प्र.)

(उत्कृष्ट विद्यालय के सामने भैरोगंज सिवनी (म.प्र.)

TelePhone 07692 221395, E-mail-ccfre.sni@mp.gov.in

ई टेण्डर क्रमांक 07/स्टोर/2026/89 सिवनी/दिनांक 21/1/20026

संक्षिप्त ई-निविदा विज्ञप्ति

1 निविदा प्रपत्र म.प्र. शासन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in से डाउनलोड करें।
2 यह निविदा सामाजिक वानिकी वृत्त, सिवनी के अंतर्गत वन विस्तार इकाई सिवनी की दुधिया रोपणी में सोलर पॉवर सिस्टम हेतु वर्ष 2025-26 में रोपणी अधोसंरचना विकास कार्य के अन्तर्गत किया जाना है, जिस हेतु विभिन्न फर्मों से ई-टेण्डरिंग पद्धति के अन्तर्गत ऑन लाईन निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र.	जिला	इकाई का नाम	कार्य स्थल का नाम	कार्य का विवरण	मात्रा	राशि
1	सिवनी	सिवनी	दुधिया रोपणी	सोलर पॉवर सिस्टम निविदा की शर्तों के अनुसार	01 नग	07.50 लाख
योग:-					01 नग	07.50 लाख

3 सोलर पॉवर सिस्टम हेतु निविदा को निर्धारित प्रारूप में वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ऑन-लाईन पद्धति से प्रस्तुत किया जाना है ।
4 निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि रूपये 500 /- है, निविदाऐं ऑनलाईन ही क्रय की जा सकेंगी एवं ऑनलाईन ही प्रस्तुत करने पर मान्य होगी ।
5 निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का विवरण निम्नानुसार है:-

विवरण	दिनांक एवं समय	रिमार्क
Tender Publishing Date and Time	27/01/2026, 05.00 PM	निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईट https://mptenders.gov.in तथा www.mpforest.gov.in पर दर्शित है
Document Download Tender Sale Start Date and Time	28/01/2026, 10.00 AM	
Bid Submission Start Date and Time	28/01/2026, 12.00 PM	
Date and Time of Pre Bid Meeting	30/01/2026, 12.00 PM	
Bid Submission Close Date and Time	02/02/2026, 05.00 PM	
Bid Technical Openning Date and Time	04/02/2026, 12.00 PM	
Bid Financial Openning Date and Time	06/02/2026, 03.00 PM	

जी-24969/25 पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

वनमण्डलाधिकारी
सामाजिक वानिकी वृत्त सिवनी

सेंसेक्स 487 अंक चढ़ा, निफ्टी में 167 अंक की तेजी रही

मुंबई, जेएनएन। शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 487 अंक चढ़कर 82,344 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 167 अंक चढ़ा, ये 25,342 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स अपने दिन के ऊपरी स्तर से करीब 650 अंक और निफ्टी भी डे हाई से 185 अंक गिरा था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 82,503 का और निफ्टी ने 25,372 का हाई बनाया था।

ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.4 फीसदी की तेजी देखने को मिली। फाइनेंशियल सर्विसेज, ऑटो, आईटी, मीडिया, मेटल, सरकारी बैंक, प्राइवेट बैंक और रियल्टी सेक्टर में भी 2.5 प्रतिशत तक की तेजी रही। सेंसेक्स 30 में से 22 शेयरों में तेजी और 8 में गिरावट देखने को मिल रही है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग बैतूल (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक 13-डी.एल./2025-26 बैतूल, दिनांक 22/01/2026

-:: निविदा सूचना ::-

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स. क्र.	टेण्डर नम्बर	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि	समयावधि	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2026_PWDRB_477253_1	बैतूल	भवन कार्य	लो.नि.वि. संभाग बैतूल के अन्तर्गत गैर आवासीय भवनों की वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत एवं लघुमूल गौण कार्य। (निक्षेप कार्य)	प्रथम आमंत्रण	19.50	39,000/-	07 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
2	2026_PWDRB_477267_1	बैतूल	भवन कार्य	लो.नि.वि. उपसंभाग बैतूल के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों की रंगाई पुताई का कार्य	प्रथम आमंत्रण	19.50	39,000/-	07 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
3	2026_PWDRB_477277_1	बैतूल	भवन कार्य	महिला आई. टी. आई. परिसर बैतूल में बाऊण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	5.34	10,676/-	04 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
4	2026_PWDRB_477288_1	बैतूल	भवन कार्य	महिला आई. टी. आई. परिसर बैतूल में प्रवेश द्वार का रिनोवेशन कार्य।	प्रथम आमंत्रण	12.94	25,881/-	04 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
5	2026_PWDRB_477331_1	बैतूल	भवन कार्य	लो.नि.वि. उपसंभाग चिचोली के अन्तर्गत आवासीय भवनों की रंगाई पुताई का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	5.00	10,000/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
6	2026_PWDRB_477345_1	बैतूल	सड़क कार्य	लो.नि.वि. उपसंभाग चिचोली के अन्तर्गत पुल-पुलियें पहुंच मार्गो की वार्षिक मरम्मत का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	10.00	20,000/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
7	2026_PWDRB_477365_1	बैतूल	भवन कार्य	लो.नि.वि. उपसंभाग मुलताई के अन्तर्गत गैर आवासीय भवनों की वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत एवं लघुमूल गौण कार्य (निक्षेप कार्य)	प्रथम आमंत्रण	19.50	39,000/-	07 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
8	2026_PWDRB_477376_1	बैतूल	सड़क कार्य	ढोढरामोहर पहुंच मार्ग का बी.टी, रिनीवल लम्बाई 0.20 कि.मी.	तृतीय आमंत्रण	2.24	4,480/-	01 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.

उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अन्तिम दिनांक 09/02/2026 सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

जी-24971/25 बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ./स.), संभाग बैतूल (म.प्र.)

कार्यालय परिसमापक, कार्यालय उप पंजीयक सहकारी संस्थाऐं, जिला नर्मदापुरम (म.प्र.)

क्रमांक/परिसमापन/2026/क्यू नर्मदापुरम दिनांक 22.01.2026

: सूचना पत्र :

विशेष साधारण सभा

संस्था के समस्त सम्माननीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था के परिसमापन के अधीन निम्न संस्थाओं के पंजीयन निरस्त करने हेतु विशेष साधारण सभा का आयोजन किया जाना आवश्यक है । अत: संस्था के सभी सदस्यों को म.प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम 1962 के नियम 57 (एल) के प्रावधानों के अन्तर्गत विशेष साधारण सभा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन का दिनांक, स्थान, समय कॉलन में पृथक-पृथक दर्शित है, तदनुसार सभी सदस्यों की उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है-

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक/दिनांक	दिनांक	स्थान
1	निषाद राज मत्स्य सहकारी समिति मर्या. होशंगाबाद	2957/15.04.2008	16.02.2026 समय-01.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
2	नीलम ईंधन सहकारी समिति मर्या. होशंगाबाद	3044/12.01.2010	17.02.2026 समय-01.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
3	गुरू कृपा ईधन आपूर्ति सहकारी समिति मर्यादित डोलरिया	3076/04.08.2012	18.02.2026 समय-01.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
4	रेवा माता श्रम ठेका सहकारी समिति मर्या. होशंगाबाद	2473/09.01.1995	19.02.2026 समय-01.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
5	माँ नर्मदा बुनकर धागाकरण सहकारी समिति मर्या. मालाखेड़ी	2697/01.06.1999	20.02.2026 समय-01.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
6	माँ नर्मदा प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या. होशंगाबाद	2760/11.03.2002	23.02.2026 समय-01.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
7	संकट मोचन महिला बहु. सहकारी समिति मर्या. रायपुर	2894/24.07.2006	24.02.2026 समय-01.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
8	जय भारत साख सहकारी समिति मर्यादित इटारसी	3054/16.09.2010	25.02.2026 समय-01.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
9	राज गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. होशंगाबाद	2612/13.05.1996	26.02.2026 समय-01.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
10	सांवरिया गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. होशंगाबाद	2541/30.01.1996	26.02.2026 समय-02.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
11	मैंनेस्ट्रीयल गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. होशंगाबाद	1749/25.02.1965	26.02.2026 समय-03.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
12	तिलहन उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित निमसाडिया	2143/06.10.1986	27.02.2026 समय-01.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
13	तिलहन उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित तीखड	2142/06.10.1992	27.02.2026 समय-02.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
14	तिलहन उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित डोलरिया	2148/26.01.1982	27.02.2026 समय-03.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम
15	तिलहन उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित रोहना	2137/26.08.1982	27.02.2026 समय-04.00 बजे	कार्या. उप आयुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम

(आर. के. कातुलकर)
परिसमापक एवं उप अंकेक्षक
कार्यालय उप पंजीयक
सहकारी संस्थाऐं नर्मदापुरम

जी-24979/25 बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

लगातार तीन हार के बाद कीवियों को मिली पहली जीत

पांच मैचों की सीरीज के चौथे टी-20 में न्यूजीलैंड ने भारत को 50 रन से हराया

जेएनएन, विशाखापत्तनम

शिवम दुबे ने बेहद आक्रामक अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन यह न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को खेले गए चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत की 50 रन की हार को टालने के लिए पर्याप्त नहीं था। न्यूजीलैंड ने सात विकेट पर 215 रन बनाने के बाद भारत को 18.4 ओवर में 165 रन पर आउट कर दिया।

दुबे ने 23 गेंदों पर 65 रन की विस्फोटक पारी खेली और 216 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए लगभग अकेले संघर्ष किया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने पांच मैचों की सीरीज में अंतर को 3-1 कर दिया। इशान किशन के चोट के कारण बाहर रहने से अभिषेक शर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव से तेज शुरुआत की उम्मीद थी। लेकिन अभिषेक भारत की पहली ही गेंद पर आउट हो गए, जब उन्होंने मैट हेनरी की गेंद को डीप पॉइंट पर डेवोन कॉन्वे के हाथों में थमा दिया। सूर्यकुमार के रक्षात्मक शॉट को जैकब डफी ने शानदार रिटर्न कैच में तब्दील किया और भारत का स्कोर नौ रन पर दो विकेट हो गया। रिंकू सिंह (39) और संजू सैमसन (24) ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन वे पावरप्ले में या उसके बाद रन गति नहीं बढ़ा सके। रिंकू को जैक फोक्स ने पगबाधा आउट किया, जबकि डफी की गेंद पर शानदार फ्लिक शॉट से छक्का लगाने वाले सैमसन को मिचेल सैंटनर की सीधी गेंद ने बोल्ड कर दिया। 11वें ओवर में भारत का स्कोर 82 रन पर पांच विकेट हो गया। इसके बाद दुबे और हर्षित राणा (9) पर जिम्मेदारी आ गई। दुबे जब 46 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे तो मैदानी अंपायर ने उन्हें पगबाधा करार दिया, लेकिन डीआरएस के जरिए वह आउट होने से बच गए। उन्होंने लेग स्पिनर ईश सोढ़ी के तीसरे ओवर में 29 रन बटोरे, जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल थे। दुबे ने डफी की गेंद पर स्क्वायर लेग के ऊपर छक्का लगाकर महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। छठे विकेट के लिए दुबे और हर्षित राणा ने 63 रन जोड़े, जिसमें राणा का योगदान चार रन का रहा। लेकिन दुबे की किस्मत तब साथ छोड़ गई, जब राणा का सीधा शॉट हेनरी के हाथ से टकराकर नॉन-स्ट्राइकर एंड पर स्टंप्स से जा टकराया।

■ अभिषेक टी-20 इंटरनेशनल में पहली गेंद पर आउट होने वाले पांचवें भारतीय बन गए। इससे पहले केएल राहुल (2016), पृथ्वी शॉ (2021), रोहित शर्मा (2022) और संजू सैमसन (2026) यह कारनामा कर चुके हैं।

■ 15 गेंदों में दुबे ने अर्धशतक जड़ा। इसके साथ ही वे टी-20 में भारत के लिए तीसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। युवराज सिंह ने 12 गेंद और अभिषेक शर्मा ने 14 गेंद में अर्धशतक जड़ा है।

■ 100 छक्के ग्लने फिलिप्स के टी-20 इंटरनेशनल में हो गए हैं। न्यूजीलैंड के लिए 100 छक्के लगाने वाले वे तीसरे खिलाड़ी बने। शीर्ष पर मार्टिन गुप्टिल (173) और उनके बाद कॉलिन मुनरो (107) हैं।

स्कोर बोर्ड

न्यूजीलैंड: 215/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
कॉन्वे का. रिंकू बो. कुलदीप	44	23	4	3
सिफर्ट का. रिंकू बो. अर्शदीप	62	36	7	3
रचिन का. एंड बो. बुमराह	2	4	0	0
फिलिप्स का. रिंकू बो. कुलदीप	26	16	3	1
चैपमैन का. हर्षित बो. बिश्नोई	9	8	1	0
डैरिल मिचेल नाबाद	39	18	2	3
मिचेल सैंटनर रनआउट	11	6	1	1
फॉक्स का. रिंकू बो. अर्शदीप	13	6	1	1
मैट हेनरी नाबाद	6	3	1	0

अतिरिक्त: 5, **कुल:** 20 ओवर में सात विकेट पर 215 रन, **विकेट पतन:** 1-100, 2-103, 3-126, 4-137, 5-152, 6-163, 7-182, **गेंदबाजी:** अर्शदीप सिंह 4-0-33-2, हर्षित राणा 4-0-54-0, बुमराह 4-0-38-1, बिश्नोई 4-0-49-1, कुलदीप 4-0-39-2.

भारत: 165/10 (18.4 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
अभिषेक का. कॉन्वे बो. हेनरी	0	1	0	0
संजू सैमसन बो. सैंटनर	24	15	3	1
सूर्यकुमार का. एंड बो. डफी	8	8	2	0
रिंकू सिंह पगबाधा बो. फॉक्स	39	30	3	2
हार्दिक का. फॉक्स बो. सैंटनर	2	5	0	0
शिवम दुबे रनआउट	65	23	3	7
हर्षित का. रविंद्र बो. सोढ़ी	9	13	1	0
रवि बिश्नोई नाबाद	10	10	1	0
अर्शदीप का. सैंटनर बो. सोढ़ी	0	2	0	0
बुमराह का. सोढ़ी बो. सैंटनर	4	2	1	0
कुलदीप का. सिफर्ट बो. डफी	1	3	0	0

अतिरिक्त: 3, **कुल:** 18.3 ओवर में 65 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन:** 1-0, 2-9, 3-55, 4-63, 5-82, 6-145, 7-157, 8-157, 9-162, 10-165, **गेंदबाजी:** हेनरी 3-0-24-1, डफी 3.4-0-33-2, फॉक्स 3-0-29-1, सोढ़ी 4-0-46-2, सैंटनर 4-0-26-3, ग्लेन फिलिप्स 1-0-7-0.

टी-20 रैंकिंग: सूर्यकुमार की टॉप-10 में वापसी

दुबई, जेएनएन। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी पुरुष टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों के वर्ग में पांच पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। पूर्व में नंबर एक रहे सूर्यकुमार ने इन मैच में 32, नाबाद 82 और नाबाद 57 रन बनाए, जिससे वह रैंकिंग में आगे बढ़ने में सफल रहे। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी-20 विश्व कप से पहले बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं। इशान किशन ने 64वें स्थान पर रैंकिंग में फिर से प्रवेश किया है। शिवम दुबे (नौ स्थान ऊपर 58वें स्थान पर) और रिंकू सिंह (13 स्थान ऊपर 68वें स्थान पर) को भी अपने अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है। इस बीच हार्दिक पंड्या ऑलराउंडरों की सूची में एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं। टी-20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह (चार पायदान ऊपर 13वें स्थान पर) और रवि बिश्नोई (13 पायदान ऊपर 19वें स्थान पर) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।

खेल एक नजर

बदोनी व आर्य टी-20 विश्व कप तैयारी के लिए भारत ए टीम में

मुंबई, जेएनएन। दिल्ली के कप्तान आयुष बदोनी और बल्लेबाज प्रियांश आर्य को टी-20 विश्व कप की अभ्यास मैचों के लिए भारत-ए टीम में शामिल किया गया है, जिससे वे गुरुवार से मुंबई के खिलाफ खेले जाने वाले रणजी ट्रॉफी मैच का हिस्सा नहीं होंगे। एमसीए-बीकेसी मैदान पर खेले जाने वाले इस मैच में आयुष दोसेजा दिल्ली की कप्तानी करेंगे। भारत-ए टीम दो फरवरी को डीवाई पाटिल स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ खेलेगी, जिसके बाद वह बेंगलुरु रवाना होगी, जहां वह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में नामीबिया से भिड़ेगी। बडोनी को इसी महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

गुकेश हारे, एरिगैसी ने खेला ड्रॉ, प्रज्ञानानंदा की पहली जीत

विज्क आन ली (नीदरलैंड), जेएनएन। विश्व चैंपियन डी गुकेश को टाटा स्टील मास्टर्स में नौवें दौर में जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ पराजय झेलनी पड़ी, जबकि

अर्जुन एरिगैसी को अमेरिका के हैंस मोक नीमैन के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का टिकट पक्का करने वाले इकलौते भारतीय आर प्रज्ञानानंदा ने टूर्नामेंट में पहली बार सफलता का स्वाद चखा। विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव उज्बेकिस्तान के हमवतन नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ बराबरी की बाजी खेली। अब्दुसत्तोरोव छह अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। दारोव नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरेस्ट और तुर्किये के यागिज कान एरदोग्मुस के साथ 5.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। टूर्नामेंट में अब चार दौर शेष है और नीमैन पांच अंक के साथ इनके ठीक पीछे हैं। गुकेश, प्रज्ञानानंदा और अर्जुन के खाते में चार-चार अंक हैं।

फुटबॉल: ताजिकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम दो मैत्री मैच खेलेगी

मडगांव, जेएनएन। भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम गुरुवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ताजिकिस्तान के खिलाफ दो मैत्री मैच की सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी। मुख्य कोच बिबियानो ने 25 सदस्यीय टीम की घोषणा की। इस दोनों मैचों में दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। भारतीय टीम इस साल की शुरुआत से ही एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 की तैयारियों के तहत गोवा में अभ्यास कर रही है। भारत ने पिछले साल नवंबर में अहमदाबाद में खेले गए क्वालिफायर में ईरान, लेबनान, फिलिस्तीन और चीनी ताइपे से ऊपर रहते हुए इतिहास में 10वीं बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया। भारत को 12 फरवरी को होने वाले ड्रॉ के बाद ग्रुप चरण के अपने प्रतिद्वंद्वियों की जानकारी मिलेगी। ताजिकिस्तान ने फीफा अंडर-17 विश्व कप 2025 के लिए क्वालिफाई करने के कारण स्वतः ही एएफसी अंडर-17 एशियाई कप में जगह बनाई है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: पहले दो सेट हारने के बाद जोकोविच को मिला वॉकओवर

सिनर खिताबी हैट्रिक से सिर्फ दो जीत दूर जोकोविच भाग्य के सहारे सेमीफाइनल में

जेएनएन, मेलबर्न

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने बुधवार को सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे। जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे, लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई, क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए।

सिनर ने एक अन्य मैच में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को दो घंटे 23 मिनट तक चले मैच में 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। वह लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने से केवल दो जीत दूर हैं। जोकोविच दो बार यह कारनामा कर चुके हैं। सिनर को सेमीफाइनल में अधिक तरोताजा जोकोविच का सामना करना है, जिन्हें चौथे दौर में वॉकओवर मिला था। पुरुष वर्ग का अन्य सेमीफाइनल विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच खेला जाएगा।

मुझे उसके लिए बहुत दुख हो रहा है। वह आज मुझसे कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहा था। आज के दिन मेरी छुट्टी होने वाली थी। खेल में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है।
- नोवाक जोकोविच

रयबाकिना ने विश्व नंबर दो स्वियातेक को किया बाहर

महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रयबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका आमना सामना होगा। रयबाकिना ने विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से, जबकि छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (6-1) से हराया। पेगुला ने पिछले दौर में 2025 की चैंपियन मैडिसन कीज को हराया और फिर अनिसिमोवा के लगातार तीसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। महिला वर्ग में अन्य सेमीफाइनल आर्यना सबालेंका ओर एलिना स्वितोलिना के बीच खेला जाएगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका पिछले चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कवायद में हैं, जबकि स्वितोलिना पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है।

ऑस्ट्रेलिया की टीम तीन टी-20 मैच की सीरीज खेलने पाक पहुंची

लाहौर, जेएनएन। मिचेल मार्श की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया की टीम बुधवार को लाहौर पहुंच गई, जहां वह पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मुकाबला 29 को, जबकि दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 31 और एक फरवरी को खेला जाएगा। यह सीरीज ऐसे समय में आयोजित की जाएगी, जब अगले महीने होने वाले टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस सीरीज को पाकिस्तान के टी-20 विश्व कप की तैयारी के अंतिम चरण के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या राष्ट्रीय टीम को भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में सात फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए सरकार की मंजूरी मिलेगी या नहीं।

चार साल बाद करेगी दौरा, पहला मुकाबला 29 को

ऑस्ट्रेलिया की टीम
मिचेल मार्श (कप्तान), शॉन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, कूपर कॉनॉली, बेन ड्वार्शियस, जैक एडवर्ड्स, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कुहनेमैन, मिचेल ओवेन, जोश फिलिप (विकेटकीपर), मैथ्यू रेनशॉ, मैट शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

आठ मैचों में पहली बार दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराया

पार्ल (दक्षिण अफ्रीका), जेएनएन। कप्तान एडन मारक्रम की 47 गेंदों पर नाबाद 86 रन की पारी की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हरा दिया। यह वर्ल्ड कप के बाहर वेस्टइंडीज के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की आठ मैचों में पहली टी-20 जीत रही। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 173 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने 17.5 ओवर में एक विकेट पर 176 रन बनाकर 13 गेंद शेष रहते हुए ही जीत हासिल कर ली। मारक्रम ने पारी में नौ चौके और तीन छक्के लगाए। उन्होंने लुआन-ड्रे प्रिटोरियस (44) के साथ पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़े और रयान रिकेल्टन (नाबाद 40) के साथ दूसरे विकेट के लिए 93 रन की अटूट साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर जॉर्ज लिंडे ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

थाईलैंड मास्टर्स : 27 मिनट में जीते जॉर्ज मंजूनाथ ने 59 मिनट में मैग्नस को हराया

बैंकॉक, जेएनएन। भारत के किरण जॉर्ज और मिथुन मंजूनाथ थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गए। सातवीं वरीयता प्राप्त जॉर्ज ने 27 मिनट के भीतर दुनिया के 45वें नंबर के खिलाड़ी शोलेह एदिल को 21-15, 21-9 से हराया, जबकि दुनिया के 60वें नंबर के खिलाड़ी मंजूनाथ ने आठवीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क के मैग्नस योहानेसन को 59 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 9-21, 21-17 से मात दी। तरुण मन्नेपल्ली भी थाईलैंड के केंटाफोन वांगचारोएन को 22-20, 21-17 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गए। प्रियांशु राजावत, मनराज सिंह और एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन हारकर बाहर हो गए। राजावत को चौथी वरीयता प्राप्त कनाडा के ब्रायन यांग ने 15-21, 21-13, 22-20 से मात दी। वहीं मनराज को चीन के झू शुआन चेन ने 21-16, 21-14 से हराया। मुथुसामी को पांचवीं वरीयता प्राप्त अर्नाड मरकेले ने 21-13, 14-21, 21-19 से हराया। महिला एकल में अनमोल खरब ने हांगकांग की लो सिन यान हैप्पी को 21-12, 21-12 से हराया। जबकि तसनीम मीर को पहले दौर में चीनी ताइपै की पांचवीं वारीयता प्राप्त हुआंग यू सुन के हाथों 9-21, 19-21 से पराजय मिली। खरब का सामना अब यू सुन से होगा।

नीदरलैंड पहली और बांग्लादेश की महिला टीम 6वीं बार टी-20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई

काठमांडू, जेएनएन। बांग्लादेश और नीदरलैंड ने क्वालिफायर सुपर सिक्स चरण में जीत दर्ज कर महिला टी-20 विश्व कप 2026 के लिए उपलब्ध चार में से दो स्थान पक्के किए। नीदरलैंड ने डीएलएस से अमेरिका को हराकर पहली बार टी-20 विश्व कप में जगह बनाई। बांग्लादेश ने थाईलैंड को 39 रन से पराजित कर लगातार सातवीं बार क्वालिफाई किया। एक अन्य मुकाबले में स्कॉटलैंड ने आयरलैंड को 39 रन से शिकस्त दी। महिला टी-20 विश्व कप 12 जून से पांच जुलाई के बीच इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। अमेरिका ने गार्गी भोगले (36) और इसानी वाघेला (नाबाद 32 रन) की पारियों की बदौलत सात विकेट पर 129 रन बनाए। नीदरलैंड की हन्ना लैंडहीर ने 30 रन देकर तीन विकेट लिए। हीदर सीगर्स ने 12 गेंदों पर 28 और फीबे मोल्कनबोअर ने 43 गेंदों पर नाबाद 46 रन बनाए। बारिश के कारण मुकाबला समय से पहले समाप्त करना पड़ा और नीदरलैंड्स ने 12 ओवर में दो विकेट पर 90 रन बनाकर जीत दर्ज की। बांग्लादेश ने थाईलैंड को जीत के लिए 166 रन का लक्ष्य दिया। थाईलैंड नत्थाकन चंथाम (46) ने नन्नापत कोंचारोएनकाई (29) के साथ दूसरे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

सिटी स्पोर्ट्स

भोपाल लेपर्ड्स क्रिकेट टीम के चयन ट्रायल 30 व 31 को

भोपाल, खेप्र। गत चैंपियन भोपाल लेपर्ड्स आगामी सत्र 2025-26 के लिए चयन ट्रायल एवं प्लेयर डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू करने जा रही है। लेपर्ड्स के यह क्रिकेट चयन ट्रायल 30 और 31 जनवरी को एचएमजी मैदान डीपीएस स्कूल में सुबह 9.30 बजे से आयोजित किए जाएंगे। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (सिंधिया कप) की चैंपियन भोपाल लेपर्ड्स खिताब बरकरार रखने के लिए उतरेगी। यह ट्रायल्स युवा और प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा, जहां वे अपनी प्रतिभा दिखाकर पेशेवर क्रिकेटर बन सकते हैं। चयनित क्रिकेटरों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर भोपाल लेपर्ड्स टीम में भी चयन किया जाएगा। चयन ट्रायल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी की आयु 1 दिसंबर 2025 तक न्यूनतम 19 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए।

खेलो एमपी यूथ गेम्स: कयाकिंग-कैनोइंग में भोपाल के संतोष और प्रिंस को स्वर्ण पदक

भोपाल, खेप्र। खेलो एमपी यूथ गेम्स 2026 में भोपाल के खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किए। शहर के लोअर लेक में आयोजित कयाकिंग एवं कैनोइंग प्रतियोगिता की फाइनल स्पर्धा में के1 बॉयज 1000 मी. फाइनल में भोपाल के संतोष सिंह ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि इस स्पर्धा का रजत उज्जैन के कोंजेंगबाम सिंह वांगथोई और कांस्य टीकमगढ़ के प्रिंस भाटी ने जीता। वहीं सी1 बॉयज 1000 मीटर फाइनल में भोपाल के प्रिंस गोस्वामी ने सोने का तमगा हासिल किया। नितेश (भिंड) और अभय तलियान (टीकमगढ़) ने क्रमशः रजत व कांस्य पदक जीते।

खेल मंत्री ने किया खिलाड़ियों से संवाद

खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कोलार खेल स्टेडियम, मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम एवं तात्या टोपे खेल स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों से सीधे संवाद किया और उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

कुश्ती: अनुष्का-लक्ष्मी को स्वर्ण

कुश्ती में इंदौर के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन किया। इंदौर जिले के खिलाड़ियों ने 2 स्वर्ण एवं 2 कांस्य पदक अर्जित किए। अनुष्का बौरासी ने 65 किग्रा और लक्ष्मी जरिया ने 50 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता। ग्रीको-रोमन में पृथ्वी जोशी (77 किग्रा) और तुषांत जाधव (55 किग्रा) ने कांस्य जीता।

आरएनटीयू की महिला हॉकी टीम ने पंजाबी यूनिवर्सिटी के खिलाफ ड्रॉ खेला

भोपाल। रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की महिला टीम ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी टूर्नामेंट में पंजाबी यूनिवर्सिटी के साथ मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त किया। आरएनटीयू की दीक्षा भार्गव ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। मुकाबला ड्रॉ रहने के कारण दोनों टीमों को 1-1 अंक प्रदान किया गया। टूर्नामेंट में आरएनटीयू अगला लीग मुकाबला 29 जनवरी को भरथियार यूनिवर्सिटी, कोयम्बटूर (तमिलनाडु) के विरुद्ध खेलेगी। **टीम इस प्रकार है:** योगिता वर्मा (कप्तान), अश्रिता ठाकुर, अंकिता कुशवाहा, प्रतिमा सरोज, निशी यादव, दीक्षा भार्गव, खुशी कटारिया, पलक गुप्ता, लवदीप कौर गिल, भूमिक्क्षा साहू, सोनिया कुमरे, साक्षी जैन, करमनप्रीत कौर, हुडा खान, उषा कुमारी, आयुषी पटेल, सोनम राणा, मुनमुनि दास।

भोपाल के जतिन सक्सेना भारतीय लीजेंड्स क्रिकेट टीम के उप कप्तान

भोपाल, खेप्र। जतिन सहाय सक्सेना थाईलैंड में होने वाले एशिया लीजेंड्स कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के उप कप्तान होंगे। शानदार फॉर्म और पिछले प्रदर्शन के आधार पर जतिन का चयन भारतीय लीजेंड्स क्रिकेट टीम में हुआ है। हरिद्वार में बोर्ड ऑफ वेटेरन क्रिकेट इन इंडिया द्वारा आयोजित इंटर जोनल प्रतियोगिता में जतिन ने ईस्ट जोन का प्रतिनिधित्व किया था। इस टूर्नामेंट में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए प्रतियोगिता का एकमात्र अविजित शतक जड़ा और अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 28 जनवरी से 4 फरवरी तक थाईलैंड में खेली जाएगी, जिसमें एशिया की विभिन्न लीजेंड्स टीमें शिरकत करेंगी।

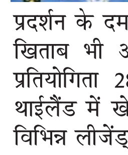

संक्षिप्त समाचार

हैरत: मुंबई में 4-लेन से 2-लेन हुआ फ्लाईओवर

मुंबई, जेएनएन। मीरा-भायंदर इलाके में मेट्रो लाइन-9 परियोजना के तहत बने नए डबल-डेकर फ्लाईओवर को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से बने इस फ्लाईओवर की सबसे बड़ी खासियत अब उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बनती दिख रही है। फ्लाईओवर शुरुआत में चार लेन का है, लेकिन कुछ ही दूर पर जाकर यह अचानक दो लेन में सिमट जाता है। इसी डिजाइन को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हो रही है। लोगों ने इस फ्लाईओवर को 'इंजीनियरिंग का अजूबा', 'डेथ ट्रैप' और 'आसमान में लगने वाला ट्रैफिक जाम' जैसे नाम दिए हैं। चार लेन से सीधे दो लेन में आने से यह हिस्सा बॉटलनेक बन जाएगा।

धमकी: चंडीगढ़, गुरुग्राम के स्कूल खाली कराए गए

चंडीगढ़। बुधवार को चंडीगढ़ के करीब 26 स्कूलों को बम धमकी वाले ई-मेल मिले, जिसके बाद एहतियातन छात्रों और स्टाफ को बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने तुरंत एंटी-सैबोटाज जांच शुरू की। इसी तरह गुरुग्राम के छह निजी स्कूलों को भी ऐसे ही धमकी भरे ई-मेल मिले, जिससे सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। सूत्रों के मुताबिक सेक्टर 26, 19, 45 और 16 समेत कई इलाकों के सरकारी व निजी स्कूलों को ई-मेल भेजे गए। स्कूल पहुंच रहे छात्रों को वापस घर भेज दिया गया। जिन स्कूलों को धमकी मिली, उनमें सेंट कबीर पब्लिक स्कूल, विवेक हाई स्कूल, भवन विद्यालय, सेक्रेड हार्ट स्कूल और चितकारा स्कूल शामिल हैं। धमकी मिलते ही बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड स्कूल परिसरों में पहुंचे और सघन तलाशी ली।

अविमुक्तेश्वरानंद ने बिना स्नान के माघ मेला छोड़ा

प्रयागराज, जेएनएन। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रयागराज माघ मेला छोड़ दिया है। वे काशी के लिए रवाना हो गए। माघ मेले में 11 दिनों से धरने पर बैठे शंकराचार्य ने बुधवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि मन इतना व्यथित है कि वे बिना स्नान किए ही लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे श्रद्धा और आस्था के साथ माघ मेले में आए थे, लेकिन एक ऐसी घटना घटी जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'जब दिल में दुख और आक्रोश हो, तो पवित्र जल भी शांति नहीं दे पाता। प्रशासन से पत्र और प्रस्ताव मिला था, जिसमें पूरे सम्मान के साथ पालकी से संगम ले जाकर स्नान और फूल बरसाने की बात कही थी, लेकिन उन्होंने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया।

अमेरिकी के कारण मरे हमारे सैनिक: नेतन्याहू

तेल अवीव, जेएनएन। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा युद्ध

पर कहा कि हमास के खिलाफ जंग के दौरान हथियारों और गोला-बारूद की आपूर्ति रोके जाने के कारण इजराइल के कई सैनिकों की जान गई। नेतन्याहू ने यह बयान मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में लड़ाई के दौरान इजराइली सेना के पास जरूरी गोला-बारूद की कमी हो गई थी। इसी वजह से सैनिकों को कई बार सीधे घरों में घुसकर लड़ना पड़ा, जिससे हताहतों की संख्या बढ़ी।

बारामती विमान दुर्घटना: पायलट को दी गई थी विजुअल कंडीशन में उतरने की सलाह

8.43 पर मिला लैंडिंग क्लीयरेंस और 8.44 बजे रनवे के पास दिखीं लपटें

नई दिल्ली/ बारामती। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बारामती दुर्घटना से पहले पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल की बातचीत का ब्योरा जारी किया है। मंत्रालय के अनुसार, बारामती एक अनकंट्रोल्ड एयरफील्ड है, जहां ट्रैफिक से जुड़ी जानकारी स्थानीय फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन के पायलट या इंस्ट्रक्टर साझा करते हैं। एटीसी के मुताबिक, विमान ने 28 जनवरी को सुबह 8.18 बजे बारामती से पहली बार संपर्क किया। इसके बाद बारामती से 30 नॉटिकल मील पहले कॉल किया और तब उसे पुणे अप्रोच से रिलीज कर दिया गया। पायलट को विजुअल मेट्रोलॉजिकल कंडीशन में उतरने की सलाह दी गई। क्रू ने हवा और दृश्यता की जानकारी मांगी, जिस पर बताया गया कि हवा शांत है और दृश्यता करीब 3,000 मीटर है। विमान ने फाइनल अप्रोच की सूचना दी, लेकिन पायलट को रनवे दिखाई नहीं दिया। पहले प्रयास में गो-अराउंड किया गया। इसके बाद दोबारा संपर्क हुआ और क्रू ने बताया कि वह फिर से रनवे 11 की फाइनल अप्रोच पर है। कुछ सेकेंड बाद उन्होंने कहा कि अब रनवे दिखाई दे रहा है। सुबह 8.43 बजे लैंडिंग क्लीयरेंस दी गई, लेकिन एटीसी को क्रू से कोई रीडबैक नहीं मिला। 8.44 बजे रनवे के पास आग की लपटें देखीं, जिसके बाद तुरंत इमरजेंसी सेवाओं को भेजा गया।

क्या है विजुअल मेट्रोलॉजिकल कंडीशंस

विमानन से जुड़ी मौसमीय स्थितियां, जिन्हें दृश्यता, बादलों की ऊंचाई (सीलिंग) और बादलों से दूरी जैसे तय न्यूनतम मानकों के आधार पर परिभाषित किया जाता है। इन परिस्थितियों में पायलट केवल उपकरणों पर निर्भर रहने के बजाय दृश्य संकेतों के सहारे सुरक्षित रूप से उड़ान भर सकते हैं।

हवाई हादसे और भारतीय राजनीति

बड़े नेता: जो आसमान में उड़े, लेकिन नहीं उतर सके जमीन पर

नई दिल्ली, जेएनएन। *भारतीय राजनीति के इतिहास में विमान और हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं ने समय-समय पर कई दिग्गज नेताओं की जान ली है। ये हादसे महज व्यक्तिगत त्रासदी नहीं रहे, बल्कि कई बार उन्होंने देश की राजनीति की दिशा भी बदल दी। 1960 के दशक से लेकर 2026 तक, ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिन्होंने पूरे देश को झकझोर दिया।*

संजय गांधी (1980): प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी की 23 जून 1980 को दिल्ली में एक छोटे विमान को उड़ाते समय मौत हो गई। महज 33 वर्ष की उम्र में उनका जाना कांग्रेस की राजनीति की दिशा बदलने वाला साबित हुआ। इसके अलावा बलवंतराय मेहता (1965), मोहन कुमारमंगलम (1973), वाईएस राजशेखर रेड्डी 2009, दोरजी खांडू (2011), विजय रूपाणी 2025 की मौत भी विमान हादसे में हुई। राजनेताओं के अलावा होमी जहांगीर भाभा (1966) व जनरल बिपिन रावत (2021) ने भी एयर हादसों में जान गंवाई।

माधवराव सिंधिया (2001): कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद माधवराव सिंधिया की उत्तर प्रदेश में एक चार्टर्ड विमान हादसे में मृत्यु हो गई। इससे पहले वे अपने राजनीतिक जीवन में एक बार हवाई संकट से बच चुके थे।

जीएमसी बालयोगी (2002): तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान चली गई।

ओपी जिंदल (2005): उद्योगपति और हरियाणा के ऊर्जा मंत्री ओपी जिंदल का भी विमान हादसे में निधन हुआ।

अजित के बाद एनसीपी की कमान किसके हाथ?

परिवार, भरोसेमंद सहयोगी और दिग्गजों के बीच सत्ता संघर्ष तय

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व में खड़ी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अब उत्तराधिकार के सवाल से जूझती नजर आ रही है। पार्टी का मौजूदा ढांचा अजित पवार की व्यक्तिगत पकड़, विधायकों पर नियंत्रण और सत्ता-संतुलन साधने की क्षमता पर टिका रहा है। ऐसे में उनके बाद पार्टी की बागडोर कौन संभालेगा, यह सवाल अंदरखाने तेज होता जा रहा है। इस दौड़ में तीन संभावित शक्ति-केंद्र उभरते दिखते हैं- परिवार, पुराने भरोसेमंद साथी और क्षेत्रीय दिग्गज।

परिवार: नाम का वजन, अनुभव की कमी

सुनेत्रा पवार, अजित पवार की पत्नी इस खेमे में सबसे सीधा वंशानुगत विकल्प मानी जाती हैं। दशकों तक वे बारामती में सामाजिक-कल्याण और महिला संगठनों के जरिए सक्रिय रहीं। 2024 में बारामती लोकसभा से चुनाव लड़कर (हालांकि हार के साथ) उन्हें राज्यव्यापी पहचान मिली। मार्च 2024 में वे राज्यसभा पहुंचीं और महायुति के समर्थन से निर्विरोध चुनी गईं। उनकी ताकत पवार नाम और समर्थकों की भावनात्मक निष्ठा है।

भरोसेमंद साथी: संगठन और रणनीति की ताकत

प्रफुल्ल पटेल एनसीपी के सबसे अनुभवी रणनीतिकारों में हैं। केंद्र में मंत्री रह चुके पटेल 2023 के विभाजन में अजित पवार के साथ आए, जिससे खेमे को वैधता और संगठनात्मक गहराई मिली। प्रबंधन, दिल्ली की पहुंच और संकट-निवारण उनकी ताकत है। जनाधार की कमी उन्हें स्थायी 'मास लीडर' से ज्यादा अंतरिम विकल्प बनाती है। रायगढ़ से उठकर कोंकण में मजबूत संगठन खड़ा सुनील तटकरे भी इसमें एक चेहरा हैं।

बाहरी/विवादित दावेदार: जनाधार बनाम सीमाएं

धनंजय मुंडे के पास लोकप्रिय अपील है, लेकिन बीड तक सीमित क्षेत्रीय प्रभाव और विवाद, खासतौर पर 2025 में सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड के बाद उन्हें कमजोर बनाते हैं। छगन भुजबल एनसीपी की राजनीति के वरिष्ठ चेहरा हैं। उपमुख्यमंत्री रह चुके भुजबल का उत्तर महाराष्ट्र में आधार और प्रशासनिक अनुभव मजबूत है, मगर उम्र और पुराने विवाद उनकी स्वीकार्यता सीमित करते हैं। वे सामूहिक नेतृत्व में सहायक भूमिका में अधिक उपयुक्त दिखते हैं।

वैश्विक राजनीति के टॉप पर पहुंचा भारत: उर्सुला

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत-यूरोप संबंधों में एक अहम कूटनीतिक क्षण तब देखने को मिला, जब राष्ट्रपति भवन में यूरोपीय संघ (ईयू) के शीर्ष प्रतिनिधियों के सम्मान में भव्य डिनर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन विशेष रूप से मौजूद रहीं। डिनर के दौरान उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भारत की वैश्विक भूमिका की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत आज ग्लोबल पॉलिटिक्स में टॉप पर पहुंच चुका है और यह ऐसा विकास है जिसका यूरोप खुले दिल से स्वागत करता है। यदि भारत और यूरोप अपने संसाधनों, क्षमताओं और दृष्टिकोण को साथ लाएं, तो वैश्विक स्तर पर बड़े और सकारात्मक बदलाव संभव हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं से भरे इस दौर में भारत और यूरोप की सोच में गहरी समानता है। दोनों ही यह मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और मानवीय संकट जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही निकल सकता है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल सहित कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं।

ईयू डील से भारत को हुआ ज्यादा फायदा: जैमीसन

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका के एक वरिष्ठ ट्रेड अधिकारी ने भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए)

को भारत के लिए ज्यादा फायदेमंद बताया है। अमेरिकी ट्रेड अधिकारी जैमीसन ग्रीर का कहना है कि यह डील कई मायनों में भारत के पक्ष में झुकी हुई है और इसका सबसे बड़ा लाभ भारत को मिलने वाला है। ग्रीर ने कहा कि समझौते के लागू होने के बाद भारत को यूरोपीय बाजार तक पहले से कहीं ज्यादा पहुंच मिलेगी। अब तक जो जानकारियां सामने आई हैं, उनसे यही संकेत मिलता है कि कुछ मिलाकर भारत इस व्यापार समझौते में 'टॉप पर' रहेगा। ग्रीर के मुताबिक, यूरोप के बड़े और विकसित बाजार में भारतीय कंपनियों और उत्पादों के लिए नए अवसर खुलेंगे। ग्रीर ने यह भी कहा कि इस डील के पीछे अमेरिका की बदली व्यापार नीति भी एक अहम वजह है।

संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण

वीबी-जी राम जी के जिक्र पर विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली, जेएनएन। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का पहला हिस्सा बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा की जॉइंट मीटिंग में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ शुरू हो गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार देश में आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों से निपटने में सफल रही है। राष्ट्रपति ने 45 मिनट की स्पीच में वीबी-जी राम जी कानून का भी जिक्र किया। इस पर विपक्ष ने हंगामा किया और कानून वापस लो के नारे लगाए। उधर, एनडीए सांसदों ने समर्थन में नारेबाजी की। पीएम मोदी और अमित शाह भी मेज थपथपाते नजर आए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमें सिखाया-'भय काहूं को देत नहीं, नहीं भय मानत आन'। बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा। यह दो हिस्सों में होगा। पहला हिस्सा 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा हिस्सा 9 मार्च से 2 अप्रैल तक होगा। इस दौरान कुल 30 बैठकें होंगी।

दूसरा नौसैनिक बेड़ा पहुंच रहा ईरान: ट्रंप

नए समझौते पर सहमति के लिए दबाव, एक जंगी बेड़ा पहले ही पहुंचा

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिका और ईरान के रिश्तों में तनाव एक बार फिर तेज होता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका का दूसरा नौसैनिक बेड़ा ईरान की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि उन्होंने इस नए बेड़े की तैनाती को लेकर ज्यादा तकनीकी या रणनीतिक जानकारी साझा नहीं की। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान पर दबाव बढ़ाकर उसे एक नए समझौते के लिए तैयार करना चाहता है। उनका कहना था कि सैन्य मौजूदगी बढ़ाने का मकसद युद्ध नहीं, बल्कि ईरान को बातचीत की मेज तक लाना है। इससे पहले भी ट्रंप एक हफ्ते पहले ऐसा ही बयान दे चुके हैं।

ईरान पर हमले के लिए अपना एयरस्पेस नहीं देंगे: सऊदी अरब

रियाद। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब ने एक बड़ा और स्पष्ट रुख अपनाते हुए अमेरिका को कड़ा संदेश दिया है। सऊदी अरब ने साफ कहा है कि वह ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई के लिए न तो अपने हवाई क्षेत्र और न ही अपनी जमीन का इस्तेमाल करने देगा। इस फैसले को मिडिल ईस्ट की बदलती कूटनीति में एक अहम मोड़ माना जा रहा है।

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने इस संबंध में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से फोन पर बातचीत की।

इराक में अपनी पसंद का प्रधानमंत्री चाहते हैं ट्रंप

बगदाद। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ट्रंप ने इराक की आंतरिक राजनीति को लेकर कड़ा और असामान्य बयान दिया है। ट्रंप ने साफ चेतावनी दी है कि यदि इराक में पूर्व प्रधानमंत्री नूरी अल-मलिकी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाया गया, तो अमेरिका इराक को किसी भी तरह की मदद नहीं देगा।

क्यूबा पर ट्रंप की चेतावनी: इधर, ट्रंप ने एक बार फिर लैटिन अमेरिका को लेकर बेहद आक्रामक बयान दिए हैं। उन्होंने दावा किया है कि क्यूबा की सरकार जल्द ही गिरने वाली है और अमेरिका को वहां किसी सैन्य हस्तक्षेप की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके साथ ही ट्रंप ने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को खुली धमकी देते हुए सैन्य कार्रवाई का संकेत भी दिया है।

38 किलो वजन दिन में सिर्फ एक बार खाना, नो-कार्ब डाइट

उर्फी बोलीं- सबसे दुबला दौर ही सबसे अस्वस्थ था

मुंबई, जेएनएन। ग्लैमर और फिटनेस की दुनिया में अत्यधिक दुबलापन अक्सर अनुशासन और सुंदरता की निशानी मान लिया जाता है, लेकिन अभिनेत्री और सोशल मीडिया पर्सनालिटी उर्फी जावेद का हालिया खुलासा इस धारणा को चुनौती देता है। उर्फी ने बताया कि उनके जीवन का सबसे पतला दौर असल में उनका सबसे अस्वस्थ और मानसिक रूप से सबसे कठिन समय था।

उर्फी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वजन मशीन की तस्वीर साझा की, जिसमें वजन 38 किलो दिख रहा था। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'पिछले साल मेरा अधिकतम वजन 38 किलो था। मैं बहुत बीमार और डिप्रेशन में थी। लेकिन वेट ट्रेनिंग ने मुझे सच में बहुत मदद की।' उर्फी ने बताया कि उस समय उनका खान-पान बेहद सीमित था। वे दिन में सिर्फ एक बार खाना खाती थीं और पूरी तरह कार्बोहाइड्रेट से दूरी बना चुकी थीं। उन्होंने लिखा, 'मैं हमेशा चिड़चिड़ी, गुस्सैल और इरिटेटेड रहती थी।' मानसिक अस्थिरता के साथ-साथ इसका असर उनके शरीर पर भी दिखने लगा। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने बताया कि भले ही उनकी कमर सिर्फ 23 इंच रह गई थी, लेकिन चेहरा सूजा हुआ रहता था। कयास थे कि उन्होंने फिलर्स करवाए हैं, हकीकत कुछ और थी। उर्फी के मुताबिक, लंबे समय तक कम खाने, एलर्जी को नजरअंदाज करने और पोषण की कमी के कारण शरीर में सूजन, साइनस ब्लॉकेज और लिंफैटिक ड्रेनेज की समस्या पैदा हो गई थी।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 540/-

Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

बेचना

न्यू मार्केट की प्राइम लोकेशन पर सी.व्ही.डी. प्रोजेक्ट (गेमन इंडिया) में नव निर्मित 3 BHK फ्लेट, 1540 sqft सुपर बिल्टअप एरिया, टावर A, 9th फ्लोर पर, स्वयं की पार्किंग, तुरंत बेचना वास्तविक खरीददार ही सम्पर्क करें : 9131839589 (29-1)

अमेरिका में बर्फीला तूफान 38 की मौत, बिजली गुल

5 हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका इन दिनों भीषण बर्फीले तूफान की चपेट में है। 23 जनवरी से शुरू हुए इस शक्तिशाली विंटर स्टॉर्म ने देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में व्यापक तबाही मचाई है। अब तक कम से कम 38 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि लाखों लोग कड़ाके की ठंड, बर्फबारी और बिजली कटौती से जूझ रहे हैं। अधिकारियों ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 14 राज्यों में भारी बर्फबारी, फ्रीजिंग रेन और शून्य से नीचे तापमान ने जनजीवन ठप कर दिया है। कई जगहों पर सड़कों पर मोटी बर्फ जम गई है, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हुआ। न्यू मैक्सिको से लेकर मेन तक कम से कम 19 राज्यों में एक फुट (30 सेमी) से अधिक बर्फ गिरी है। तूफान का सबसे ज्यादा असर न्यूयॉर्क सिटी, टेनेसी, मिसिसिपी और लुइसियाना में देखा गया। न्यूयॉर्क सिटी में तापमान माइनस 13 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जो पिछले आठ वर्षों में सबसे ठंडा दिन रहा। शहर में सैकड़ों बेघर लोगों को शेल्टर में पहुंचाया गया है। देशभर में 5.5 लाख से ज्यादा घरों और कारोबारों की बिजली आपूर्ति बाधित रही।

हवाई यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बर्फ और खराब दृश्यता के कारण 5 हजार से अधिक उड़ानें रद्द की गईं, जबकि कई हवाई अड्डों पर परिचालन सीमित करना पड़ा। स्कूल-कॉलेज बंद हैं और आपात सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि बर्फबारी कुछ इलाकों में भले कम हो रही हो, लेकिन कड़ाके की ठंड कई दिनों तक बनी रह सकती है। प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने, हीटिंग उपकरण सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल करने और जरूरत पड़ने पर नजदीकी शेल्टर की मदद लेने की अपील की है।

आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को फटकार, कहा- कहानी न सुनाएं

काम नहीं कर रहे, हवा में महल बना रहे हैं

नई दिल्ली, जेएनएन। आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राज्य सरकारों की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि आवारा कुत्तों की नसबंदी और नियंत्रण को लेकर उसके पुराने निर्देशों का जमीनी स्तर पर पालन नहीं हुआ है। जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि राज्य काम करने के बजाय केवल कागजी रिपोर्ट देकर 'हवा में महल' बना रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि कई राज्यों ने रिपोर्ट तो दाखिल की है, लेकिन उनमें ठोस आंकड़े और वास्तविक प्रगति नहीं दिखती। मामले में नियुक्त एमिकस क्यूरी वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों का सार रखते हुए गंभीर कमियों की ओर ध्यान दिलाया। इस दौरान कोर्ट ने गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, झारखंड और गुजरात की दलीलें भी सुनीं।

कोर्ट के निर्देश

- आवारा कुत्तों की नसबंदी की रफ्तार बढ़ानी थी
- एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटरों की संख्या बढ़ानी थी
- कुत्तों के लिए शेल्टर बनाने थे
- स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक भवनों की घेराबंदी करनी थी
- सड़कों, हाईवे और एक्सप्रेसवे से आवारा जानवर हटाने थे

बिहार पर सवाल

कोर्ट ने बिहार की स्थिति पर चिंता जताई। बताया गया कि राज्य में 34 एबीसी सेंटर हैं और करीब 20 हजार कुत्तों की नसबंदी हुई है। लेकिन जब राज्य में 6 लाख से ज्यादा आवारा कुत्ते बताए गए, तो कोर्ट ने इस प्रगति को नाकाफी कहा। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया कि रोजाना कितनी नसबंदी हो रही है और कितने इलाकों में बाड़बंदी की गई है।

कुत्तों के काटने के आंकड़े चिंताजनक

कोर्ट ने कहा कि असम को छोड़कर किसी भी राज्य ने कुत्तों के काटने के मामलों का पूरा डेटा नहीं दिया। असम के आंकड़े देखकर पीठ हैरान रह गई। 2024 में 1.66 लाख मामले और 2025 के सिर्फ जनवरी महीने में 20,900 मामले। कोर्ट ने इसे बेहद गंभीर बताया।

जेल में अंधे हो सकते हैं इमरान खान

इस्लामाबाद, जेएनएन। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक- ए- इंसाफ (पीटीआई) ने गंभीर चेतावनी जारी की है। पार्टी का कहना है कि यदि इमरान को तत्काल और उचित इलाज नहीं मिला, तो उनकी एक आंख की रोशनी स्थायी रूप से जा सकती है और वे अंधे भी हो सकते हैं। पीटीआई ने एक्स पर बयान जारी कर बताया कि इमरान की दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन नाम की गंभीर बीमारी पाई गई है। पार्टी के अनुसार, जेल में मौजूद

डॉक्टरों ने इस बीमारी को अत्यंत संवेदनशील और खतरनाक बताया है। मेडिकल विशेषज्ञों का मानना है कि अगर समय पर सही इलाज नहीं हुआ, तो आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है।

पीटीआई ने आरोप लगाया है कि मेडिकल सलाह के बावजूद अडियाला जेल का प्रशासन इमरान खान का इलाज जेल परिसर के अंदर ही कराने पर जोर दे रहा है। पार्टी का कहना है कि सीआरवीओ के इलाज के लिए ऑपरेशन थिएटर और विशेष चिकित्सकीय सुविधाओं की आवश्यकता होती है।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान

(मध्यप्रदेश शासन, लोक सेवा प्रबंधन विभाग की पंजीकृत संस्था)
कार्यालय : सुशासन भवन, भदभदा चौराहा, टी.टी. नगर, भोपाल (म.प्र.) - 462003, दूरभाष क्रमांक : +91-755-2770765, 2770538, 2770761
ई-मेल : aiggpa@mp.gov.in, वेबसाइट : www.aiggpa.mp.gov.in
AIGGPA-ADMIN012(50)/2026/E-36317
भोपाल, दिनांक : 28.01.2026

(निविदा की सूचना)

अटल बिहारी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में (01 nos.Tablet) क्रय किये जाने हेतु GeM Portal<https://mkp.gem.gov.in/> पर खुली निविदा Bid Number : GEM/2026/B/7158212 के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार उपरोक्त वेबसाइट के माध्यम से निर्धारित नियमों/शर्तों के तहत निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते हैं। किसी भी प्रकार का संशोधन/सुधार/परिवर्तन होने की सूचना GeM Portal अथवा संस्थान की वेबसाइट <www.aiggpa.mp.gov.in> पर उपलब्ध रहेगी। जिसकी **अंतिम दिनांक 07.02.2026 दोपहर 01.00 बजे तक** निर्धारित है।

म.प्र. माध्यम/124176/2026 मुख्य प्रबंधक (प्रशासन)

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
Dy. General Manager (VIG) E-W-K, Office of The General Manager (City) Circle Bhopal, E-mail ID : vigilancenortheast@gmail.com
Ref. No. : DGM/VIG/CC/25-26/1347 Bhopal, Dated : 28.01.2026

OFFER FOR HIRING VEHICLE

MPMKVVCL hereby invited offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following Location :-

Name of Unit/Office	Particulars	Due Date & Time of Submission of Offer	Opening Date & Time of Tender's
DGM (VIG) E-W-K City Circle, Bhopal	**Type E :** Air-conditioned Jeep or equivalent Category MUV with min. engine capacity 1450 CC (for Petrol/Diesel) with Airbags and ABS.	12.02.2026 Up to 3:00 PM	12.02.2026 at 3:30 PM

Other details, terms and conditions are available on Company website **https://portal.mpcz.in** or the undersigned office.
M.P. Madhyam/124188/2026 **DGM (VIG) E-W-K**

ग्लोबल स्किल्स पार्क में आज वर्कशॉप

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र राज्य कौशल विकास एवं रोजगार सृजन बोर्ड और तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा आईटीआई संस्थानों के लिए एफिलिएशन नॉर्म्स 2025 पर राज्य स्तरीय जागरूकता वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में आयोजित वर्कशॉप में मप्र और छग के शासकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

उज्जैन में कुश्ती से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता शुरू

जागरण, उज्जैन। शहर में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के तहत चार खेलों का आयोजन किया जा रहा है। राजमाता सिंधिया खेलो स्टेडियम परिसर में कुश्ती प्रतियोगिता से इसकी शुरुआत हुई है। लोटी मैदान में मलखंब प्रतियोगिता चल रही है, जबकि आगामी दिनों में योगासन और रस्साकशी का आयोजन किया जाएगा। खेल अधिकारी ओपी हरोड़ ने बताया कि खेलो एमपी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण, शहरी और आदिवासी अंचलों से खिलाड़ियों को जोड़ना है।

"ट्वीट ऑफ द डे"

अखिलेश यादव
सपा प्रमुख

भाजपा के दंभ ने अनादिकाल से चली आ रही सनातनी परंपरा को तोड़ दिया है। जगद्गुरू शंकराचार्य का तीर्थराज प्रयाग की धरती पर माघ मेले को बिना पवित्र स्नान किये छोड़कर जाना अत्यंत अनिष्टकारी घटना है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज इससे आहत ही नहीं बल्कि अनिश्चित भय से आशंकित है।

जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में एवलांच: सीसीटीवी में कैद हुआ हिमस्खलन

कई होटल क्षतिग्रस्त लगातार बर्फबारी जारी

सोनमर्ग (गांदरबल), जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोनमर्ग में लगातार हो रही भारी बर्फबारी के बीच भीषण एवलांच (हिमस्खलन) आया। इस घटना में कई होटल और इमारतें बर्फ से ढंक गईं। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, यह हिमस्खलन मंगलवार रात मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में सोनमर्ग रिजॉर्ट क्षेत्र में हुआ। वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि होटल के पीछे पहाड़ी से अचानक बर्फ का सैलाब नीचे की ओर आया और कुछ ही सेकेंड में उसने होटलों व आसपास की इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया। बर्फ के तेज गुबार से पूरा इलाका ढंक गया।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने बचाव दलों को मौके पर भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। मौसम विभाग पहले ही कश्मीर घाटी और आसपास के ऊंचाई वाले इलाकों में एवलांच का अलर्ट जारी कर चुका था।

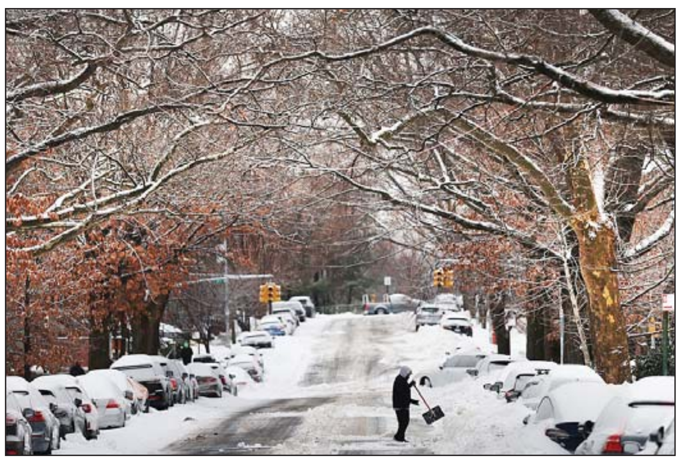

सोनमर्ग में लगातार हो रही भारी बर्फबारी के बीच भीषण एवलांच (हिमस्खलन) आया।

इस बीच जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कश्मीर के 11 जिलों गांदरबल, अनंतनाग, बांदीपोरा, बारामूला, कुलगाम और कुपवाड़ा सहित और जम्मू क्षेत्र के डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, राजौरी और रामबन जिलों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है। लोगों और पर्यटकों को ऊंचाई वाले व संवेदनशील इलाकों में न जाने की सलाह दी गई है।

अधिकारियों के मुताबिक, बर्फ हटाने और सड़कें खोलने का काम लगातार जारी है। इमरजेंसी सेवाओं और सशस्त्र बलों की आवाजाही में भी फिलहाल दिक्कतें बनी हुई हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि मौसम सामान्य होने तक अनावश्यक यात्रा से बचें और जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

58 फ्लाइट रद्द

लगातार बर्फबारी का असर जनजीवन और यातायात पर भी पड़ा है। मंगलवार को भारी हिमपात के चलते जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद रहा। वहीं श्रीनगर एयरपोर्ट पर रनवे असुरक्षित होने के कारण 58 फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ीं, जिनमें 29 आने वाली और 29 जाने वाली उड़ानें शामिल हैं। इससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षक का तबादला रुकवाने निकाला मार्च

जागरण, खरगोन। जिले के सेगांव में बुधवार को एक शिक्षक के ट्रांसफर के विरोध में 200 से अधिक छात्र और अभिभावक सड़क पर उतर आए। सांदीपनि स्कूल के शिक्षक नटवर पाटीदार का अटैचमेंट रद्द कराने की मांग को लेकर वे सर को वापस लाओ के नारे लगाते हुए खरगोन कलेक्ट्रेट के लिए पैदल निकल पड़े। करीब तीन किलोमीटर चलने के बाद डिप्टी कलेक्टर ने मौके पर पहुंचकर शिक्षक की वापसी का आश्वासन दिया, तब जाकर प्रदर्शन खत्म हुआ। बुधवार दोपहर करीब 11.30 बजे विद्यार्थी और अभिभावक स्कूल से रवाना हुए। सेगांव से गुजरते समय तहसीलदार अंतर सिंह कनेश, पुलिस चौकी प्रभारी गजेंद्र चौहान और बीआरसी संदीप कापरनीस ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। छात्र और अभिभावक अपनी मांग पर अड़े रहे और नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च जारी रखा।

भाजपा नेता ने युवती को दौड़ाकर पीटा, केस दर्ज

जागरण, सतना। जिले के नागौद थाना क्षेत्र में भाजपा मंडल अध्यक्ष पुलकित टंडन पर एक युवती और उसकी मां से मारपीट करने का आरोप लगा है। घटना मंगलवार देर रात की है, जिसमें गंभीर रूप से घायल मां-बेटी को अस्पताल ले जाना पड़ा। जानकारी अनुसार मंडल अध्यक्ष पुलकित अपनी दुकान के गोदाम में थे।

मां-बेटी किसी काम से उनके पास पहुंची थीं। इसी दौरान किसी बात को लेकर तीनों के बीच विवाद शुरू हुआ। इसके बाद टंडन ने गाली-गलौज करते हुए दोनों के साथ मारपीट की। पुलिस ने महिला की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पीड़िता ने बताया कि वह ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात को भाजपा मंडल अध्यक्ष पुलकित टंडन के यहां काम करने वाले आरके नामदेव का उसके पास फोन आया, उसने पुलकित से बात कराई। पुलकित ने पीड़िता से कहा कि ब्यूटी पार्लर के लिए एक कस्टमर आए हैं। आकर उनसे मिल लो। पहले तो पीड़िता ने मना कर दिया, लेकिन बाद में फोन कर जाने के लिए कह दिया। इसके बाद महिला भाजपा नेता की ट्रेडिंग दुकान के गोदाम के बाहर पहुंची थी।

यूजीसी ने 12 लाख विद्यार्थी व 50 हजार प्रोफेसर के फीडबैक को किया नजरअंदाज

भोपाल के संस्थानों के अलावा देशभर से लिए गए थे अभिमत, रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मेंटल हेल्थ इन एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस कमेटी गठित की रिपोर्ट के आधार पर विवि अनुदान आयोग (यूजीसी) ने रेगुलेशन 2026 लागू किया है। इसमें उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने व समानता बढ़ाने के प्रावधान हैं। यह रेगुलेशन देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में लागू हो गया है। हालांकि सूत्र बताते हैं कि एस रविंद्र भट्ट ने अपनी रिपोर्ट यूजीसी को सौंपी ही नहीं है। भोपाल के संस्थानों के प्रोफेसरों का कहना है पूर्व जज भट्ट ने यह रिपोर्ट प्रस्तुत की है, तो यूजीसी उसे सार्वजनिक करे। क्योंकि प्रश्नावली तैयार करने के बाद देशभर के करीब 12 लाख विद्यार्थी और 50 हजार प्रोफेसरों से फीडबैक लिया है, जिसे यूजीसी ने नजरअंदाज किया है। आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम, एम्स, लॉ इंस्टीट्यूशन, इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर, मैनेजमेंट के साथ अन्य केंद्रीय और राज्य स्तरीय हजारों संस्थानों से फीडबैक लिया गया है। फीडबैक कंपायल किया जा रहा है तो रिपोर्ट कैसे तैयार हो गई। आनन फानन में रेगुलेशन को लागू करने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

हर छह माह में देना होगी रिपोर्ट: यूनिवर्सिटी स्तर पर एक समानता समिति गठित की जाएगी। इसमें ओबीसी, महिला, एससी, एसटी और दिव्यांग वर्ग के प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल करना जरूरी होगा। यह समिति हर छह महीने में रिपोर्ट तैयार करेगी व यूजीसी को भेजेगी।

रिपोर्ट में यह है फैक्टर

देशभर में विद्यार्थी मानसिक दवाब के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। इसलिए प्रश्नावली को तैयार करने के लिए चार खास फैक्टर दिए गए हैं। इसमें सबसे पहले वित्त को रखा गया है। इसके बाद जातिवाद, भाषा और विद्यार्थयों के अपसी तालमेल का अभाव को शामिल किया गया है।

क्या है नया यूजीसी कानून?: नए रेगुलेशन की सबसे अहम विशेषता यह है कि अब अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को भी जातिगत भेदभाव की परिभाषा में शामिल किया गया है। नए कानून के तहत अब उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले ओबीसी छात्र, शिक्षक और कर्मचारी भी अपने साथ होने वाले जातिगत भेदभाव या उत्पीड़न की शिकायत सक्षम प्राधिकारी के समक्ष दर्ज करा सकेंगे। अब तक जातिगत भेदभाव से जुड़ी शिकायतों और प्रकोष्ठ मुख्य रूप से एससी-एसटी समुदाय तक सीमित थे। नए रेगुलेशन के बाद प्रत्येक संस्थान में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए समान अवसर प्रकोष्ठ स्थापित करना अनिवार्य होगा।

इसलिए हो रहा विरोध

यूजीसी के रेगुलेशन के लागू होने के बाद सामाजिक न्याय की पक्षधर शक्तियों के बीच अगड़ी जातियों में असंतोष को लेकर सवाल उठ रहा है। विरोध करने वाले संगठनों का तर्क है कि इस नियम का दुरुपयोग हो सकता है। इससे सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों और शिक्षकों को झूठे मामलों में फंसाया जा सकता है। इससे उनका भविष्य दांव पर लग जाएगा।

साल दर साल बढ़ रहे आंकड़े

यूजीसी के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2019-20 में जहां 173 शिकायतें दर्ज हुई थीं। वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 378 हो गई। वर्ष 2019-20 से वर्ष 2023-24 के बीच 704 विश्वविद्यालयों और 1553 कॉलेजों से कुल 1160 शिकायतें यूजीसी को प्राप्त हुईं। ये लगातार बढ़ भी रही हैं।

छात्र की मृत्यु की पुलिस को तत्काल सूचना देंगे कालेज

परीक्षा, हॉस्टल, मार्कशीट से नहीं किया जाएगा छात्रों को वंचित

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और मुख्य सचिव की 5वीं कॉन्फ्रेंस में बुधवार को उच्च शिक्षा तकनीकी शिक्षा और आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार की अध्यक्षता में पलाश रेसीडेंसी में राज्य के सभी विवि के कुलगुरुओं की बैठक हुई। बैठक में उच्च शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने कई जरूरी निर्णय लिए गए। इसमें उच्चतम न्यायालय द्वारा 15 जनवरी को क्रिमिनल अपील क्रमांक 1425 में पारित आदेश के अनुपालन में निर्णय लिया गया कि किसी भी छात्र की आत्महत्या अथवा अप्राकृतिक मृत्यु की जानकारी मिलते ही संबंधित शैक्षणिक संस्थान द्वारा तत्काल पुलिस को सूचना देना अनिवार्य होगा, चाहे घटना संस्थान परिसर के भीतर हुई हो या बाहर। इसके अतिरिक्त, ऐसी घटनाओं की वार्षिक रिपोर्ट विवि अनुदान आयोग (यूजीसी) एवं संबंधित नियामक संस्थाओं को प्रस्तुत करना भी आवश्यक होगा। बैठक में मंत्री परमार ने कहा कि आवासीय शैक्षणिक संस्थान में 24 घंटे आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए अथवा निकटतम एक किलोमीटर की परिधि में ऐसी सुविधा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने लंबे समय से रिक्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण पदों को चार माह की अवधि में भरने तथा आरक्षित वर्गों के पदों को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए हैं। मंत्री परमार ने कहा कि छात्रों की सभी लंबित छात्रवृत्तियों का समयबद्ध निराकरण किया जाए और छात्रवृत्ति में विलंब के कारण किसी भी छात्र को परीक्षा, कक्षा, हॉस्टल अथवा डिग्री/मार्कशीट से वंचित न किया जाए।

मिशन मोड पर होगी भर्ती: बैठक के प्रमुख निर्णय लिया गया कि वैश्विक प्रतिभा वापसी योजना का शुभारंभ, सभी राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति, अधिक रिक्तियों वाले विश्वविद्यालयों में मिशन मोड में संकाय भर्ती, पाठ्यक्रमों को अद्यतन, कौशल एवं अप्रेंटिसशिप आधारित डिग्री कार्यक्रमों की शुरुआत, एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनाना को लागू किया जाएगा।

मौसम: दो दिन बाद प्रदेश में फिर से हो सकती है बारिश

पश्चिमी विक्षोभ और दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन ने बदला मौसम

जागरण संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में कुछ समय तक ठंड से मिली राहत के बाद मंगलवार को राजधानी भोपाल सहित 30 अन्य जिलों में दर्ज की गई बारिश और 8 जिलों में हुई ओलावृष्टि के कारण मौसम ने फिर से करवट बदल दी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ और दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा के अनुसार उत्तरी पाकिस्तान के ऊपर 3.1 और 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। वहीं 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक ट्रफ लाइन बनी हुई है। दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के आसपास भी 1.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। इन तीनों के असर से मध्य प्रदेश में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि हो रही है। जिसके कारण प्रदेश में ठंडी हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि हो रही है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार 30 जनवरी के बाद से एक ओर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। जिसके कारण फरवरी की शुरुआत से ठंड और बारिश का एक और दौर फिर से शुरू हो सकता है। मौसम वैज्ञानिक एके शुक्ला ने बताया कि 30 जनवरी को उत्तर-पश्चिम भारत में नया सिस्टम सक्रिय हो रहा है। इसका असर दो से तीन दिन बाद मध्य प्रदेश में देखने को मिलेगा। जिसके कारण फरवरी की शुरुआत में प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार मैहर, उमरिया, रीवा, शहडोल, कटनी, सतना, मऊगंज, दक्षिणी शहडोल और रीवा जिलों में ओले गिर सकते हैं और जबलपुर, सिंगरौली, पन्ना और अनुपपुर में हल्की आंधी चलने की संभावना है।

ग्वालियर से राजगढ़ तक तेज बारिश दर्ज की गई

मौसम में इस बदलाव के कारण ग्वालियर से राजगढ़ तक तेज बारिश दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार ग्वालियर में करीब ढाई इंच, गुना, शिवपुरी और सागर में एक एक इंच बारिश दर्ज की गई। भोपाल संभाग के राजगढ़ में भी आधा इंच बारिश दर्ज हुई है। भोपाल में भी मंगलवार रात को तेज बारिश हुई। बारिश के चलते उज्जैन में फसलों का काफी नुकसान हुआ है। प्रदेश के आठ जिलों में चने के आकार के ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलें खराब हो गईं। इस दौरान ग्वालियर में विजिबिलिटी 50 मीटर से कम रही है। बुधवार सुबह ग्वालियर में वेरी डेंस फॉग देखने को मिला। खजुराहो में मध्यम कोहरा दर्ज किया गया। जहां दृश्यता 200 से 500 मीटर के बीच दर्ज की गई।

एनएबीएच सर्टिफिकेट अनिवार्य करने को चुनौती देने वाली याचिका निरस्त

शासन ने बेहतर स्वास्थ सेवाएं देने लिया फैसला, नहीं कर सकते हस्तक्षेप: हाईकोर्ट

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के प्रशासनिक न्यायाधीश विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत निजी अस्पतालों के एम्पैनलमेंट से जुड़ी नीति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका निरस्त कर दी। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया कि राज्य शासन ने यह कदम जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उठाया है। लिहाजा, हाई कोर्ट हस्तक्षेप नहीं करेगा। जिन अस्पतालों को एम्पैनलमेंट या नवीनीकरण से आपत्ति है, वे खुद कोर्ट आ सकते हैं। जिन अस्पतालों को 10 अक्टूबर 2025 के आदेश से तीन साल का सशर्त विस्तार मिला है, उन्हें याचिकाकर्ता ने पक्षकार ही नहीं बनाया। इसलिए जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। हालांकि कोर्ट ने जनहित याचिका को निरस्त करते हुए स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार के इस आदेश से प्रभावित निजी अस्पतालों और

स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के अधिकार प्रभावित नहीं होंगे और वे चाहें तो अलग से हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

जनहित याचिकाकर्ता बिलहरी, जबलपुर निवासी देवेंद्र दत्त शर्मा ने 23 सितंबर, 2025 और 10 अक्टूबर, 2025 को मप्र सरकार द्वारा जारी उन आदेशों को चुनौती दी थी, जिनके तहत भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर जैसे बड़े शहरों में केवल उन्हीं निजी अस्पतालों को आयुष्मान भारत योजना के तहत सूचीबद्ध करने का प्रविधान किया गया था, जिनके पास एनएबीएच फाइनल लेवल क्वालिटी सर्टिफिकेट है। जनहित याचिका में दावा किया गया था कि यह शर्त छोटे और मध्यम स्तर के अस्पतालों के लिए नुकसानदेह है और इससे गरीब मरीजों को बड़े कार्पोरेट अस्पतालों पर निर्भर होना पड़ेगा। इस नियम के अमल में आने से प्रदेश के बड़ी संख्या में छोटे और माध्यम अस्पताल बंद हो जाएंगे। इससे प्रदेश भर में स्वास्थ्य सेवाओं पर बुरा असर पड़ेगा। राज्य शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह रूपराह व पैनल अधिवक्ता आकाश मालपानी ने जनहित याचिका का विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि इस मामले से जनहित याचिकाकर्ता का कोई प्रत्यक्ष सरोकार नहीं है। कायदे से इस मुद्दे पर अस्पतालों को आगे आना था, लेकिन वो नहीं आए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने प्रतिबद्ध है। ऐसे में एम्पेनलमेंट के लिए बनाए गए नियमों को गलत नहीं ठहराया जा सकता।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।